epaper.dehatsandesh.com

3 केवीके कठुआ ने तिलहन खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को बनाया सशक्त

5 सिंकफील्ड कप में गुकेश ने दूसरे दौर में अब्दुसत्तोरोव को हराया

8 प्रदेश में कहीं भी उर्वरक की दिक्कत नहीं, कालाबाजारी पर योगी सरकार सख्त

मौसम जम्मू न्यूनतम 26 अधिकतम 31

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-206 | जम्मू तवी, वीरवार 21 अगस्त, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन, आपराधिक छवि वालों को संवैधानिक पद से हटाने वाले विधेयक पेश कर समिति को भेजा

“ कांग्रेस समेत विपक्ष पर बरसे अमित शाह, कहा– उनका दोहरा चरित्र जनता भली–भांति समझ चुकी है

नयी दिल्ली, 20 अगस्त। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में गंभीर आपराधिक आरोपों में 30 दिनों से गिरफ्तार प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने संबंधी तीन विधेयक पेश किए। इन विधेयकों के मसौदे को संसद की एक संयुक्त समिति को भेजे जाने पर विपक्ष ने कड़ा विरोध जताया। बार–बार व्यवधान के बीच, शाह ने तीनों विधेयक पेश किए और ध्वनिमत से एक प्रस्ताव पारित कर इन विधेयकों को संसद की एक संयुक्त समिति को भेजने का निर्णय लिया गया, जिसमें लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य शामिल हैं। समिति को अगले सत्र के पहले सप्ताह के अंतिम दिन तक सदन में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। संसद का अगला सत्र (शीतकालीन सत्र) नवंबर के तीसरे सप्ताह में शुरू होने की संभावना है। जैसे ही विधेयक पेश किए गए, विपक्षी सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और नारेबाजी करते हुए आसन के सामने आ गए। कुछ ने तो शाह के सामने विधेयकों की प्रतियां भी फाड़ दीं।एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी और कांग्रेस के मनीष तिवारी तथा के.सी. वेणुगोपाल सहित विपक्षी सांसदों ने इस विधेयक के प्रस्ताव का विरोध किया और प्रस्तावित कानून को संविधान और संघवाद के विरुद्ध बताया, जबकि शाह ने इस आलोचना को खारिज कर दिया कि विधेयक जल्दबाजी में लाए गए थे। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति के पास भेजा जाएगा जहाँ विपक्ष सहित दोनों सदनों के सदस्यों को अपने सुझाव देने का अवसर मिलेगा। जब वेणुगोपाल ने गुजरात के गृह मंत्री रहते हुए शाह की गिरफ्तारी का मुद्दा उठाया और राजनीति में उनकी नैतिकता के दावे के बारे में पूछा, तो वरिष्ठ भाजपा नेता ने पलटवार करते हुए कहा कि उन्होंने गिरफ्तारी से पहले ही नैतिक आधार पर इस्तीफा दे दिया था और अदालत द्वारा बरी किए जाने के बाद ही सरकार में शामिल हुए थे। शाह ने कहा, हम इतने बेशर्म नहीं हो सकते कि गंभीर आरोपों का सामना करते हुए भी संवैधानिक पदों पर बने रहें। लगातार शोरगुल के बीच, सदन की कार्यवाही शाम 5 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई क्योंकि अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सदस्यों से बार–बार अपनी सीटों पर बैठने और सदन की गरिमा बनाए रखने का अनुरोध किया। इससे पहले दिन में, जैसे ही विरोध प्रदर्शन बढ़ा, विपक्षी और सत्तारूढ़ दल के सांसदों के बीच थोड़ी धक्का–मुक्की हुई और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और किरेन रिजिजू सहित भाजपा सदस्यों ने शाह को बचाने के लिए आगे आए।

जीएसटी सुधार आम आदमी, किसान, मध्यम वर्ग, छोटे कारोबारियों के फायदे के लिए : सीतारमण

नयी दिल्ली, 20 अगस्त। वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों के युक्तिकरण का उद्देश्य आम आदमी, किसान, मध्यम वर्ग और एमएसएमई को अधिक राहत प्रदान करना है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि इसके साथ ही इसके माध्यम से अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को और सरलीकृत, पारदर्शी और विकासोन्मुखी करने का प्रयास है। उन्होंने जीएसटी परिषद द्वारा क्षतिपूर्ति उपकर, स्वास्थ्य एवं जीवन बीमा, तथा दरों के युक्तिकरण पर गठित मंत्रिसमूहों (जीओएम) को संबोधित करते हुये यह बात कही।

बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री, गोवा के मुख्यमंत्री, बिहार के उपमुख्यमंत्री और तीनों जीओएम में शामिल राज्यों के वित्त मंत्री भी उपस्थित थे।

केंद्र सरकार सहकारी संघवाद की भावना के साथ अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों को लागू करने के लिए आने वाले हफ्तों में राज्यों के साथ व्यापक सहमति बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

दो दिन की इस बैठक में मंत्रियों के ये समूह जीएसटी दरों के सरलीकरण, बीमा पर जीएसटी और क्षतिपूर्ति उपकर के साथ कर प्रणाली में अगली पीढ़ी के सुधारों पर चर्चा करेंगे। जीएसटी में सुधार लाने के लिए कर की दरों को घटा कर दो स्लैब में पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत करने की योजना है। कुछ अहितकर वस्तुओं पर केंद्र ने ऊंची (40 प्रतिशत) दर का भी प्रस्ताव किया है। अभी जीएसटी में पांच, 12,18 और 28 प्रतिशत की दर से कर लगता है। आवश्यक वस्तुएं शून्य या पांच प्रतिशत के दायरे में हैं।

वित्त मंत्री ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपने प्रारंभिक वक्तव्य में कहा कि जीएसटी व्यवस्था में प्रस्तावित सुधारों से ग्राहकों के सामर्थ्य में वृद्धि होगी, उपभोग को बढ़ावा मिलेगा और आवश्यक एवं आकांक्षी वस्तुओं को व्यापक जनसंख्या तक अधिक पहुँच प्राप्त होगी।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए दिवाली तक देश को जीएसटी में सुधार का तोहफा देने की घोषणा की थी।

वित्त मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि जीएसटी में केंद्र सरकार का यह प्रस्ताव 'आत्मनिर्भर भारत' की यात्रा में जीएसटी सुधारों की अगली पीढ़ी की शुरुआत करने के दृष्टिकोण से है।

यह एक बुनियादी सुधार होने जा रहा है जिसमें उल्टे कर ढांचे (कच्चे और माध्यमिक माल पर तैयार माल से ऊंची दर) को सीधा करने से इनपुट टैक्स क्रेडिट का बकाया कम होगा तथा घरेलू मूल्यवर्धन को बढ़ावा मिलेगा। इन सुधारों से अनुपालन में सरलता आयेगी, विवाद कम होंगे, वर्गीकरण संबंधी मुद्दों का समाधान होगा, उद्योगों का भरोसा बढेगा तथा वे विश्वास के साथ दीर्घकालिक योजनायें बना सकेंगे।

भारत को कच्चे तेल का निर्यात स्थिर रहेगा : रूसी राजनयिक

नयी दिल्ली, 20 अगस्त। भारत में रूस के उपराजदूत रोमन बाबुश्किन ने बुधवार कोकहा कि वैश्विक प्रतिबंधों और व्यापारिक दबावों के बावजूद भारत कोकच्चे तेल का निर्यात स्थिर बना रहेगा। नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास मेंपत्रकारों से बातचीत में बाबुश्किन ने कहा, वर्तमान परिस्थितियों औरबदलते हालात के बावजूद रूस का कच्चे तेल का भारत को निर्यात जारीरहेगा। रूसी तेल का कोई विकल्प नहीं है, क्योंकि यह बेहद प्रतिस्पर्धी हैऔर उच्च लाभ मार्जिन देता है।उन्होंने बताया कि दोनों देशों के बीचव्यापार हाल के वर्षों में लगभग सात गुना बढ़ा है। रूस हर साल भारत कोकरीब 250 मिलियन टन तेल आपूर्ति करता है और औसतन पांच प्रतिशतकी छूट भी देता है, जो वार्ता के आधार पर तय होती है। बाबुश्किन ने कहाकि यूरोपीय संघ के 18वें प्रतिबंध पैकेज का भारत के साथ रूस के तेलव्यापार पर कोई असर नहीं पड़ा है। जब उनसे यह पूछा गया कि यदिभारत रूसी तेल आयात बंद कर दे तो क्या होगा, तो उन्होंने कहा, मुझेनहीं लगता कि ऐसा कभी होगा। उन्होंने कहा कि कच्चा तेल, रसायनऔर उर्वरक के साथ, द्विपक्षीय व्यापार की रीढ़ है। उन्होंने यह भी कहा किफ्जितना दबाव बढ़ता है, उतना ही अधिक सहयोग दिखाई देता है। बाबुश्किन ने ब्रिक्स देशों के बीच बढ़ते व्यापार और भारत–रूस सहयोग केव्यापक पहलुओं पर भी बात की, जिनमें ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा, संस्कृति, अवसंरचना और राजनयिक संवाद शामिल हैं। उन्होंने बताया किप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस महीने दो बारबात कर चुके हैं। वहीं, विदेश मंत्री एस. जयशंकर इस समय मॉस्को दौरेपर हैं, जहां वे अंतर–सरकारी आयोग की बैठक की सह–अध्यक्षता करेंगेऔर रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से भी मुलाकात करेंगे। पुतिन कीप्रस्तावित भारत यात्रा पर उन्होंने कहा कि इसकी तारीख अभी तय नहीं हुईहै। बाबुश्किन ने दोहराया कि प्रतिबंध केवल वैश्विक अस्थिरता कोबढ़ावा देते हैं

राधाकृष्णन ने उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया

नयी दिल्ली, 20 अगस्त । उप राष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार सी पी राधाकृष्णन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस एतिहासिक मौके पर प्रधानमंत्री उप राष्ट्रपति उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन के प्रस्तावक बने। इस अवसर पर उनके साथ श्री मोदी के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और राजग सहयोगी दलों के वरिष्ठ नेता तथा जनता दल यूनाइटेड से ललन सिंह और संजय झा, लोजपा (रामविलास) से चिराग पासवान, केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी के अलावा और भी कई केन्द्रीय मंत्री मौजूद थे।

श्री राधाकृष्णन का नामांकन चार सेटों में दाखिल हुआ है। जिनमें से प्रत्येक पर 20 प्रस्तावकों और 20 अनुमोदकों के हस्ताक्षर हैं। पहले सेट में मुख्य प्रस्तावक के रूप में प्रधानमंत्री मोदी के हस्ताक्षर हैं, जबकि बाकी सेटों में केंद्रीय मंत्रियों और वरिष्ठ राजग नेताओं के हस्ताक्षर हैं, जो गठबंधन में व्यापक सहमति को दर्शाता है।

उप राष्ट्रपति उम्मीदवार राधाकृष्णन के इस एतिहासिक मौके पर संसद

मुख्य सचिव ने प्रतिनिधिमंडल के साथ 'जलवायु स्मार्ट कृषि' को आगे बढ़ाने पर चर्चा की

श्रीनगर, 20 अगस्त। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में जलवायु स्मार्ट कृषि के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए हैदराबाद स्थित अंतर्राष्ट्रीय अर्ध–शुष्क उष्णकटिबंधीय फसल अनुसंधान संस्थान के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ विस्तृत विचार–विमर्श किया।

आईसीआरआईएसएटी के उप महानिदेशक डॉ. स्टैनफोर्ड ब्लेड के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मंजूर डार और डॉ. डेमारिस ओडेनी भी शामिल थे, जबकि स्कॉस्ट–कश्मीर के अनुसंधान निदेशक प्रोफेसर हारून नाइक भी बैठक के दौरान उपस्थित थे। चर्चा मुख्य रूप से स्कॉस्ट–के में शुष्क भूमि कृषि के लिए हिमालयन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना पर केंद्रित थी, जिसे जम्मू और कश्मीर को जलवायु–अनुकूल और टिकाऊ कृषि में अग्रणी बनाने की एक ऐतिहासिक पहल के रूप में देखा जा रहा है। प्रस्तावित केंद्र हिमालयी क्षेत्र की विशिष्ट कृषि–पारिस्थितिक परिस्थितियों के अनुकूल अनुसंधान, नवाचार और प्रौद्योगिकी प्रसार के केंद्र के रूप में कार्य करेगा। इसके मुख्य क्षेत्रों में जलवायु–अनुकूल फसल किस्मों का विकास, विकेन्द्रीकृत बीज प्रणालियों को सु.ढ़ बनाना, पुनर्योजी और शुष्क भूमि कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना, मृदा एवं जल संरक्षण को बढ़ावा देना, तथा पूरे केंद्र शासित प्रदेश में किसान–केंद्रित मूल्य श्रृंखलाओं को बढ़ावा देना शामिल होगा। विचार–विमर्श के एक प्रमुख भाग में जम्मू–कश्मीर के लिए चारा सुरक्षा के महत्वपूर्ण महत्व पर प्रकाश डाला गया। विशेषकर पहाड़ी और वर्षा आधारित क्षेत्रों में, कृषक परिवारों का एक बड़ा हिस्सा पशुधन पर निर्भर है।

मुख्य सचिव को चारा विकास कार्यक्रमों को सुदृढ़ करने की तत्काल आवश्यकता से अवगत कराया गया। उन्हें बताया गया कि वर्ष भर गुणवत्तापूर्ण चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने से पशुधन उत्पादकता में सुधार होगा और ग्रामीण समुदायों के लिए पोषण और आजीविका सुरक्षा दोनों में वृद्धि होगी।

उत्कृष्टता केंद्र से फसल–पशुधन प्रणालियों, उन्नत अनुसंधान और किसान–केंद्रित नवाचारों को एकी.त करने की अपेक्षा की जाती है, जिससे आने वाले समय में जम्मू–कश्मीर के .षक समुदायों की स्थायी आजीविका, जलवायु परिवर्तनों के प्रति लचीलापन और दीर्घकालिक समृद्धि में योगदान मिलेगा।

रेलवे बोर्ड ने दिल्ली से घाटी के बडगाम तक पहली मालगाड़ी सेवा को मंजूरी दी

नई दिल्ली, 20 अगस्त। रेलवे बोर्ड ने स्थानीय लोगों और व्यापारी वर्ग कोलाभ पहुँचाने के लिए दिल्ली और कश्मीर घाटी के बडगाम के बीच एकमालगाड़ी को मंजूरी दे दी है। 20 अगस्त के एक परिपत्र में कहा गया हैकि रेलवे बोर्ड ने उत्तर रेलवे ज़ोन, जिसके अंतर्गत जम्मू मंडल आता है, केप्रस्ताव की जाँच की और बडगाम–आदर्श नगर (दिल्ली)–बडगाम मार्ग परप्रतिदिन संयुक्त पार्सल उत्पाद–रैपिड कार्गो (जेपीपी–आरसीएस) ट्रेन सेवाको मंजूरी देने का निर्णय लिया। परिपत्र में कहा गया है, फ्यह ट्रेन सेवाआठ वीपी (पार्सल वैन) और एक एसएलआर (सीटिंग–कम–लगेज रेक) केसाथ संचालित होगी। इसमें बारीब्राह्मण (बीबीएमएन) के रूप में एकमध्यवर्ती लोडिंग/अनलोडिंग सुविधा होगी।फ्र इसमें आगे कहा गया है कियह सेवा शुरू में संचालन की तारीख से एक वर्ष के लिए पायलट आधारपर चलेगी।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सामाजिक समावेशन योजनाओं के अंतर्गत कवरेज बढ़ाने का आह्वान किया

श्रीनगर, 20 अगस्त। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने वित्तीय समावेशन योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा कवरेज, जिला पूंजीगत व्यय और निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि कार्य कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा के लिए एक उच्च–स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। मुख्यमंत्री ने चालू वित्त वर्ष के लिए जीएसटी संग्रह–कर और गैर–कर राजस्व की भी समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता, सभी प्रशासनिक सचिव, सभी जिलों के उपायुक्त और अन्य संबंधित व्यक्ति व्यक्तिगत रूप से और वर्चुअल माध्यम से उपस्थित थे।

प्रमुख सचिव वित्त संतोष डी. वैद्य ने वित्तीय और सामाजिक समावेशन योजनाओं, राजस्व सृजन के रुझानों और पूंजीगत व्यय तथा सीडीएफ कार्यों के अंतर्गत जिलेवार प्रगति पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी।

मुख्यमंत्री ने कार्यों की अपलोडिंग और निविदा में धीमी गति का उल्लेख किया और सभी विभागों और जिलों को निर्देश जारी किए कि वे राजस्व प्राप्ति और सामाजिक समावेशन योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करें और सुधारात्मक उपायों को वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही तक छोड़ने के बजाय मासिक आधार पर प्रगति की निगरानी करें। मुख्यमंत्री ने ज़ोर देकर कहा, विभागों को राजस्व लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए फ़रवरी और मार्च का इंतज़ार नहीं करना चाहिए। प्रत्येक विभाग को वित्त विभाग से विशिष्ट संदेश प्राप्त होगा जिसमें उनके चिंताजनक क्षेत्रों को चिह्नित किया जाएगा और छह महीने के राजस्व लक्ष्य का विवरण दिया जाएगा।

उपराज्यपाल ने कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रशासनिक भवन और एम्फीथिएटर का उद्घाटन किया

गांदरबल 20 अगस्त। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गांदरबल के तुलमुल्ला परिसर स्थित कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रशासनिक भवन और एम्फीथिएटर का उद्घाटन किया।

अपने संबोधन में, उपराज्यपाल ने शिक्षाविदों और छात्रों के महत्वपूर्ण योगदान की आवश्यकता पर बल दिया क्योंकि भारत अगले दो दशकों में विकसित भारत / 2047 के अंतिम लक्ष्य के साथ महत्वपूर्ण विकास की ओर अग्रसर है।

उन्होंने कहा, हमारे विकास मॉडल का ध्यान ऐसी मानव पूंजी के निर्माण पर होना चाहिए जो आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सके।

उपराज्यपाल ने छात्रों के बीच एक आकर्षक शिक्षण वातावरण प्रदान करने, आलोचनात्मक सोच और जीवन कौशल, समस्या समाधान और नवाचार को बढ़ावा देने के महत्व पर प्रकाश डाला।

उपराज्यपाल ने कहा, हमें 'सब चलता है' वाले रवैये से मुक्ति पाकर भारत को ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में बदलने के लिए कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के पुराने पाठ्यक्रम में क्रांतिकारी बदलाव लाने होंगे। हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता मानव पूंजी, नवाचार और अनुसंधान में निवेश होनी चाहिए।

अंतर्विषयक पाठ्यक्रमों पर पर्याप्त ध्यान दिया जाना चाहिए। रचनात्मकता, नवाचार, सोच और कौशल विकसित करने के अलावा, अंतःविषयक पाठ्यक्रम छात्रों को उनकी सामाजिक और नैतिक ज़िम्मेदारियों के प्रति जागरूक बनाने में भी मदद करते हैं।

उपराज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय विकास की धुरी है और छात्र उसकी परिधि। उन्होंने कहा कि मानव विकास कभी भी यांत्रिक नहीं होता। इसके लिए एक बेहतर विश्वविद्यालय, शिक्षकों और शिक्षण वातावरण की आवश्यकता होती है।

उपराज्यपाल ने आगे कहा, तेज़ विकास और विकसित होती तकनीक के कारण, हमें असाधारण गुणों वाले मानव संसाधनों की आवश्यकता है। उनमें आजीवन सीखने का कौशल और समय के साथ पुनः कौशल विकास और अप–स्किलिंग के लिए बदलाव की क्षमता होनी चाहिए।

हमारे विकास मॉडल का ध्यान ऐसी मानव पूंजी के निर्माण पर होना चाहिए जो आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सके–उपराज्यपाल सिन्हा

इस अवसर पर कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय के नवनियुक्त संकाय सदस्यों के लिए सात दिवसीय प्रेरण कार्यक्रम का भी शुभारंभ हुआ।

मिजोरम की राजधानी आइज़ोल पहली बार जुड़ी भारतीय रेल नेटवर्क से

जम्मू, 18 अगस्त। बैराबी–सैरांग नई रेल लाइन परियोजना (51.38 किमी) मिजोरम के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित हुई है। इस परियोजना के पूरा होने के साथ ही मिजोरम की राजधानी आइजोल पहली बार भारतीय रेल नेटवर्क से सीधे जुड़ गई है। एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत तैयार की गई यह परियोजना प्रगति और राष्ट्रीय एकीकरण का प्रतीक मानी जा रही है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना में कुल 48 सुरंगें (12.85 किमी लंबी) और 142 पुल शामिल हैं। इनमें सबसे खास है ब्रिज नंबर 196, जिसकी ऊंचाई 114 मीटर है और यह भारत का दूसरा सबसे ऊंचा पियर ब्रिज है, जो कुतुब मीनार से 42 मीटर ऊंचा है। रेल मार्ग की सुरंगों को मिजो संस्कृति से जुड़े भव्य चित्रों और भित्ति–चित्रों से सजाया गया है, जिससे आधुनिक

इंजीनियरिंग और स्थानीय परंपरा का सुंदर संगम देखने को मिलता है। परियोजना को चार चरणों में पूरा किया गया और जून 2025 में इसे सीआरएस से मंजूरी मिल गई, जिसके बाद संचालन का रास्ता साफ हुआ। इस उपलब्धि के साथ मिजोरम चौथा पूर्वोत्तर राज्य बन गया है, जिसकी राजधानी भारतीय रेलवे नेटवर्क से सीधे जुड़ी है। इस परियोजना के माध्यम से परिवहन लागत में भारी कमी आएगी, पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, व्यापार में तेजी आएगी

अनुसंधान-आधारित शिक्षा समकालीन चुनौतियों का समाधान और ज्ञान-आधारित समाज के निर्माण की कुंजी है:सकीना इत्तू

जम्मू, 20 अगस्त। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण एवं शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने कहा कि समकालीन चुनौतियों का समाधान और ज्ञान–आधारित समाज के निर्माण के लिए अनुसंधान–आधारित शिक्षा महत्वपूर्ण है।

मंत्री ने यह बात यहाँ राजकीय गांधी स्मारक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित बहु–विषयक अनुसंधान में उभरते रुझानों–2025 पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन के बाद संबोधित करते हुए की। जम्मू पूर्व के विधायक युद्धवीर सेठी, उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शांतमनु, जम्मू क्लस्टर विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रो. के.एस. चंद्रशेखर, जम्मू विश्वविद्यालय के प्रख्यात शिक्षाविद् प्रो. रजनीकांत, जीजीएम साइंस कॉलेज के प्राचार्य प्रो. रोमेश कुमार गुप्ता, प्रख्यात शिक्षाविद, विशिष्ट अतिथि, आमंत्रित वक्ता, विविध विषयों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में छात्र भी इस अवसर पर उपस्थित थे। अपने अध्यक्षीय भाषण में, मंत्री ने शैक्षणिक उत्.ष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और युवा शोधकर्ताओं को एक मंच प्रदान करने के लिए जीजीएम

साइंस कॉलेज की सराहना की। उन्होंने शोधकर्ताओं और छात्रों को भविष्य की वैश्विक चुनौतियों के लिए तैयार करने हेतु उनमें नवाचार, अंतःविषय सहयोग और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देने के महत्व पर प्रकाश डाला। शिक्षा मंत्री ने अन्वेषण की संस्.ति को पोषित करने में संकाय और प्रशासन के प्रयासों की भी सराहना की और उन्हें सार्थक अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दो दिवसीय सम्मेलन के महत्व पर बोलते हुए, मंत्री महोदया ने कहा कि यह सम्मेलन जम्मू–कश्मीर के शैक्षिक मानकों को ऊपर उठाने के उद्देश्य से विचारों के जीवंत आदान–प्रदान और विद्वत्तापूर्ण चर्चाओं का एक अनूठा मंच है।

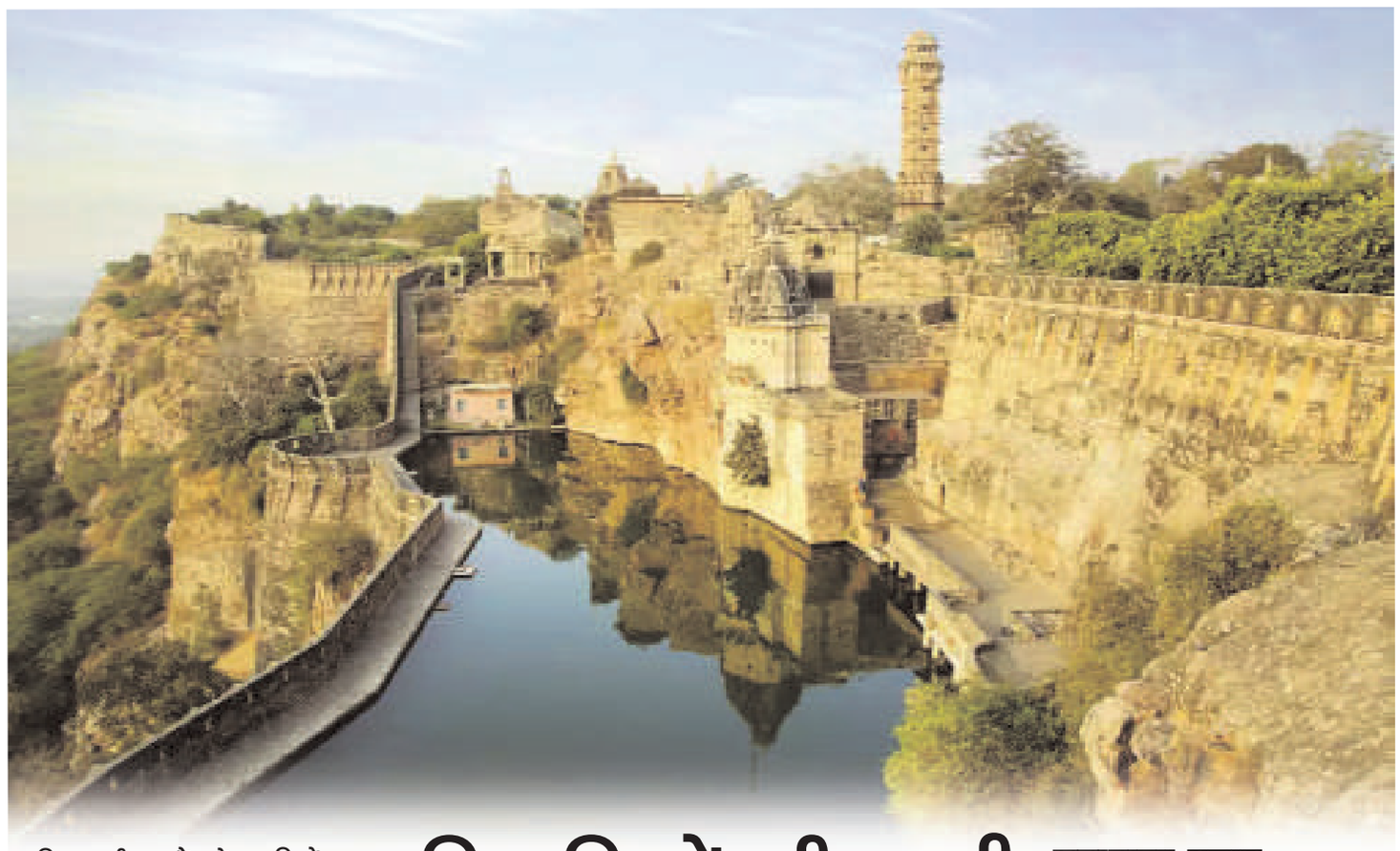

बलिदानियों की धरती चित्तौड़गढ़

बलिदान की उन सैंकड़ों कहानियों का गवाह रहा हूं, जिन पर वर्तमान को मुझपर अभिमान है.कभी लहू देकर मेरा सम्मान किया गया.तो कभी उन जलती चिता को देखकर मैंने आंसू बहाए.जो मेरी बेटी थी.जो मेरा बेटा था.मेरी धरती पर उन बेटों ने जन्म लिया है.उन बेटियों ने जन्म लिया है, जिनपर आज भी मुझे गर्व है.आज मैं अपनी कहानी सुना रहा हूं.मैं चित्तौड़गढ़ हूं.आज मैं अपने इतिहास. वीरतापूर्ण लड़ाइयों.राजपूत शूरता. महिलाओं के अद्वितीय साहस की कई और कहानियां सुना रहा हूं. दुनिया में वीरता, बलिदान, त्याग, साहस के न जाने कितने किरदार आपने देखे होंगे और सुने होंगे.पर मुझे नाज है कि हिंदुस्तान की सरजमीं पर इतने सारे नायकों से भरी धरा कोई नही है.

मेरा इतिहास मेरी जुबानी

चित्तौड़ की इस पावन धरा ने तो अन्याय और अत्याचार के खिलाफ ही लड़ना जाना.हमें क्या पता ये सियासत क्या होती है.हिंदू-मुसलमान के नाम पर हमें मत बांटो.हमने अपने बेटों को कभी धर्म और संप्रदाय की आंखों से नहीं देखा. जब मुगल बाबर ने हमें आंखें दिखाई थी, तो खन्वा के युद्ध में मेरे बेटे राणा सांगा का साथ देने के लिए हसन खान चिश्ती और महमूद लोदी ही तो आए थे.जब अत्याचारी अहमद शाह हमें लूटने पहुंचा, तो हमारी राजमाता कर्णावती ने रक्षा के लिए अपने मुगल भाई हुमायूं को ही तो राखी भेजी थी.जब मेरे प्रतापी बेटे महाराणा प्रताप के खिलाफ सभी सगे संबंधी मुगल अकबर के साथ हो गए, तो प्रताप का सेनापति बनकर पठान योद्धा हाकम खान सूर ने ही युद्ध में बलिदान दिया.मुझे किसी करणी सेना के नाम पर किसी जाति में मत बांधो.जब खुद के एक मेरे नालायक बेटे बनबीर ने मेरे ऊपर अत्याचार किए, तो मेरे वारिस उदय सिंह को बचाने के लिए गुर्जर जाति की पन्नाधाय ने अपने बेटे चंदन का बलिदान कर मेरे वारिस को बचाया था. जब महराणा प्रताप की मदद किसी ने नहीं की, तो एक वैश्य ने सबकुछ बेचकर मेरी 12,000 सेनाओं का खर्च उठाया. जब राजपूत राजा हमारे लिए लड़ रहे प्रताप के खिलाफ अकबर से जा मिले, तो प्रताप की सेना में लड़ने के लिए घूमंतु आदिवासी गड़रिया लुहार ही साथ आए थे.जब अकबर ने हमला किया तो किसी रानी ने नहीं बल्कि फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे गोद में चित्तौड़ की सभी महिलाओं ने आखिरी जौहर किया था.

पांचवी सदी में मौर्यवंश के शासक चित्तरांगन मौरी ने जब 7 मील यानी 13 किमी की लंबाई, 180 मी.ऊंचाई और 692 एकड़ में फैले इस पहाड़ी पर मुझे बसाया था.तब किसी को कहां पता था कि दुनिया का सबसे बुजुर्ग गढ़ मैं, यानी चित्तौड़गढ़, हिंदुस्तान की माटी का तिलक बन जाउंगा.मोरी वंश के अंतिम शासक मान सिंह मोरी के बाद मेरे पास 728 ईसवीं में गोहिल वंश के शासक आए.गोहिलों के शासन के बाद रावल वंश का शामन चला.कहते हैं गोहिलों ने दहेज में राजकुमारी को ये किला भेंट किया.रानी, राजकुमारी से रावल वंश के वंशज बप्पा रावल की शादी हुई थी. सातवीं से 13वीं सदी तक मेरे वैभव का काल था.जब हमारी सुचिता, वैभव और पराक्रम की कहानियां दूर-दूर तक कही जाने लगी.लेकिन चौदहवीं सदी से लेकर 16 वीं सदी तक हमने सबसे बुरा दौर देखा.जाने किसकी नजर हमारे चित्तौड़गढ़ पर लग गई और रावल वंश के शासक रतन सिंह के शासन के दौरान 1303 में अलाउद्दीन खिलजी ने मेरे उपर हमला कर दिया.हिंदुस्तान के सबसे सुरक्षित माना जाने वाला अभेद्य दुर्ग सबसे कमजोर भी हो सकता है ये खिलजी की युद्धनीति ने पहली बार सामने ला दिया.फिर यहीं से हम हमेशा के लिए कमजोर बनते चले गए.सात दरवाजों से घिरे मेरे अंदर सात विशाल दुर्ग दरवाजे हैं, जिसे कोई पार नही कर सकता.लेकिन 1303 में खिलजी ने जाड़े में चारो तरफ से मुझे घेरकर मैदान में डेरा डाल दिया.वो मेरे अंदर नहीं आ सकता था.लेकिन दुर्ग के अंदर हमारे राशन-पानी को बंद कर दिया.सात महीने में हम बेबस होकर युद्ध के लिए मैदान में आए और हमारे रावल रतन सिंह और उनके दो बहादुर सेनापति गोरा-बादल शहीद हुए.

हमारी रुपवती रानी पद्मिनी को 16000 रानियों के साथ जौहर करना पड़ा.ये पहली बार था, जब हमारी वीरता और साहस-बलिदान की अमर कहानी दुनिया ने देखी.कहते हैं अलाउद्दीन लंपट स्वभाव का था और पद्मिनी को पाने के लिए युद्ध किया था.लेकिन हिंदुस्तान की सबसे ताकतवर सेना के होते हुए भी वो हमारी महरानी को नही पा सका.रावलों के शासन का यहीं अंत हुआ.13 साल तक अलाउद्दीन खिलजी और उसके बेटे खेजर ने मेरे ऊपर राज किया.इस दौरान पूरे महल को तोड़ दिया गया और 1000 हजार से भी ज्यादा मंदिर भी तोड़ दिए.ये हमारे ऊपर हुए अत्याचार की इंतहा थी.लेकिन हमने उम्मीद नहीं छोड़ी थी.उसके बाद गोहिल वंश के ही भाई राणा वंश के सिसोदियाओं ने हमारे ऊपर राज किया.1325 में राणा हमीर ने इसे अपना किला बनाया और राणा वंश यानी सिसोदिया वंश का शासन चलना शुरु हुआ.और आखिरी तक मेरे ऊपर सिसोदिया वंश का ही शासन रहा. मेरे उपर सबसे ज्यादा सिसोदिया वंश ने ही राज्य किया.और इस वंश में कई प्रतापी राजा हुए.राजा रतन सिंह से लेकर महराणा प्रताप ने चित्तौड़गढ़ पर शासन किया.महाराणा सांगा.महाराणा कुंभा भी चित्तौड़गढ़ के महान राजाओं में से एक हुए.इन राजाओं ने चित्तौड़गढ़ को एक अलग पहचान दिलवाई.मैं यानी चितौड़गढ़ किला अभेद्य था.पहाड़ी के किनारे-किनारे खड़े चट्टानों की पंक्ति थी.साथ ही साथ दुर्ग में अंदर जाने के लिए लगातार सात दरवाजे बनाए गये थे. लिहाजा, दुश्मनों के लिए किले के अंदर जाना नामुमकिन था.लेकिन, विशाल मैदान के बीच में पहाड़ी पर ये किला बना था.जिसकी वजह से दुश्मन विशाल मैदान में डेरा डाल देते थे.और किले के अंदर खाने की सप्लाई रोक देते थे. नतीजा किले के दरवाजों को खोलने के लिए राजाओं को विवश होना पड़ता था. और शत्रुओं की विशाल सेना होने की वजह से उन्हें हार का मुंह देखना पड़ता था.

रानी कर्णावती

रामी पद्मावती की कहानी तो आपने सुनी लेकिन राणा सांगा की पत्नी कर्णावती का भी बलिदान भी हमारे गर्भ में छिपा है.जब गुजरात के शासक अहमद शाह ने 1535 ईवी में चित्तौड़ पर हमला किया, तब बाबर के साथ खानवा के युद्ध में घायल राणा सांगा की मौत हो चुकी थी.राणा सांगा के पुत्र विक्रमादित्य के व्यवहार से परेशान किसी राजा ने हमारी मदद नहीं की.तो कर्णावती ने हूमायूं को राखी भेजते हुए लूटेरे अहमद शाह के खिलाफ मदद मांगी.हूमायूं को कर्णावती का संदेशा देर से मिला और मदद करने वो नहीं आ पाया.दो साल की लड़ाई के बाद अहमद शाह की जीत हुई तो 1537 ईवी में हजारों रानियों के साथ एक बार फिर कर्णावती ने मेरे अंदर दुर्ग में जौहर किया.

रानी मीरा

राणा सांगा के बेटे भोजराज के साथ मेड़ता की राजकुमारी की शादी हुई. लेकिन मीरा का मन कभी रानीवासा में नही लगा.वो तो गोपाल नंदलाल यानी कृष्ण के मंदिर में ही बैठी रहती है.राणा कंभा ने बाद में मीरा का मंदिर ही बना दिया जो आज भी चित्तौड़गढ़ में मौजूद है.

पन्ना धाय

राणा विक्रम सिंह की हत्या कर उनके चाचा का लड़का बनवीर चित्तौड़ की गद्दी पर बैठना चाहता था.तब चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह पालना में थे.रानी कर्णावती की दाई पन्नाधाय उनकी देखभाल करती थी.जब पन्नाधाय को पता चला कि बनवीर तलवार लेकर उदय सिंह को मारने आ रहा है, तो पन्नाधाय ने चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह को कुंभलगढ़ रवाना कर अपने बेटे चंदन को उदय सिंह के सामने सुला दिया और बनवीर ने मां पन्नाधाय के सामने ही उनके पुत्र चंदन को अपनी तलवार से दो टुकड़े कर दिए.

महाराणा प्रताप

जब अकबर ने एकबार फिर 1567 ईवीं में मेरे ऊपर हमला किया, तो उड़ई सिंह मेरे ऊपर राज करते थे.अकबर ने पूरी तरह से किले को बर्बाद कर दिया.एक बार फिर फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे अंदर जौहर हुआ.तब हमारे राजा उदय सिंह ने 1568 में अकबर के संधि के अनुसार मुझे छोड़कर उदयपुर को अपनी राजधानी बना लिया.तब तय हुआ कि चित्तौड़ यानी मैं हमेशा के लिए वीरान रहूंगा और यहां कोई निर्माण नहीं होगा. दरअसल दिल्ली के सुल्तानों और मुगलों को हमेशा डर सताता था कि अगर चित्तौड़ आजाद और आबाद रहा, तो कभी दक्षिण नही जीत पाएंगे.मुगलों के साथ बारुद भारत में युद्ध में प्रयोग होने लगा तब तो हम बिल्कुल असुरक्षित हो गए थे. मगर मेरी गोद वीर पुत्रों से खाली नहीं थी.16 साल तक मेरी गोद में खेले महराणा प्रताप को सरदारों ने चित्तौड़ का शासक घोषित कर दिया.मैनें आखिरी हमला दिल्ली की गद्दी पर बैठे अकबर का देखा और फिर हमेशा-हमेशा के लिए इतिहास बन गया.उदय सिंह की हार हुई और मुगल की संधि के अनुसार इस किले को सिसोदिया वंश को छोड़ना पड़ा.उदय सिंह ने अपनी राजधानी उदयपुर बना ली.मगर उनके जेठ पुत्र महाराणा प्रताप इसे भुला नहीं पाए.वो इसी किले की तलहटी से अकबर से दो-दो युद्ध लड़े.और आखिरी बार हल्दीघाटी की लड़ाई हुई.

ये युद्ध हिंदुस्तान के सबसे मजबूत शासक और मुट्ठी भर लड़ाकों के साहस की लड़ाई थी.जिसे दुनिया प्रताप की वीरता के लिए याद रखती है.प्रताप और उनके हथियार बनाने वाले गड़रिया लुहारों ने ये प्रतीज्ञा ली थी कि जबतक मुझे नहीं पा लेगें वो किले में प्रवेश नहीं करेंगे.भारत आजाद हुआ तो खुद देश के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने गड़रिया लुहारों को लेकर 1955 में मेरे अंदर यानी किले में प्रवेश किया.1905 में अंग्रेजों के समय से अबतक हम दिल्ली की सरकार के अधीन रहे.मगर तब से हमारी सार संभाल ही हो रही है.

न जाने कितने कवि, लेखक और इतिहासकारों ने विभिन्न कालखंडो में मेरे बारे में और मुझ पर राज करनेवालों के बारे में क्या-क्या लिखा.मगर 2017 में इसे फिर से लिखा जा रहा है.इस बार कोई हमलावर चित्तौड़ नहीं आया है और न ही मेरे बहादुर चित्तौड़ के सैनिक इस लड़ाई को लड़ रहे हैं.मुझे इस लड़ाई से क्या हासिल होगा मुझे पता नहीं है.मैंने दुनिया के खुंखार से खुंखार आक्रांताओं और हमलावरों की खून की होली देखी है.मैं सब जानता हूं.मुझे मेरी हिफाजत करनी आती है.मै बूढ़ा नहीं हुआ हूं.मैं चित्तौड़ हूं.

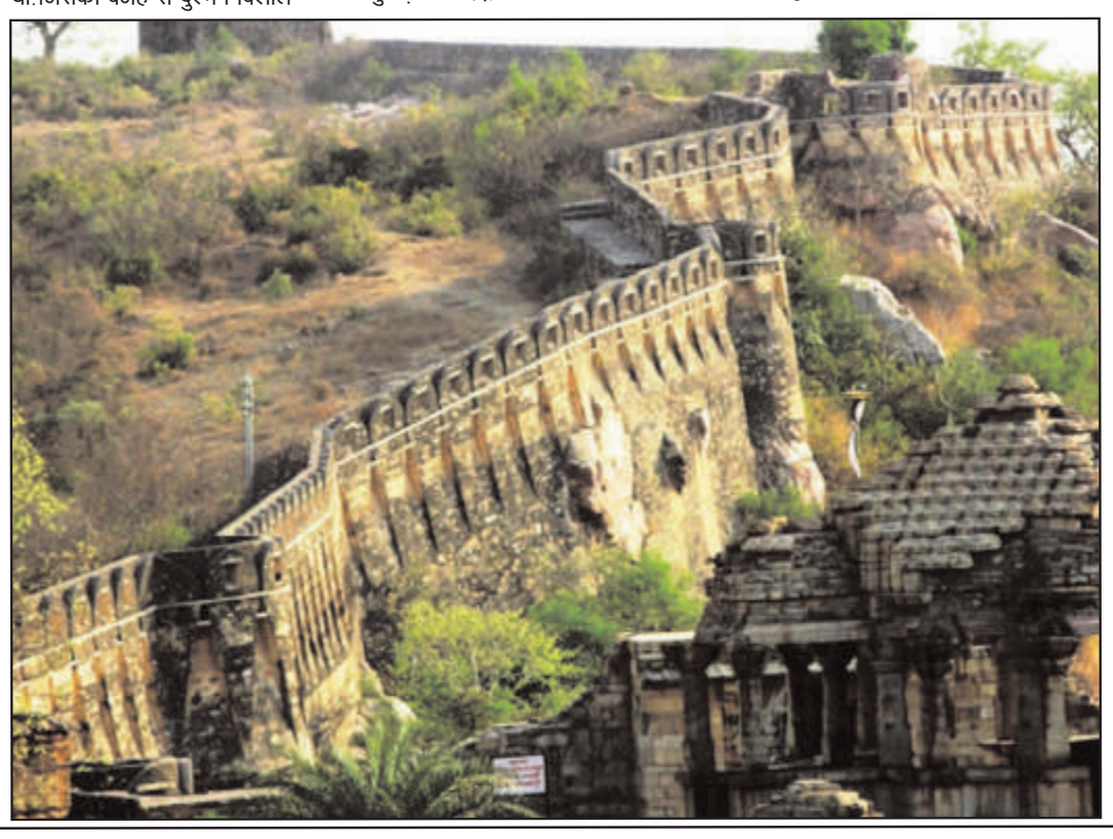

निर्दयी राजा

माधो जंगल में लकड़ियां बीन रहा था। अचानक अपने गांव से आग की लपटें उठती देखकर वह घबरा उठा। पड़ोसी राजा को अपने किले में काम कराने के लिए गुलामों की आवश्यकता थी। उस समय उसके सैनिक ही गांव वालों को गुलाम बनाकर ले जा रहे थे। माधो जान बचाने के लिए घने जंगल में भाग गया। दिन बीतने पर माधो गांव लौटा, लेकिन वहां कोई नहीं था। उसके माता-पिता को भी निर्दयी सैनिक पकड़कर ले गए थे। माधो क्रोध से उबल पड़ा। वह राजा के किले की ओर चल दिया। वह किसी तरह गांव वालों को छुड़ाना चाहता था। किसी तरह छिपता हुआ माधो किले के अंदर पहुंचगया। गांव वालों के साथ उसके माता-पिता तपती धूप में राजा के खेतों में काम कर रहे थे। पानी मांगने पर सिपाही उन पर कोड़े बरसाते थे। तभी पास खड़ी एक गरीब बुढ़िया ने माधो से पूछा, तुम्हें क्या कष्ट है बेटा? मैं राजा की मालिन हूं।

माधो ने उसे सारी बात बताई। मालिन भी राजा की क्रूरता से बहुत दुखी थी। वह माधो को अपने घर ले गई। उसे माला गूथना सिखा दिया। फिर एक दिन उसे राजा से भी मिलवाया। राजा माधो की बनाई माला देखकर बहुत प्रसन्न हुआ। वह माधो को महल दिखाने लगा। माधो ने पूछा, महाराज, कोई शत्रु आपके महल में घुस आए तो?

राजा उसे दीवार में लगी एक मुठिया दिखाकर बोला, अगर ऐसा हुआ, तो हम यह मुठिया घुमा देंगे। किले के सारे पानी में बेहोशी की दवा घुल जाएगी। पानी पीने वाले बेहोश हो जाएंगे। थके-मांदे शत्रु के सैनिक आते ही पानी तो पिएंगे ही। फिर राजा ने माधो को एक बड़ी सी चाबी दिखाई और बोला, यह चाबी देखो, इससे हम किले का दरवाजा बंद कर देंगे। होश में आने पर फिर कोई बाहर नहीं निकल सकता।

मालिन ने माधो को नागगंध की एक माला बनाकर दी। उसे पहनते ही राजा और रानी गहरी नींद में सो गए। माधो ने जल्दी ही वह मुठिया घुमा दी। फिर राजा की जेब से किले की चाबी निकालकर महल से बाहर आ गया। पानी पीते ही राजा के सैनिक बेहोश होकर गिरने लगे। गांव वाले पानी पीने दौड़े, तो माधो ने उन्हें पानी नहीं पीने दिया और फौरन किले से बाहर निकल जाने के लिए कहा। सब बाहर आ गए, तो माधो ने चाबी से फाटक को बंद कर दिया।

निर्दयी राजा अपने सिपाहियों के साथ अपने ही किले में बंद हो गया। गांव वाले उसके अत्याचार से मुक्त हो गए थे।

इस किले के परिसर में है 65 से अधिक ऐतिहासिक महल, मंदिर व जलाशय

चित्तौड़गढ़ किला जिसे चित्तोर दुर्ग के नाम से भी जाना जाता है भारत के प्राचीनतम किलो में से एक है.यह किला भारत ही नहीं अपितु विश्व भर में प्रसिद्ध है.वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शुमार इस किलो देखने हर साल हजारो विदेशी सैलानी भारत आते है.

- चित्तौड़गढ़ किला जिसे मेवाड़ की राजधानी के नाम से भी जाना जाता हैउदाहरण के तोर पर यह किला प्राचीन समय में 834 सालो तक मेवाड़ की राजधानी रह चूका था.इसकी स्थापना 734 इक में मेवाड़ के सिसोदिया वंश के शासक बाप्पा रावल ने की थी.
- चित्तौड़गढ़ किला भारत का सबसे बड़ा किला माना जाता है.इसकी लम्बाई 3 किलोमीटर, त्रिज्या 13 किलोमीटर और यह किला लगभग 700 एकड़ जमीन पर फैला हुआ है.
- प्राचीन इतिहास के अनुसार ऐसा माना जाता है कि चित्तौड़गढ़ किले को सातवीं सदी में मौर्यों सासको द्वारा बनवाया गया था और इस किले का नाम मौर्य शासक चित्रांगदा मोरी के नाम पर रखा गया था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले के परिसर में लगभग 65 ऐतिहासिक निर्मित संरचनाएं जैसे मंदिर, महल, जलाशय, स्मारक इत्यादि बनाएं गए थे.
- चित्तौड़गढ़ किले में कुल साथ द्वार बनाएं गए थे जो प्राचीन समय में रात्रि के समय बंद कर दिए जाते थे.इन द्वारा पर लगे विशाल किवाड़ (दरवाजे) आज भी इस किले की मजबूती की गवाई देते है.
- प्राचीन समय में इन दरवाजो का नाम मुख्यता प्रथम पड़नपोल,दूसरा भैरव पोल, तीसरा हनुमान पोल, चतुर्थ गणेश पोल, पंचम जोरला पोल, छटा लक्ष्मण पोल व सातवे दरवाजे को राम पोल के नाम से जाना जाता था.
- इन दरवाजो के संदर्ब में कहाँ जाता है की प्राचीन समय में प्रत्येक दरवाजे पर द्वारपाल व पहरेदार 24 घंटे दरवाजो की निगरानी करते थे द प्रत्येक दरवाजे पर बड़े बड़े घंटे टाँगे गए थे जिन्हे बजा कर दरवाजो को खोला और बंद किया जाता था.
- इस किले में कई मंदिर स्थापित हैं जैसे कलिका मंदिर, जैन मंदिर, गणेश मंदिर, सम्मिदेश्वरा मंदिर, नीलकंठ महादेव मंदिर और कुंभश्याम मंदिर आदि
- इस किले के परिसर में बनाया गया पद्मिनी महल एक छोटे सरोवर के निकट स्थित बहुत ही खूबसूरत महल है.इस महल के अंदर सीसे कि नकाशी कि गई है जो दिखने में बेहद खूबसूरत लगती है.
- आपको जानकर हैरानी होगी चित्तौड़गढ़ किले में आज भी 22 जलनिकाय मौजूद है.इन जल निकायों में पानी का श्रोत्र प्राकृतिक भूमिगत जल और वर्षा से प्राप्त जल के द्वारा होता है.
- चित्तौड़गढ़ किले में बनाया गया भीमला जल भंडार भारत के प्राचीन इतिहास को समेटे हुए है. ऐसा माना जाता है पांडवो में भीम ने जर्मीन पर अपने हाथ के वार से पानी निकाल दिया था और भूमि के जिस हिस्से से पानी निकला उसे भीमला के नाम से जाना जाता है.
- चित्तौड़गढ़ किले के खम्बो पर की गई खूबसूरत चित्रकारी प्राचीन कलाकारी का उत्कृट नमूना है. ऐसा कहा जाता है इस चित्रकारी को बनाने में 10 वर्षो का समय लगा था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले में आज भी लोग निवास करते है.उदाहरण के तोर पर चितौड़गढ़ किले में लगभग 20000 लोग रहते है.
- यह किला राजस्थान के शासक राजपूतों, उनके साहस, बड़प्पन, शौर्य और त्याग का प्रतीक है
- राजस्थान में मनाया जाने वाला जोहर मेला इसी किले में मनाया जाता है.
- चित्तौड़गढ़ का किला अपनी स्थापत्य कला, निर्माण शैली व पर्यटक स्थलों जैसे महल, जलाशय, स्तंभ, इत्यादि के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है.हर साल देश-विदेश सैलानी इस किले को देखने राजस्थान आते है.
- राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा चितौड़गढ़ किले में बेहद खूबसूरत लाइटिंग की गई है जो रात के समय इस किले की खूबसूरती में चार चाँद लगा देती है.
- चितौड़गढ़ किले को यूनेस्को द्वारा साल 2013 में वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल किया गया था.

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

एसएमवीडीयू में राष्ट्रीय स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत, 100 से अधिक शिक्षक शामिल

जम्मू, 20 अगस्त (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) - एमएमटीटीसी प्रायोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम (एसटीटीपी) नेक्स्ट-जनरेशन कम्युनिकेशन नेटवर्क्स- टेक्नोलॉजीज, ट्रेंड्स एंड टीचिंग पैराडाइम्स का शुभारंभ हुआ। इस राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम में राजस्थान, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात, पंजाब, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, हरियाणा, केरल और तेलंगाना सहित देशभर से 100 से अधिक शिक्षक भाग ले रहे हैं।इस कार्यक्रम का मुख्य फोकस 5जी और 6जी नेटवर्क, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा तथा ग्रीन और सतत संचार प्रणालियों पर है। साथ ही, इन उभरती प्रौद्योगिकियों को शिक्षण, शोध और पाठ्यक्रम में कैसे सम्मिलित किया जाए, इस पर भी विशेष बल दिया जा रहा है। प्रशिक्षण सत्र आईआईटी (बीएचयू) वाराणसी, आईआईटी जम्मू, यूनिवर्सिटी ऑफ वोलोंगोंग (दुबई), एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़, उद्योग जगत और एसएमवीडीयू के विशेषज्ञों द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। प्रशिक्षण में सैद्धांतिक व्याख्यानों के साथ-साथ लाइव डेमोंस्ट्रेशन और केस स्टडीज़ भी शामिल हैं, जिससे प्रतिभागियों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा।

यह कार्यक्रम कुलपति प्रो. प्रगति कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित हो रहा है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. शशि भूषण कोटवाल और स्वस्तिक गुप्ता ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए प्रो. सुप्रण के. शर्मा (निदेशक, एमएमटीटीसी), प्रो. शारदा एम. पोटुकुची (उप-निदेशक, एमएमटीटीसी), प्रो. कुमुद आर. झा (डीन, इंजीनियरिंग संकाय) तथा विश्वविद्यालय टीम का सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया

ईपीएफओ ने जेकेएसआरटीसी जम्मू में कार्यशाला आयोजित की

जम्मू, 20 अगस्त (हि.स.)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), क्षेत्रीय कार्यालय जम्मू ने आज जम्मू-कश्मीर राज्य सड़क परिवहन निगम (जेकेएसआरटीसी), जम्मू में प्रधानमंत्री विकसित भारत रोज़गार योजना के क्रियान्वयन पर एक कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला का नेतृत्व प्रवर्तन अधिकारी बालकिशन और लेखा अधिकारी जतिन गुप्ता ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को योजना के उद्देश्यों, लाभों और अनुपालन ढांचे के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

यह महत्वाकांक्षी योजना माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 15 अगस्त 2025 को शुरू की गई थी। इसके तहत 1.92 करोड़ प्रथम बार काम करने वाले कर्मचारियों को लाभ मिलने और 3.5 करोड़ से अधिक नए रोज़गार सृजित होने की संभावना है। योजना विशेष रूप से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। इंटरएक्टिव सत्र में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इस अवसर पर जेकेएसआरटीसी जम्मू के प्रभागीय लेखा अधिकारी बोध राज ने पहल का स्वागत करते हुए कहा कि यह योजना जम्मू-कश्मीर में रोजगार को गति देने और श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगी। हितधारकों की सुविधा के लिए ईपीएफओ जम्मू ने पीआरओ कार्यालय में एक विशेष डेस्क भी स्थापित किया है, जहां लाइव डेमो और उमंग ऐप एफएटी फीचर के माध्यम से मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है।

केवीके कठुआ ने तिलहन खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को बनाया सशक्त

कठुआ 20 अगस्त (हि.स.)। कृषि विज्ञान केंद्र कठुआ ने बुधवार को आईसीएआर-अटारी लुधियाना द्वारा आवंटित क्लस्टर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों के अंतर्गत तिलहन फसलों में उन्नत उत्पादन और प्रबंधन पद्धतियाँ पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसका उद्देश्य जिले में विविधीकरण को बढ़ावा देना और तिलहन उत्पादकता में वृद्धि करना था।

यह प्रशिक्षण शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय जम्मू (एसकेयूएएसटी-जे) के प्रशासनिक नियंत्रण में कुलपति डॉ. बीएन त्रिपाठी के नेतृत्व और एसकेयूएएसटी-जे के निदेशक विस्तार डॉ. अमरीश वैद के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कठुआ जिले के विभिन्न क्षेत्रों से 50 से अधिक किसानों और कृषक महिलाओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ. विशाल महाजन, मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रमुख केवीके कठुआ ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने और आयात पर निर्भरता कम करने में तिलहन फसलों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने और सरकारी योजनाओं के अधिकतम उपयोग पर भी जोर दिया। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्य वैज्ञानिक (कृषि विस्तार) डॉ. बर्जेश अजरावत ने खाद्य तेल उत्पादन में आत्मनिर्भरता की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक होने के बावजूद, भारत बड़ी मात्रा में खाद्य तेलों का आयात करता है, जिससे राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर बोझ पड़ता है। उन्होंने किसानों से तिलहन की खेती का विस्तार करने और बेहतर लाभप्रदता के लिए प्रमाणित बीजों के उपयोग, एकीकृत कीट प्रबंधन, क्लस्टर-आधारित दृष्टिकोण और मूल्य संवर्धन जैसी तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने प्रतिभागियों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (तिलहन) और राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन (एनएमईओ) सहित विभिन्न योजनाओं से भी अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अजय कुमार ने किया, जबकि विजय सिंह, अमित कुमार, राज कुमार, ऋषव शर्मा और केवीके कठुआ के अन्य सदस्यों ने कार्यक्रम के सुचारू संचालन में सहयोग प्रदान किया।

राष्ट्रीय परशुराम परिषद ने जम्मू उपायुक्त डॉ. राकेश मिन्हास से की मुलाकात

जम्मू, 20 अगस्त (हि.स.)। राष्ट्रीय परशुराम परिषद के अध्यक्ष पं. जीवनंद शर्मा और महासचिव चंदन दत्ता ने कोटली वेलफेयर ट्रस्ट के साथ मिलकर जम्मू के उपायुक्त डॉ. राकेश मिन्हास को बधाई और शुभकामनाएँ दीं। परिषद ने डॉ. मिन्हास की पूर्व उपलब्धियों को याद करते हुए कहा कि बतौर जिला उपायुक्त कठुआ, उन्होंने भूमाफियाओं पर शिकंजा कसते हुए अवैध कब्जाधारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। साथ ही नशाखोरी के खिलाफ ठोस कदम उठाए। इन प्रयासों से न केवल बुनियादी ढाँचा मजबूत हुआ बल्कि सार्वजनिक भूमि की रक्षा और कानूनसम्मत विकास को भी बढ़ावा मिला।

परिषद ने यह भी कहा कि डॉ. मिन्हास की कार्यशैली जनता-हितैषी रही है और उनके सक्षम नेतृत्व में केंद्र सरकार की योजनाएँ गाँव-गाँव तक सफलतापूर्वक पहुँचीं। उनकी प्रभावी प्रबंधन क्षमता और पारदर्शिता के कारण लाभार्थियों को योजनाओं का सीधा फायदा मिला। राष्ट्रीय परशुराम परिषद ने उनके जम्मू में नई नियुक्ति पर बधाई देते हुए विश्वास जताया कि वह यहाँ भी समाज के सभी वर्गों के लिए समान रूप से कार्य करेंगे और प्रशासन को नई ऊँचाइयों तक ले जाएंगे। परिषद ने प्रशासन को सहयोग देने का आश्वासन देते हुए कहा कि संगठन समाज कल्याण, युवाओं में नैतिक मूल्यों के प्रसार, राष्ट्र निर्माण तथा आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

सीमा क्षेत्र की महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु शुरू किया सिलाई सिस्टरहुड प्रशिक्षण

जम्मू, 20 अगस्त (हि.स.)। सीमा क्षेत्रों की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और रोज़गार के नए अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारतीय सेना ने ऑपरेशन सद्भावना के अंतर्गत सिलाई सिस्टरहुड टेलरिंग कैडर की शुरुआत की है। इस पहल का मकसद महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई का व्यावहारिक प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और परिवार की आय में योगदान करने योग्य बनाना है। 20 अगस्त से शुरू हुए इस पाँच सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में 20 स्थानीय महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया है। इस प्रशिक्षण का संचालन कुशल कारीगरों द्वारा किया जा रहा है, जिसमें विभिन्न प्रकार की सिलाई शैलियों का ज्ञान दिया जा रहा है। इससे न केवल प्रतिभागी महिलाएँ नए कौशल सीख रही हैं बल्कि अपनी रचनात्मक क्षमताओं को भी निखार रही हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी 20 महिलाओं को नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन द्वारा प्रमाणपत्र और सिलाई किट प्रदान की जाएगी, जिससे वे भविष्य में आत्मनिर्भर होकर अपने परिवार और समाज के लिए योगदान दे सकेंगी। भारतीय सेना ने सभी आवश्यक सामग्री और प्रशिक्षकों की व्यवस्था की है। इस पहल से स्थानीय महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे अब एक उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर हैं।

पंथा चौक में ऊँचाई से गिरने से 2 गैर-स्थानीय मज़दूर घायल

श्रीनगर, 20 अगस्त हि.स.। श्रीनगर के पंथा चौक इलाके में बुधवार को काम करते समय ऊँचाई से गिरने से दो गैर-स्थानीय मज़दूर घायल हो गए।

एक अधिकारी ने बताया कि घायलों को तुरंत श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल ले जाया गया।दोनों मज़दूर पश्चिम बंगाल के हैं। अधिकारी ने बताया कि 23 वर्षीय एक मज़दूर की हालत गंभीर है जबकि 24 वर्षीय दूसरे मज़दूर की हालत स्थिर बताई जा रही है घटना का संज्ञान लिया गया है और आगे की जाँच शुरू कर दी गई है।

मुख्यमंत्री के सलाहकार ने केसीसीआई प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की

श्रीनगर, 20 अगस्त। मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी ने नागरिक सचिवालय में कश्मीर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा उठाए गए मुद्दों पर चर्चा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

इस बैठक में मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता, उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त सचिव एस. विक्रमजीत सिंह, हस्तशिल्प एवं हथकरघा निदेशक, कश्मीर मुसरत इस्लाम और केसीसीआई अध्यक्ष जावेद टेंगा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बैठक के दौरान, केसीसीआई अध्यक्ष ने हस्तशिल्प और हथकरघा क्षेत्र से संबंधित मुद्दों को उठाया, विशेष रूप से हस्तशिल्प एवं हथकरघा विभाग द्वारा कश्मीर हस्तशिल्प शोरूमों को दस्तकारी वस्तुओं के साथ-साथ मशीन-निर्मित उत्पादों की बिक्री के संबंध में हाल ही में जारी किए गए नोटिस के आलोक में। उन्होंने बाग-ए-अली मर्दान खान स्थित पीटीक्यूसीसी प्रयोगशाला में जीआई उत्पादों के परीक्षण और प्रमाणन में तेजी लाने का मुद्दा भी उठाया। विभाग ने सलाहकार को कश्मीरी हस्तशिल्प की आड़ में मशीन-निर्मित नकली उत्पाद बेचे जाने की पर्यटकों द्वारा दर्ज की गई औपचारिक शिकायत के आलोक में जारी किए गए नोटिसों की पृष्ठभूमि से अवगत कराया। उन्हें बताया गया कि अनुचित व्यापार व्यवहार के एक गंभीर मामले में, एक शोरूम को नकली उत्पाद बेचने और उस पर नकली जीआई लेबल चिपकाने के आरोप में काली सूची में डाल दिया गया था, जिसका एकमात्र उद्देश्य खरीदार को ठगना था। कश्मीर के प्रतिभाशाली कारीगरों और बुनकरों के हितों की रक्षा के लिए सरकार के संकल्प को दोहराते हुए, नासिर असलम ने विभाग को कारीगरों के साथ-साथ शिल्प व्यापार से जुड़े व्यावसायिक हितधारकों के हितों की रक्षा के लिए एक व्यापक प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने केसीसीआई प्रतिनिधिमंडल को हस्तशिल्प एवं हथकरघा विभाग, कश्मीर के साथ औपचारिक चर्चा शुरू करने और मशीन-निर्मित उत्पादों की बिक्री की अनुमति देने के लिए सरकार के विचारार्थ जल्द से जल्द एक व्यापक प्रस्ताव प्रस्तुत करने की सलाह दी, बशर्ते कि उन पर उचित लेबलिंग हो और उन्हें एक विशिष्ट उत्पाद श्रेणी के रूप में अलग किया गया हो। इससे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी और खरीदारों को गलत ब्रांड वाले सामान खरीदने के लिए गुमराह होने से बचाया जा सकेगा।

किश्तवाड़ और कठुआ बादल फटने की घटना पर किया शोक व्यक्त

जम्मू, 20 अगस्त। गणमान्य समाज संगठन (पंजी.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रीतम सिंह सैनी ने संगठन के अन्य प्रमुख सदस्यों के साथ मिलकर जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ और कठुआ जिलों में हाल ही में हुई बादल फटने की घटनाओं में अनेक अनमोल जानों और संपत्ति की हुई क्षति पर गहरा शोक और दुख व्यक्त किया है। आज जारी एक बयान में श्री सैनी ने इस प्राकृतिक आपदा में अपने प्रियजनों को खो चुके शोकाकुल परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएँ व्यक्त कीं और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। संगठन ने इस घटना को एक अभूतपूर्व त्रासदी बताया, जिसने न केवल जम्मू-कश्मीर बल्कि पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है।श्री सैनी ने कहा, किश्तवाड़ और कठुआ में अचानक हुए बादल फटने ने भारी तबाही मचाई है। कई परिवार अपने प्रियजनों को खो चुके हैं, अनेक जिंदगियाँ इस त्रासदी में खत्म हो गई हैं, घर बह गए हैं और रोज़गार के साधन नष्ट हो चुके हैं। ऐसे दुखद समय में हम प्रभावित लोगों के साथ एकजुटता के साथ खड़े हैं और केंद्र सरकार व जम्मू-कश्मीर प्रशासन से आग्रह करते हैं कि वे तत्काल प्रभाव से राहत और पुनर्वास के लिए ठोस कदम उठाएँ।

बिलावर से चोरी हुआ ट्रैक्टर ट्रॉली पंजाब के जालंधर से बरामद, चोर गिरफ्तार

कठुआ 20 अगस्त (हि.स.)। कठुआ पुलिस ने बिलावर थाना अधिकार क्षेत्र में चोरी हुए एक ट्रैक्टर और ट्रॉली को पंजाब से बरामद किया है। जोकि 04 जनवरी 2025 को चोरी हुआ था। और इस संबंध में एक चोर को भी गिरफ्तार किया गया हे। जानकारी के अनुसार 04-01-2025 को शिकायतकर्ता सिमरो देवी पत्नी शाम लाल निवासी बग्गन तहसील बिलावर जिला कठुआ से एक शिकायत प्राप्त हुई, जिसमें बताया गया कि उसका ट्रैक्टर और ट्रॉली जिसका पंजीकरण संख्या जेके08एन-0410 है, बिलावर मोड़ से चोरी हो गया है। इस संबंध में इस थाने में एफआईआर संख्या 01/2025 यू/एस 379 आईपीसी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जांच के दौरान एसएचओ बिलावर इंस्पेक्टर जहीर के नेतृत्व में थाना बिलावर की पुलिस पार्टी ने अथक प्रयास किए और समय पर मानवीय हस्तक्षेप के साथ कठुआ जिले के साथ-साथ केंद्र शासित प्रदेश के बाहर विभिन्न स्थानों पर तलाशी ली और इस मामले के लिए पंजाब पुलिस से भी संपर्क किया। अंत में थाना बिलावर की पुलिस टीम ने आरोपी सरीफ पुत्र मस्कीन अली निवासी मंदेरन आदमपुर जिला जालंधर पंजाब को पंजाब से गिरफ्तार कर लिया और उसके कब्जे से उक्त चोरी का ट्रैक्टर बरामद कर लिया गया और चोरी हुए ट्रैक्टर की कीमत 07 लाख 50,000- हजार रुपये है। जबकि मामले की आगे जांच जारी है।

झेलम नदी में डूबे एक बुजुर्ग मछुआरे का शव चार दिन बाद बरामद

सोपोर, 20 अगस्त (हि.स.)। चार दिनों के खोज अभियान के बाद बुधवार सुबह सोपोर के चेकरोडय खान इलाके के पास झेलम नदी से एक डूबे हुए बुजुर्ग मछुआरे का शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान 65 वर्षीय अली मोहम्मद डार के रूप में हुई है जो मुस्लिमपीर सोपोर निवासी मोहम्मद सुभान डार का दामाद था। जानकारी के अनुसार अली मोहम्मद रविवार, 17 अगस्त 2025 को मछली पकड़ने के लिए गया था लेकिन लौटते समय दुर्भाग्य से डूब गया। घटना के तुरंत बाद राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, स्थानीय पुलिस और क्षेत्र के स्वयंसेवकों द्वारा बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू किया गया। लगातार प्रयासों के बावजूद नदी की तेज़ धाराओं के कारण उसके शव की बरामदगी में देरी हुई जिसे आखिरकार चार दिनों बाद आज निकाला जा सका।

सतीश शर्मा ने जन-केंद्रित नवाचारों के लिए प्रौद्योगिकी और उद्योग के एकीकरण पर दिया ज़ोर

श्रीनगर 20 अगस्त (हि.स.)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, सूचना प्रौद्योगिकी, युवा सेवा एवं खेल, तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री सतीश शर्मा ने प्रौद्योगिकी और उद्योग के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता पर ज़ोर दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नए तकनीकी नवाचार लोगों की वास्तविक ज़रूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किए जाएँ। मंत्री ने यह बात विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की एक समीक्षा बैठक में कही।

बैठक में अतिरिक्त निदेशक डॉ. नासिर शाह, मुश्ताक अहमद, अतिरिक्त सचिव, नीलम खजूरिया और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। सतीश शर्मा ने कहा कि तकनीकी प्रगति केवल प्रयोगशालाओं तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि व्यावहारिक, जन-अनुकूल समाधानों में तब्दील होनी चाहिए जिनसे समाज को सीधा लाभ हो। उन्होंने विभाग को अनुसंधान सहयोग को प्रोत्साहित करने, स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने और ऐसे इनक्यूबेशन सेंटर विकसित करने के निर्देश दिए जहाँ नवीन विचारों को व्यवहार्य उद्यमों में विकसित किया जा सके। उन्होंने स्थानीय प्रतिभाओं को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने के महत्व पर भी ज़ोर दिया कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर नवाचार और उद्यमिता का केंद्र बने। मंत्री ने कहा कि प्रौद्योगिकी केवके लिए नवाचार नहीं बल्कि लोगों के लिए नवाचार होनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उद्योगों और संस्थानों को मिलकर काम करना होगा।

धार्मिक उत्साह और उल्लास के बीच भद्रवाह में तीन दिवसीय वार्षिक कैलाश यात्रा शुरू

भद्रवाह, 20 अगस्त (हि.स.)। तीन दिवसीय वार्षिक पवित्र कैलाश यात्रा की छड़ी मुबारक आज भद्रवाह के गाथा स्थित प्राचीन वासुकी नाग मंदिर से कैलाश कुंड के लिए रवाना हुई।

भगवान वासुकी नाग की स्तुति के बीच यात्रा भद्रवाह कस्बे से होकर गुजरी जहाँ जिला विकास आयुक्त (डीडीसी) धनंतर सिंह कोतवाल, विधायक दलीप सिंह परिहार, पूर्व उप मुख्य मंत्री डॉ. निर्मल सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संदीप मेहता, अतिरिक्त उपायुक्त अनिल कुमार ठाकुर, अतिरिक्त उपायुक्त भद्रवाह सुनील कुमार भूत्याल, एएसपी विनोद शर्मा, बीडीए के सीईओ जोगिंदर सिंह, सनातन धर्म सभा के अध्यक्ष, अन्य तहसील अधिकारियों और बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने तीर्थयात्रियों को गर्मजोशी से विदाई दी। इस वर्ष क्षेत्र में हाल ही में बादल फटने की घटनाओं और खराब मौसम की स्थिति को देखते हुए एहतियात के तौर पर केवल सीमित यात्रियों को ही यात्रा में भाग लेने की अनुमति दी गई है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, हयान (नाल्थी) में रात्रि विश्राम के बाद यात्रा 21 अगस्त, 2025 को पवित्र गंतव्य पर पहुँचेगी, जहाँ भक्त कैलाश डल के पवित्र जल में डुबकी लगाएँगे। धार्मिक अनुष्ठान करने के बाद यात्रा 22 अगस्त 2025 को भद्रवाह के लिए अपनी वापसी यात्रा शुरू करेगी। स्थानीय प्रशासन ने यात्रा मार्ग पर पर्याप्त दवाओं के साथ चिकित्सा दलों की तैनाती, पेयजल, जनरेटर आधारित बिजली, जलाऊ लकड़ी, तीर्थयात्रियों के लिए टेंट और यात्रा के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सहित व्यापक व्यवस्था की है।

PUBLIC NOTICE

I, Nitin Loria S/o Karan Paul R/o Village Rathana, Tehsil R.S. Pura, District Jammu (J&K), applying for the correction of my father's name which has been wrongly written in my class 10th mark sheet as Karan Pal instead of Karan Paul. Objection, if any, may be conveyed to the concerned authorities within 7 days.

ऑपरेशन रक्षक-3 में शहीद वीर जवान को श्रद्धांजलि, 19 डोगरा द्वारा स्मारक पर आयोजित कार्यक्रम

जम्मू, 20 अगस्त (हि.स.)। ऑपरेशन रक्षक-3 (2000) में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवान की याद में बुधवार को उनके स्मारक स्थल पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर शहीद की प्रतिमा का उद्घाटन 19 डोगरा के कमांडिंग ऑफिसर ने 16 डोगरा यूनिट के कमांडिंग ऑफिसर की ओर से किया। यह पहल न केवल शहीद की स्मृति को संजोने का माध्यम बनी बल्कि युवाओं में अनुशासन, जिम्मेदारी और देशभक्ति की भावना को भी प्रबल किया।

कार्यक्रम की शुरुआत शहीद को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करने से हुई। इस दौरान एनसीसी कैडेट्स, स्थानीय लोग, सामुदायिक प्रतिनिधि और गणमान्य नेता उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के साथ-साथ सफाई अभियान भी चलाया गया, जिसमें प्रतिमा को धोना, आसपास की सफाई करना और हल्का लैंडस्केपिंग शामिल रहा। एनसीसी के ब्रावो कंपनी की 15 कैडेट्स ने पूरे अनुशासन और परेड ड्रेस में भाग लेकर स्थल को स्वच्छ और आकर्षक बनाए रखने के लिए परिश्रम किया। विद्यालय की प्राचार्य डॉ. बेला ठाकुर ने इस अवसर पर एनसीसी इकाई की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं का यह समर्पण समाज और पर्यावरण दोनों के लिए प्रेरणादायी है।

इनर व्हील क्लब जम्मू तवी में स्थापना समारोह सम्पन्न, वनीता कोहली बनीं नई अध्यक्ष

जम्मू, 20 अगस्त (हि.स.)। इनर व्हील क्लब ऑफ जम्मू तवी ने आज वर्ष 2025-26 के लिए अपना स्थापना समारोह बड़े उत्साह और सौहार्दपूर्ण वातावरण में आयोजित किया। इस अवसर पर वनीता कोहली को क्लब की नई अध्यक्ष के रूप में औपचारिक रूप से स्थापित किया गया। समारोह का संचालन डॉ. संतोष गुप्ता (पीडीसी) ने इंस्टॉलिंग ऑफिसर के रूप में किया। समारोह में भाजपा जम्मू-कश्मीर की उपाध्यक्ष रेखा महाजन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। बड़ी संख्या में क्लब सदस्य भी इस अवसर पर शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत आउटगोइंग अध्यक्ष परमजीत कौर ने की, जिन्होंने अपने कार्यकाल के अनुभव साझा करते हुए नई टीम के लिए उपयोगी सुझाव और अभिनव विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने सभी सदस्यों के सहयोग के लिए आभार भी व्यक्त किया। अध्यक्षीय कॉलरिंग सेरेमनी और सीटों के आदान-प्रदान के साथ नई अध्यक्ष वनीता कोहली ने पदभार ग्रहण किया। अपने प्रथम संबोधन में उन्होंने अपनी नई टीम का परिचय कराया, जिसमें जसवंत कौर को सचिव नियुक्त किया गया। उन्होंने समुदाय सेवा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक कार्यों को वर्षभर की प्राथमिकता बताते हुए कहा इनर व्हील हमेशा से मानवता की सेवा के लिए समर्पित रहा है। मेरी टीम के सहयोग से हम ऐसे प्रभावशाली प्रोजेक्ट करेंगे जो समाज में सार्थक बदलाव लाएँगे।

द नेचर मैनकाइंड फेंडली ग्लोबल पार्टी ने कठुआ किश्तवाड़ में हुई दर्दनाक त्रासदी पर चर्चा की, उचित मुआवजे की मांग

कठुआ 20 अगस्त (हि.स.)। द नेचर मैनकाइंड फेंडली ग्लोबल पार्टी के संस्थापक और पूर्व ऊर्जा मंत्री बाबू सिंह के तत्वावधान और नेतृत्व में द नेचर मैनकाइंड फेंडली ग्लोबल पार्टी ने कठुआ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में कठुआ और किश्तवाड़ में बादल फटने, अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण हुई हालिया दर्दनाक त्रासदी पर चर्चा की गई।

कठुआ में सात लोग मारे गए और 16 से ज्यादा घायल हुए जबकि किश्तवाड़ में सैकड़ों लोग मारे गए। बाबू सिंह और द नेचर मैनकाइंड फ्रेंडली ग्लोबल पार्टी के अन्य नेताओं ने मारे गए लोगों को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी चिंता और एकजुटता व्यक्त की और घायलों के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त की। पत्रकारों को संबोधित करते हुए बाबू सिंह ने कहा कि कठुआ, किश्तवाड़, लेह बादल फटने की घटनाएं ग्लोबल वार्मिंग-जलवायु परिवर्तन के वैश्विक संकट का परिणाम हैं। ग्लोबल वार्मिंग ने ग्रह पृथ्वी के वातावरण में नमी को कई गुना बढ़ा दिया है। बादल फटना एक तीव्र और अचानक बारिश की घटना है जो आमतौर पर एक छोटे से क्षेत्र तक सीमित होती है। बादल फटना एक चरम मौसम की घटना है। इसकी प्रकृति या चरित्र एक घंटे के भीतर 100 मिमी से अधिक अचानक तीव्र वर्षा है जो फ्लैश-फ्लड की ओर ले जाती है। बादल फटना तब होता है जब गर्म और नमी से भरी हवा तेजी से ऊपर उठती है, ठंडी होती है और घने बादलों में संघनित होती है ऊँचाई वाले क्षेत्रों में निम्न दाब क्षेत्र नमी से भरी हवाओं को आकर्षित करते हैं जिससे भारी बादल बनते हैं और अंततः बादल फटते हैं। जब हवा में अधिक नमी होती है, तो कोई भी वायुमंडलीय विक्षोभ अत्यधिक वर्षा का कारण बन सकता है।

संपादकीय

जलवायु परिवर्तनों को रोकने के लिए दीर्घकालिक योजना बनाएँ

जलवायु के बदलते स्वरूप और उसके प्रभावों, खासकर बार-बार बादल फटने और हिमनद झीलों के फटने और उसके बाद होने वाले खतरनाक भूस्खलन को देखते हुए, राज्यों और केंद्र दोनों सरकारों के लिए यह ज़रूरी हो गया है कि वे नुकसान को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाएँ और हिमालयी क्षेत्र में जीवन को प्रभावित करने वाले प्रतिकूल जलवायु परिवर्तनों को रोकने के लिए दीर्घकालिक योजना बनाएँ।

यह अच्छी बात है कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विशेषज्ञों से परामर्श करने का आह्वान किया है ताकि यह देखा जा सके कि उपरोक्त जोखिमों और खतरों को कम करने के लिए क्या किया जा सकता है, लेकिन ज़रूरी यह है कि तेज़ी से कार्रवाई की जाए क्योंकि मौसम की अनिश्चितताएँ हर गुजरते दिन के साथ महंगी साबित हो रही हैं। एक हफ़्ते के भीतर, जम्मू-कश्मीर में तीन बड़ी आपदाएँ देखी गईं, एक किश्तवाड़ के चशोती गाँव में और दूसरी कठुआ ज़िले के जोध घाटी और जंगलोट इलाकों में, जहाँ बादल फटने और उसके बाद भूस्खलन से लगभग 70 लोगों की मौत हो गई और लगभग 100 लोग घायल हो गए, और कई अभी भी लापता हैं।

चूँकि मुख्यमंत्री ने जम्मू-कश्मीर में नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा के लिए अपनी सरकार द्वारा विशेषज्ञों की एक टीम गठित करने का संकेत दिया है, इसलिए यह ज़रूरी है कि आने वाले समय में और अधिक नुकसान को रोकने के लिए इस संबंध में जल्द से जल्द निर्णय लिया जाए। इस मानसून में उत्तर भारतीय क्षेत्र में बादल फटने से हुई क्षति इतनी भारी है कि जापानी प्रधानमंत्री इशिबा शिगेरू ने इन बाढ़ त्रासदियों पर शोक व्यक्त किया है और शीघ्र बचाव एवं राहत कार्यों की आशा व्यक्त की है।

कथित तौर पर, यह टिप्पणी जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में बड़े पैमाने पर बादल फटने की घटना की पृष्ठभूमि में आई है, जिसके परिणामस्वरूप अब तक कम से कम 60 लोगों की मौत हो चुकी है। उमर अब्दुल्ला को इस मुद्दे को बहुत गंभीरता से लेना चाहिए और इस बढ़ती समस्या को कम करने की दिशा में कार्य करना चाहिए। तर्कसंगत परिणाम प्राप्त करने के लिए, उन्हें हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की सरकारों के साथ भी हाथ मिलाना चाहिए क्योंकि जहाँ तक बादल फटने और हिमनद झीलों के फटने जैसी प्राकृतिक आपदाओं का संबंध है, ये सभी राज्य एक ही पायदान पर खड़े हैं।

समय की मांग है कि इस मुद्दे को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और हर संभव प्रयास किया जाए ताकि ऐसी आपदाओं को रोका जा सके और यदि किसी क्षेत्र में ऐसी आपदाएँ आती हैं, तो बचाव और राहत अभियान पूरी तरह से सुनिश्चित किया जाए ताकि जान-माल का न्यूनतम नुकसान हो। चूँकि ये आपदाएँ आम हो गई हैं, इसलिए नेतृत्वकर्ताओं के पास समय बर्बाद करने का समय नहीं है, इसलिए इन समस्याओं को कम करने का काम जल्द से जल्द शुरू किया जाना चाहिए।

विकसित भारत के लिए मोदी का सुधारों का ब्रह्मास्त्र

हरदीप एस पुरी

मुझे अपने स्कूल के दिनों से ही 15 अगस्त के भाषणों में भाग लेने का सौभाग्य प्राप्त होता रहा है, लेकिन शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी का 12वें स्वतंत्रता दिवस का भाषण अभूतपूर्व और असाधारण था। इसमें विकसित भारत के पथ पर भारत की गति बढ़ाने के दिशा में सीधे तौर पर लक्षित-ब्रह्मास्त्र-अर्जुन का अकाट्य पौराणिक अस्त्रर -छोड़ा गया।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्याछप्त असामान्ये उथल-पुथल के दौर के बीच,विकसित भारतका सपना संजोए भारत सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में निरंतरआगे बढ़ना जारी रखे हुए है।

यह भाषण केवल अपनी व्यापकता के लिए ही नहीं, बल्कि अपने दायरे—साहसिक, भविष्योन्मुखी और 1.4 बिलियन लोगों के भाग्य को नया आकार देने में सक्षमअगली पीढ़ी के सुधारों — और उस विजन के प्रति स्पष्टताके लिए भी उल्लेखनीय है, जिसका यह राष्ट्र इससे पहले कभी साक्षी नहीं रहा।

उदाहरण के लिए, डिजिटल इंडिया स्टैक को ही लें, यूपीआई दुनिया के आधे रीयल-टाइम लेनदेन के लिए उत्तररदायी हैऔर साल के अंत तक होने वाला,पहली मेड-इन-इंडिया चिपका लॉन्चए, वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में भारत की अग्रणी स्थिति को दर्शाता है।

ऐसे समय में जब राष्ट्रों की नियति सेमीकंडक्टर निर्धारित करते हैं, महत्वपूर्ण तकनीकों पर संप्रभुता का भारतका यह दावा किसी डिजिटल स्वराज से कम नहीं है।

ऊर्जा सुरक्षा लंबे समय से भारत के विकास की राह की सबसे बड़ी कमज़ोरी रही है। दशकों तक, झिझक और नो गो क्षेत्रों ने अन्वेषण को बाधित किया और आयात पर निर्भरता बढ़ा दी। वह दौर अब बीत चुका है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत ने ईईजेड में नो गो क्षेत्रों को लगभग 99% तक कम कर दिया है, जिससे 10 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र ईएंडपी के लिए मुक्त हो गया है। ओएएलपी के साथ, इसने भारतीय और वैश्विक दिग्गजों, दोनों के लिए समान रूप से एक विशाल क्षेत्र खोल दिया है—हमारे हाइड्रोकार्बन बेसिन अब निष्क्रिय नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय प्रगति के लिए उपयोग में लाए जाएँगे।

लाल किले की प्राचीर से घोषित ऐतिहासिकराष्ट्रीय गहरे जल अन्वेषण मिशन, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में एक महत्वाकांक्षी दूरदर्शी एजेंडा निर्धारित करता है। इस मिशन का लक्ष्य लगभग 40 वाइल्डकैट कुओं की ड्रिलिंग के माध्यम से 600-1200 मिलियन मीट्रिक टन तेल और गैस भंडारों का पता लगाना है। पहली बार, बंगाल की खाड़ी से लेकर अरब सागर तक भारतअपनी जटिल अपतटीय सीमाओं को व्यवस्थित रूप से खोलेगा, एक ऐसे ढाँचे के साथ जो सूखे कुओं की स्थिति में 80 प्रतिशत तक और व्यावसायिक खोज पर 40 प्रतिशत तक लागत की वसूली की अनुमति देकर निवेश के जोखिम को कम करता है।

यह पहल एक व्यापक योजना का हिस्सा है, जिसके तहत 2032 तक घरेलू तेल और गैस उत्पादन को तिगुना बढ़ाकर 85 मिलियन टन और राष्ट्रीय भंडार को दोगुना करके एक से दो बिलियन टन के बीच किया जा सकता है।

लगभग 8मिलियन टन उत्पादन के बराबर, अतिरिक्त 100-250 बिलियन क्यूजबिक मीटर गैस उपलब्ध कराने के लिए प्लग-एंड-प्ले आधार पर अपतटीय साझा बुनियादी ढाँचा बनाया जाएगा। ये सभी उपाय न केवल पहले से अटकी हुई खोजों का मुद्रीकरण करेंगे, बल्कि एक आत्मनिर्भर ईएंडपी इकोसिस्ट्म का निर्माण भी करेंगे, जहाँ स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं की हिस्सेदारी आज के 25-30 प्रतिशत से बढ़कर 70 प्रतिशत से अधिक हो जाएगी। यह आज़ादी के बाद से भारत का सबसे व्यापक अपस्ट्रीम सुधार है।

साथ ही, ऊर्जा परिवर्तन के क्षेत्र में भारत वैश्विक स्तईर पर अग्रणी बनकर उभरा है। भारत 2030 के लक्ष्य से पाँच साल पहले ही 2025 तक 50त्न स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य तक पहुँच गया है। जैव ईंधन और हरित हाइड्रोजन प्रायोगिक स्तर से उत्पादन की ओर बढ़ रहे हैं; इथेनॉल मिश्रण और सीबीजी स्केल-अप एक नए ग्रामीण-औद्योगिक आधार का निर्माण कर रहे हैं; एलएनजी के बुनियादी ढाँचे का विस्तार जारी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि असैन्य परमाणु ऊर्जा को निजी भागीदारी के लिए खोल दिया गया है। वर्तमान में, 10 नए परमाणु रिएक्टर चालू हैं, और भारत का लक्ष्य अपनी स्वतंत्रता के 100वें वर्ष तक अपनी परमाणु ऊर्जा क्षमता को दस गुना बढ़ाना है। यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य 2047 तक ऊर्जा स्वतंत्रता प्राप्त करने की भव्य योजना का हिस्सा है।

प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन की घोषणा हमारी औद्योगिक रणनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। ऐसे समय में जब दुनिया लिथियम, दुर्लभ मृदा तत्व , निकल और कोबाल्ट के सामरिक महत्व को पहचान रही है, भारत ने 1,200 से अधिक स्थलों पर अन्वेषण शुरू किया है और साझेदारी, प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण का ढाँचा तैयार कर रहा है ताकि नवीकरणीय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, ईवी और उन्नत रक्षा क्षेत्र कभी भी बाहरी अवरोधों के अधीन न रहें।

राष्ट्रीय सुरक्षा लाल किला चार्टर का एक अन्य स्तंभ था। ऑपरेशन सिंदूर ने परमाणु ब्लैकमेल के युग का अंत करते हुएवास्तविक समय में भारत की सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया और यह संदेश दिया कि आक्रमण का जवाब तेज़ी और कुशलता से दिया जाएगा। सिंधु जल संधि को स्थरगित करना संप्रभुता का साहसिक दावा है। सबसे बढ़कर, मिशन सुदर्शन चक्र का अनावरण, युद्धभूमि में भगवान श्री कृष्ण द्वारा अर्जुन की रक्षा से प्रेरित है, जो मोदी की शैली— सभ्यतागत प्रतीकवाद के अत्याधुनिक तकनीक से मेलका प्रतीक है।

एक बहुस्तरीय स्वदेशी सुरक्षा कवच भारत के महत्वपूर्ण संस्थानों की साइबर, भौतिक और हाइब्रिड खतरों से रक्षा करेगा। प्रधानमंत्री ने हमारे लड़ाकू विमानों को शक्ति प्रदान करने वाले इंजनों के डिज़ाइन और निर्माण के लिए एक राष्ट्रीय चुनौती जारी की है, और वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और संस्थानों से संयोजन या असेंबली से ऑथरशिप तक की छलांग लगाने का आह्वान किया है।

प्रधानमंत्री ने कठोर सत्यों से भी परहेज नहीं किया। उन्होंने उद्योग जगत और किसानों से आत्मनिर्भरता अपनाने और उर्वरकों का संतुलित उपयोग करने का आग्रह किया। हालाँकि भारत दुनिया की फार्मेसी है, जो वैश्विक टीकों का 60त्न का उत्पादन करता है, अब इसे नई दवाओं, टीकों और उपकरणों के क्षेत्र में भी अग्रणी बनने की दिशा में अग्रसर होना चाहिए। यह बायोई3 नीति के तहत बायोफार्मा को निर्णायक बल देने के साथ-साथ है, जहाँ हमारी महत्वाकांक्षा ऐसी दवाओं का पेटेंट और उत्पादन करना है जो किफायती और विश्वस्तरीय दोनों हों।

घोषित किए गए कर और कानूनी सुधार भी उतने ही साहसिक हैं। महत्वऔपूर्ण बात यह है कि 1961 का आयकर अधिनियम, जो स्वयं उस युग का अवशेष है, अब बदला जा रहा है। नया आयकर विधेयक जटिलता को कम कर रहा है, 280 अनावश्यक धाराओं को समाप्त कर रहा है और 12 लाख रुपये तक की राहत प्रदान कर रहा है। फेसलेस मूल्यांकन की शुरुआत ने प्रणाली को पारदर्शी, कुशल और भ्रष्टाचार-मुक्त बना दिया है।

दिवाली तक लॉन्ची किया जाने वाला अगली पीढ़ी का जीएसटी 2.0, दरों को और अधिक तर्कसंगत बनाएगा और अनुपालन को बढ़ावा देगा। 40,000 से ज़्यादा अनावश्यक अनुपालनों को समाप्त करने, 1,500 से ज़्यादा पुराने कानूनों को निरस्त करने और दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता के साथ, यह नेहरू के आर्थिक पिंजरे को तोड़ने जैसा है। ये सुधार केवल बैलेंस शीट में ही नहीं, बल्कि जीवन में भी सुधार लाते हैं। 25 करोड़ से ज़्यादा लाभार्थियों तक पहुँचकर प्रत्यक्ष लाभ अंतरण - ने कल्याण में जवाबदेही को अंतर्निहित किया है और 25 करोड़ से ज़्यादा भारतीयों को गरीबी से बाहर निकाला है।

रोज़गार पर फोकस को भी केंद्र में लाया गया है। पीएमविकसित भारत रोज़गार योजना 1 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ लॉन्चर की गई है; नए रोज़गार पाने वाले युवाओं को 15,000 रुपयेप्रति माह मिलेंगे, नए रोज़गार के अवसरों का सृजन करने वाली कंपनियों को प्रोत्साहन दिया जाएगा, और इस कार्यक्रम का लक्ष्य लगभग 3.5 करोड़ युवा भारतीयों तक पहुँचना है।

महत्वाकांक्षा को वास्तजविकता में बदलने के लिएप्रधानमंत्री ने अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया है—इस निकाय को आर्थिक गतिविधियों के पूरे इकोसिस्टंम को नया रूप देने के लिए बनाया गया है। इसका अधिदेश जितना साहसिक है, उतना ही लंबे अर्से से अपेक्षित भी है- हमारे स्टार्टअप्स और एमएसएमई पर बोझ डालने वाली अनुपालन लागत में कटौती करना, उद्यमों को निरंतर मनमानी कार्रवाई की छाया में रहने से छुटकारा दिलाना, तथा जटिल कानूनों को सरल, पूर्वानुमानित और व्यवस्थित ढांचे में ढालना।

15 अगस्त को घोषित सुधार,केवल अगले दिन की सुर्खियों के लिए नहीं, बल्कि 2047 के भारत से संबंधित हैं। जैसा कि प्रधानमंत्री ने हमें याद दिलाया, दुनिया एक प्राचीन सभ्यता को - अपनी जड़ों को त्यागकर नहीं, बल्कि उनसे शक्ति प्राप्त करकेआधुनिक शक्ति में तब्दील होते हुए देख रही है।

लेखक केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हैं।

लोकप्रियता नहीं, आदर्श ही जीवन की दिशा तय करते हैं

डॉ. सत्यवान सौरभ

आज का युग सोशल मीडिया का युग है। यहाँ हर व्यक्ति कहीं न कहीं किसी का फॉलोवर है और किसी न किसी का आदर्श चुनता है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि आखिर हम किसे फॉलो कर रहे हैं और क्यों कर रहे हैं। करोड़ों फॉलोअर्स वाले लोग अक्सर केवल एक या दो को ही फॉलो करते हैं। यह संकेत देता है कि असली प्रेरणा संख्याओं से नहीं बल्कि चयन से आती है। जैसे पान-गुटखा बेचने वाला व्यक्ति विज्ञापन में लाखों लोगों को खाने की प्रेरणा देता है, लेकिन खुद उस ज़हर को नहीं छूता। इसका अर्थ यही है कि जो सामने दिख रहा है, वही सच्चाई नहीं होता। जो हमें प्रेरणा देने का दावा करते हैं, उनके जीवन में वही मूल्य हों, यह ज़रूरी नहीं।

हमारे समाज में फॉलो करने की संस्कृति नई नहीं है। पहले के समय में लोग गुरुओं को, विचारधारा को या अपने आदर्श नायकों को फॉलो करते थे। परन्तु तब यह चयन गहरी समझ और अनुभव के आधार पर होता था। आज की डिजिटल दुनिया में यह चयन अक्सर केवल बाहरी चमक-दमक, लोकप्रियता, दिखावटी लाइफ़ स्टाइल और आकर्षण पर आधारित हो गया है। लाखों की भीड़ किसी व्यक्ति को फॉलो करती है, लेकिन यह नहीं सोचती कि वह व्यक्ति वास्तव में समाज को क्या दे रहा है। क्या उसका जीवन दूसरों के लिए उदाहरण है, या केवल मनोरंजन और व्यर्थ का समय खर्च करने का साधन। यही सबसे बड़ा प्रश्न है जिस पर हर व्यक्ति को विचार करना चाहिए।

हमारे शहीदों और महापुरुषों ने कभी भी लोकप्रियता के लिए त्याग नहीं किया। भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खाँ जैसे वीरों ने अपने जीवन का हर क्षण देश के लिए समर्पित किया। उन्होंने कभी यह नहीं सोचा कि उन्हें कितने लोग फॉलो कर रहे हैं, बल्कि उनका ध्यान केवल इस पर था कि उनकी प्रेरणा से कितने लोग सही मार्ग पर चलें। उनके आदर्श ही असली प्रेरणा हैं जिन्हें हमें फॉलो करना चाहिए।

आज सोशल मीडिया पर सितारे अपनी फिल्मों, फैशन या जीवनशैली से करोड़ों फॉलोवर बटोरते हैं। मगर क्या उनकी चमक हमारे जीवन के अंधेरे को मिटा सकती है? क्या उनकी जीवनशैली को फॉलो करना हमारे लिए व्यावहारिक है? क्या उनका दिखाया गया रास्ता हमारे भविष्य को सुरक्षित कर सकता है? शायद नहीं। क्योंकि जो व्यक्ति अपने जीवन में आराम, विलासिता और दिखावे को ही सर्वोपरि मानता है, वह आम आदमी के संघर्षों को कभी समझ ही नहीं सकता। उनके संदेश हमारे जीवन को दिशा नहीं दे सकते, केवल मनोरंजन भर कर सकते हैं।

इसके उलट हमारी संस्कृति हजारों वर्षों से हमें सिखाती रही है कि असली आदर्श वही है जो हमारे जीवन को उपयोगी दिशा दे। गीता का संदेश केवल युद्धभूमि तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन के हर संघर्ष में हमें प्रेरणा देता है। उपनिषद् हमें ज्ञान की ओर ले जाते हैं, विवेकानंद हमें आत्मविश्वास देते हैं, गांधी हमें सत्य और अहिंसा का मार्ग दिखाते हैं, डॉ. भीमराव अंबेडकर हमें समानता और अधिकारों का बोध कराते हैं।

यह सभी व्यक्तित्व ऐसे हैं जिनका अनुसरण करना न केवल हमारे लिए बल्कि पूरे समाज के लिए लाभकारी है।

सोचने की बात यह है कि हम किसे अपना नायक बना रहे हैं। एक फर्जी लाइफ़स्टाइल दिखाने वाला सेलिब्रिटी या अपने प्राण न्यौछावर कर देने वाला शहीद? वह व्यक्ति जो केवल मनोरंजन करता है या वह महापुरुष जो हमारी आत्मा को झकझोरता है और हमें कर्मठ, साहसी और जागरूक बनाता है।

फॉलो करना केवल बटन दबाने का नाम नहीं है। फॉलो करना मतलब है किसी की सोच, उसके विचारों और उसके जीवन को अपने जीवन का हिस्सा बनाना। अगर हम किसी ऐसे व्यक्ति को फॉलो करते हैं जिसकी जीवनशैली खोखली है, तो हम भी धीरे-धीरे उसी खोखलेपन का हिस्सा बन जाते हैं। लेकिन अगर हम किसी महान व्यक्तित्व को फॉलो करते हैं, तो हमारे जीवन में भी उनकी महानता की झलक दिखाई देने लगती है।

आज के समय में युवाओं के लिए यह सबसे बड़ा चैलेंज है कि वे किसे अपना आदर्श मानें। दुनिया दिखावे की ओर भाग रही है, परन्तु हमें यह तय करना है कि हम दिखावे के पीछे भागेंगे या असली मूल्यों को अपनाएँगे।

हमें यह समझना होगा कि असली स्टार वही है जो हमारे अंधेरों में रोशनी लेकर आए, न कि वह जो केवल चमकते मंच पर रोशनी में दिखे।

जब हम भारतीय शहीदों और संस्कृति को फॉलो करते हैं, तो हम न केवल अपनी जड़ों से जुड़े रहते हैं, बल्कि भविष्य को भी सुरक्षित बनाते हैं। संस्कृति हमें सिखाती है कि जीवन का लक्ष्य केवल भोग नहीं बल्कि त्याग और सेवा है। शहीद हमें सिखाते हैं कि राष्ट्रहित से बड़ा कोई धर्म नहीं। इनसे प्रेरणा लेने का अर्थ है अपने जीवन को सार्थक दिशा देना।

याद रखिए, भीड़ हमेशा सही दिशा में नहीं जाती। कभी-कभी भीड़ अंधेरे में भी दौड़ती है। समझदार वही है जो सोचकर तय करे कि उसे किस दिशा में जाना है। अगर करोड़ों लोग किसी को फॉलो कर रहे हैं, तो इसका अर्थ यह नहीं कि वह व्यक्ति महान है। महान वही है जो बिना फॉलोवर के भी अपने जीवन से दूसरों को प्रेरणा देता है।

इसलिए आज आवश्यकता है कि हम अपने चयन पर गंभीरता से विचार करें। किसी को फॉलो करने से पहले यह प्रश्न अवश्य पूछें कि क्या यह व्यक्ति मेरे जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकता है? क्या इसकी प्रेरणा मेरे समाज और देश के लिए उपयोगी है? क्या इसकी दिशा मुझे आगे बढ़ने में मदद करेगी? अगर उत्तर हाँ है, तो नि:संकोच उसे फॉलो करें। और यदि उत्तर नहीं है, तो भले ही उसके लाखों-करोड़ों फॉलोवर हों, हमें साहसपूर्वक उसे अनदेखा करना चाहिए।

फॉलो करना केवल व्यक्तिगत चयन नहीं है, यह समाज की दिशा भी तय करता है। यदि एक पीढ़ी गलत आदर्शों को फॉलो करेगी तो उसकी आने वाली पीढ़ियाँ भी उसी दिशा में भटकेंगी। और यदि एक पीढ़ी शहीदों और संस्कृति को फॉलो करेगी, तो आने वाली पीढ़ियाँ भी उन्हीं मूल्यों से प्रेरित होंगी। यही वह शक्ति है जो राष्ट्र को मज़बूत बनाती है।

अंत में यही कहना उचित होगा कि जीवन में आदर्श चुनते समय आँखें बंद नहीं करनी चाहिए। पान-गुटखा बेचने वाला खुद गुटखा नहीं खाता, यह सच हमें चेताता है कि दिखावे और वास्तविकता में बड़ा अंतर होता है। सोशल मीडिया पर चमकते चेहरे हमेशा सच्चाई नहीं होते। असली सच्चाई हमारे शहीदों के बलिदान में, हमारी संस्कृति की गहराई में और हमारे महापुरुषों की शिक्षाओं में है।

तो सोचिए, आप किसे फॉलो कर रहे हैं। क्योंकि आपका चयन ही आपके जीवन की दिशा तय करता है। भीड़ का हिस्सा बनने से बेहतर है कि सही रास्ते का यात्री बनें। और सही रास्ता वही है जो हमारे भारतीय शहीदों, संस्कृति और महान परंपरा की ओर ले जाता है।

ट्रंप ने खोया अपनों का भरोसा

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

यह तो भविष्य के गर्व में छिपा है कि रुस-यूक्रेन युद्ध को लेकर दोनों देशों का क्या निर्णय होगा या युद्ध कब तक समाप्त होगा या सहमति के हालात बनेंगे या नहीं- पर एक बात साफ हो गई है कि अमेरिका के लोगों को ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्णय को लेकर भरोसा नहीं है। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव के समय 81 प्रतिशत अमेरिकियों को भरोसा था कि ट्रंप द्वारा जो निर्णय लिया जाएगा वह भरोसे लायक होगा। यानी वह सोच समझ भरा निर्णय होगा। कहने का अर्थ यह है कि अमेरिका के 81 फीसदी नागरिक यह मानकर चल रहे थे कि ट्रंप द्वारा रुस-यूक्रेन युद्ध को लेकर लिया जाने वाला निर्णय भरोसे लायक होगा।

राष्ट्रपति बनने के बाद जिस तरह से ट्रंप द्वारा एक के बाद एक तुगलकी निर्णय लिए जा रहे हैं और जिस तरह से विश्व के देशों को धमकाना शुरु किया है उससे ट्रंप ने स्वयं के साथ अमेरिका की फजीहत ही अधिक कराई है। विश्व का दादा बनने के प्रयास में ट्रंप और अमेरिका दोनों की साख में तेजी से गिरावट आई है। ट्रंप-पुतिन मुलाकात के बाद भी साफ हो गया है कि कोई ठोस निर्णय नहीं हो पाया है और भले ही जेलेंस्की को ट्रंप ने चर्चा के लिए अमेरिका बुलाया हो और बातचीत भी हुई हो पर लब्बोलुबाव यही रहेगा कि इस मुलाकात के बाद अमेरिका की हेठी साफ दिखाई दे ही रही है। इससे पहले जेलेंस्की और ट्रंप की गत मुलाकात के समय जिस तरह से अमेरिका की हेठी हुई वह भी सबके सामने है। भले पुतिन-जेलेंस्की मुलाकात को राजी हो गये हों पर सीजफायर भी हो गया तो वह स्थाई सीजफायर होगा, इसमें पूरी तरह से संदेह है।

इन हालातों में प्यू रिसर्च द्वारा हाल ही किये गये सर्वे में जो परिणाम सामने आये हैं वह इसके पीछे की तस्वीर साफ करते हैं। 81 प्रतिशत भरोसे लायक नेता पर 40 प्रतिशत अमेरिकियों का भरोसा और इनमें से भी 25 प्रतिशत का थोड़ा भरोसा तो फिर देखा जाए तो केवल 15 प्रतिशत अमेरिकी ही ट्रंप पर पूरी तरह से भरोसा जता रहे हैं।

59 प्रतिशत अमेरिकियों का तो ट्रंप पर अब बिलकुल भरोसा नहीं रहा है। देखा जाए तो दुनिया के देश तो ट्रंप की बेजा हरकतों से परेशान हैं ही वहीं अमेरिकावासियों को भी अमेरिका का भविष्य कोई अच्छा संकेत देता नहीं लग रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप के एक के बाद लिए गए फैसलों ने उन्हें दुनिया का सबसे बड़ा खलनायक बना दिया है। ट्रंप की हर धमकी हवा हवाई बनकर रह गई है। इसके साथ ही ट्रंप द्वारा कही जाने वाली बात कब तक रहेगी इस पर भी दुनिया के लोगों को संदेह होने लगा है।

टैरिफ वार सामने हैं। टैरिफ के नाम पर देशों को धमकाना ज्यादा नहीं चल सकता, यह अमेरिका को समझना होगा। भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने से उलटा मोदी को मजबूत बनाने का काम ही अमेरिकी राष्ट्रपति ने किया है।

इससे पहले जिस तरह से कनाडा को अपना 51 वां राज्य कहना दादागिरी का बड़ा नमूना है। भारत-पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान सीजफायर करने के दावे की पोल खुल चुकी है। देखा जाए तो ट्रंप तानाशाही रवैया अपनाते हुए दुनिया के देशों को ड़राने धमकाने में लगे हुए हैं। हांलाकि चाहे टैरिफ नीति हो या उपनिवेशवादी सोच, देर-सबेर इसका खामियाजा अमेरिका को ही भुगतना पड़ेगा और गत बैठक के दौरान व्हाइट हाउस में ट्रम्प और जेलेंस्की के बीच तीखी बहस और नोकझोंक से दुनिया के देशों में साहस का संचार हुआ है। व्हाइट हाउस की घटना का तात्कालिक परिणाम ही यह सामने आ गया है कि यूरोप के देश एक स्वर में यूक्रेन के साथ खड़े होने लगे तो दूसरी ओर अपना नया नेता चुनने पर विचार करने लगे हैं।

हालांकि जेलेंस्की ने देश हित को पहली वरियता दी है और अमेरिका से अब भी खनिज संपदा के अधिकार देने पर सहमति समझौता करने को लगभग तैयार है। पर अमेरिका दबाव बनाकर और डरा-धमकाकर समझौता करना चाहता है। यही कारण है कि समझौते के प्रारुप पर चर्चा करने आये जेलेंस्की को ही रुस -यूक्रेन युद्ध का जिम्मेदार बताते हुए तीखी नोंकझोंक तक हालात पहुंच गए और जेलेंस्की की हिम्मत की इसलिए सराहना करनी होगी कि अमेरिका के आगे नाक रगड़ने की जगह वार्ता छोड़ कर यूरोपीय देशों की यात्रा पर आ गये।

भविष्य में क्या होता है यह तो अलग बात हैं पर चाहे रुस यूक्रेन युद्ध हो, चाहे इजरायल हमास या फिर भारत-पाक, ट्रंप एक्सपोज हो गए हैं। इससे रुस और पुतिन का विश्व राजनीति में उभार का अवसर मिला है वहीं दुनिया के देशों की कोरोना व अन्य नीतियों के कारण चीन के प्रति बनी सोच में भी बदलाव आने लगा है। इसके साथ ही दुनिया के देशों में आज भारत की छवि भी बदलाव आया है और भारत को सशक्त और दुनिया का नेतृत्व करने में सक्षम देश के रुप में देखा जाने लगा है। टैरिफ वार के नाम पर भारत को धमकाना और पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष के साथ लंच करने से अमेरिका और ट्रंप दोनों की साख नकारात्मक रुप से प्रभावित हुई है।

ट्रंप के सलाहकारों को यह समझाना होगा कि डराने-धमकाने या दादागिरी का समय नहीं रहा। छोटे- से-छोटा देश अपनी अस्मिता के लिए लंबा संघर्ष करने में पीछे हटने या झुकने वाला नहीं है। रुस-यूक्रेन युद्ध इसका जीता जागता उदाहरण है। ट्रंप को अपनी हैसियत बनाये रखनी है तो उसे अपनी कार्यशैली में बदलाव लाना होगा नहीं तो वह अपने देश में ही बदनामी के शीर्ष पर पहुंच जाएगा। ट्रंप को अपने पराये की पहचान करनी होगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

धनश्री वर्मा ने तलाक पर तोड़ी चुप्पी, युजवेंद्र चहल की 'शुगर डैडी' टी-शर्ट पर दिया बड़ा बयान

एजेंसी

नई दिल्ली। युजवेंद्र चहल की पत्नी रह चुकी धनश्री वर्मा ने आखिरकार अपने तलाक के बारे में खुलकर बात की है और तलाक की सुनवाई के दौरान भारतीय क्रिकेटर के की आलोचना की है। चहल ने तलाक के दिन 'बी युअर ऑन शुगर डैडी' लिखी एक टी-शर्ट पहनी थी इस पर भी धनश्री ने अपनी राय रखी और इसे पबलिसिटी स्टंट बताया है। चहल की टी-शर्ट से सोशल मीडिया पर तहलका मचा गया था और कई लोगों ने इसे धनश्री पर कटाक्ष के रूप में देखा। धनश्री ने एक पॉडकास्ट में इस पर बात करते हुए कहा, 'तलाक कोई जश्न मनाने की चीज नहीं है। यह कोई जश्न नहीं है, यह बहुत दुखद और बेहद भावनात्मक है। लोगों को यह नहीं भूलना चाहिए कि यह सिर्फ दो लोगों के बारे में नहीं है, बल्कि इसमें शामिल परिवारों के बारे में भी है जो वास्तव में आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं।' उन्होंने कहा, मेरा यह भी मानना है कि शादी में असली दुःख और उथल-पुथल को दोनों पक्षों को समझना और स्वीकार करना चाहिए। शादी प्यार से शुरू होती है, लेकिन जब यह खत्म होती है, तो अक्सर अविश्वास में। जिस दिन यह हुआ, वह मेरे लिए, मेरे परिवार के लिए और मुझे यकीन है कि हमारे आस-पास के सभी लोगों के लिए बहुत भावुक दिन था।

वर्ल्ड कप में दिखेगी हिमाचल की ताकत, रेणुका ठाकुर और हरलीन देओल का भारतीय टीम में चयन

शिमला। वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम में हिमाचल प्रदेश की तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर को शामिल किया गया है। पैर की चोट से उभरने के बाद चयनकर्ताओं ने रेणुका पर भरोसा जताते हुए टीम इंडिया में शामिल किया है। रेणुका के अलावा हरलीन देओल का चयन भी वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम में हुआ है। हरलीन देओल ऑलराऊंडर खिलाड़ी हैं। हरलीन ने भी हिमाचल प्रदेश की टीम से खेलते हुए भारत की टीम में जगह बनाई थी और अब वह नियमित रूप से भारतीय महिला टीम से खेल रही हैं। बता दें कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल-2025) के बाद पैर में चोट लगने के कारण रेणुका श्रीलंका में हुई ट्राई सीरीज के लिए टीम से बाहर हो गई थीं, लेकिन अब उनकी टीम में वापसी हो गई है। रेणुका का चयन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए भी किया गया है और वह इस सीरीज से टीम में वापसी करेंगी। यह घरेलू सीरीज वर्ल्ड कप से पहले होगी। भारत व ऑस्ट्रेलिया के बीच एकदिवसीय मुकाबले 14 सितम्बर के अलावा 17 व 20 सितम्बर को होंगे। पहले 2 मुकाबले न्यू चंडीगढ़ में होंगे, जबकि तीसरा मुकाबला दिल्ली में खेला जाएगा। इसके बाद वर्ल्ड कप का आगाज 30 सितम्बर से होगा और वर्ल्ड कप के मुकाबले भारत व श्रीलंका में खेले जाएंगे।

श्रेयस अय्यर की टीम में वापसी से यह ऑलराउंडर हो सकता है बाहर:आर. अश्विन

नई दिल्ली। भारत के पूर्व स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने श्रेयस अय्यर की 20 महीने के अंतराल के बाद टी20 में वापसी का समर्थन किया। अय्यर ने आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स के कप्तान के रूप में शानदार प्रदर्शन किया था और स्पिनरो का सामना करने की उनकी क्षमता उन्हें टी20 एशिया कप 2025 टीम में चुने जाने का प्रबल दावेदार बनाती है। अश्विन का मानना है कि अगर अय्यर टीम में आते है तो ऑलराउंडर शिवम दुबे को टीम में जगह नहीं मिलेगी। अश्विन ने ऐश की बात में कहा, 'श्रेयस तीसरे नंबर पर। सूर्या और तिलक निचे खेल सकते है। सूर्या और तिलक चौथे और पांचवे नंबर के बीच बदल सकते है। अगर आप श्रेयस अय्यर को योजना में ला रहे है तो शिवम दूबे के लिए जगह नही है। उनके पास कोई जगह नही है। वह एक बैकअप पोजिशन हो सकते है। जिस पर हम चर्चा कर सकते है। क्योंकि अगर श्रेयस अय्यर, सूर्या और तिलक अगर वे आपके शीर्ष 5 में है, तो यह 6 और 7 है। 6 और 7 एक ब्लॉक है। अक्षर पटेल और हार्दिक पांड्या। इसमें कोई बहस नहीं है।अश्विन ने आगे कहा, हमने संजू को ऊपर भेजा है। इसलिए हमें इस बात पर चर्चा करनी होगी कि बैकअप कीपर कौन होगा। बैकअप कीपर के लिए कई उम्मीदवार है।

अच्छे प्रदर्शन के बाद भी यशस्वी जायसवाल हुए नजरअंदाज, अब खुद चीफ सेलेक्टर ने बताई मुख्य वजह

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2024 के लिए चयनित भारतीय टीम में शामिल यशस्वी जायसवाल को एशिया कप 2025 की टीम में जगह नहीं मिलने पर सवाल उठे हैं। यशस्वी को जब भी टीम में मौका मिला है, उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन इसके बावजूद वे एशिया कप के 15 सदस्यीय स्क्वॉड में शामिल नहीं किए गए। इस विषय पर मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने अपना पक्ष रखा है। भारतीय टी20 टीम में एक समय स्थायी सदस्य रहे यशस्वी जायसवाल को अब स्टैंडबाई खिलाड़ी बनाया गया है। आईपीएल 2025 में भी उनके अच्छे प्रदर्शन का फायदा उन्हें टीम में नहीं मिला। टीम की घोषणा के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में अजीत अगरकर ने कहा, ÷यशस्वी जायसवाल के लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन अभिषेक शर्मा अच्छा कर रहे हैं और वह गेंदबाजी भी कर सकते हैं, इसलिए हम उनके साथ गए हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि शुभमन गिल टीम की पहली पसंद बने हुए हैं।

एशिया कप 2025 के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित, हरमनप्रीत सिंह होंगे कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने बुधवार को आगामी हीरो पुरुष एशिया कप 2025 के लिए 18 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी। यह टूर्नामेंट 29 अगस्त से 7 सितंबर तक बिहार के नवनिर्मित राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। यह प्रतियोगिता बेल्जियम-नीदरलैंड्स में होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफायर है। भारत को पूल-ए में जापान, चीन और कजाखस्तान के साथ रखा गया है। टीम इंडिया अपना पहला मुकाबला 29 अगस्त को चीन के खिलाफ खेलेगी, इसके बाद 31 अगस्त को जापान और 1 सितंबर को कजाखस्तान से भिड़ेगी।

अनुभवी ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह को एक बार फिर टीम का कप्तान बनाया गया है। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों का मजबूत संतुलन नजर आता है। गोलकीपिंग

की जिम्मेदारी कृष्ण बी पाठक और सूरज करकेरा पर होगी। रक्षा पंक्ति में कप्तान हरमनप्रीत सिंह और अमित रोहिदास के साथ जर्मनप्रीत सिंह, सुमित, संजय और जुगराज सिंह शामिल होंगे। मिडफील्ड की कमान मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल और हार्दिक सिंह संभालेंगे। आक्रमण पंक्ति में मंदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह विपक्षी डिफेंस के लिए चुनौती पेश करेंगे। नीलम संजीव ज़ेस और सेल्वम कार्ती को वैकल्पिक खिलाड़ी के रूप में टीम में जगह दी गई है। टीम चयन पर प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, ÷हमने एक अनुभवी टीम चुनी है, जो दबाव की परिस्थितियों में प्रदर्शन करने का अनुभव रखती है। एशिया कप हमारे लिए अहम है क्योंकि विश्व कप क्वालिफिकेशन दांव पर है। इसीलिए हमें ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत थी जिनमें धैर्य, लचीलापन और जीत का जज्बा हो। मुझे इस टीम के संतुलन और गुणवत्ता से बेहद खुशी है। हर विभाग–रक्षा, मिडफील्ड और आक्रमण–में हमारे पास नेता मौजूद हैं और यही हमारी सबसे बड़ी ताकत होगी।

एशिया कप में हर्षित राणा और शिवम दुबे के चयन से पूर्व क्रिकेटर नाखुश, कहा- आप क्या संदेश दे रहे हैं

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय बल्लेबाज क्रिस श्रीकांत ने एशिया कप 2025 के लिए तेज गेंदबाज हर्षित राणा के चयन की आलोचना की है, साथ ही ढ्ढक्क 2025 में गेंदबाजी में उनके निराशाजनक प्रदर्शन पर भी प्रकाश डाला है। श्रीकांत ने कहा कि हर्षित टीम में जगह पाने के हकदार नहीं थे, खासकर मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की कीमत पर जिन्होंने आईपीएल 2025 में पर्पल कैप जीती थी। हर्षित को चुनने के चयनकर्ताओं के फैसले पर बोलते हुए श्रीकांत स्पष्ट रूप से नाराज दिखे। श्रीकांत ने कहा, हर्षित राणा कहां से आया? आईपीएल में उसका प्रदर्शन बहुत खराब था। उसे मैनेज किया जा रहा है। आईपीएल में उसका इकॉनमी रेट 10 का था। आप प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज को क्या संदेश दे रहे हैं? श्रीकांत टीम के संतुलन से भी नाखुश थे और उन्होंने कहा कि शिवम दुबे की जगह वाशिंगटन सुंदर जैसे किसी खिलाड़ी को टीम में होना चाहिए था। उन्होंने कहा, वे तिलक वर्मा को छठा गेंदबाज बनाएंगे। क्या अभिषेक शर्मा आपके छठे गेंदबाज होंगे या शिवम दुबे? उन्होंने आईपीएल में शायद ही कोई गेंदबाजी की हो। यह एक समायोजन वाला चयन है। अगर आपको किसी ऐसे गेंदबाज की जरूरत होती जो आठवें नंबर पर बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों कर सके, तो वाशिंगटन सुंदर आदर्श होते। शिवम दुबे को आठवें नंबर पर रखना कोई मायने नहीं रखता।सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह।

सिंकफील्ड कप में गुकेश ने दूसरे दौर में अब्दुसत्तोरोव को हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने पहले दौर में हमवतन आर.प्रज्ञानानंद से मिली हार से उबरते हुए बुधवार को दूसरे दौर में उज्बेक जीएम नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव को शिकस्त दी। सफ़ेद मोहरों से खेलते हुए गुकेश ने अपने प्रतिद्वंदी को 50 चालों तक चले मुकाबले में हराया। इस बीच, प्रज्ञानानंद ने अमेरिका के फैबियानो कारुआना के खिलाफ एक आसान ड्रॉ खेला।कारुआना ने कहा, मैंने शुरुआत में उसे थोड़ा चौंका दिया और फिर मुझे लगता है कि मैंने थोड़ी ग़लती कर दी, जिससे मैं थोड़ा चिंतित हो गया। इसी वजह से मैंने एक प्यादा बलिदान करने का फैसला किया... लेकिन फिर भी यह अपेक्षाकृत सहज ड्रॉ रहा।दिन के अन्य एकमात्र निर्णायक मुकाबले में फ्रांस के अलीरेज़ा फिरोज़ा ने जीएम जान-क्रिज़्स्टोफ़ डूडा को एक लंबे खेल में हराया, जो 100 चालों तक

चला। इस जीत के साथ ही फिरोज़ा अब टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए हैं, जहाँ उनके साथ भारत के प्रज्ञानानंद और अमेरिकी जीएम लेवोन अरोनियन भी शामिल हैं। तीसरे दौर में गुकेश का सामना अमेरिका के सैम सेवियन से होगा, जबकि प्रज्ञानानंद का मुकाबला अब्दुसत्तोरोव से होगा। दोनों भारतीय खिलाड़ी इस दौर में काले मोहरों से खेलेंगे।

सलाह ने रचा इतिहास, तीसरी बार बने पीएफए प्लेयर ऑफ द ईयर

एजेंसी

लंदन। लिवरपूल के स्टार स्ट्राइकर मोहम्मद सलाह ने एक नया इतिहास रच दिया है। वह प्रोफेशनल फुटबॉलर्स एसोसिएशन (पीएफए) के मेंस प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड को तीसरी बार जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। सलाह ने इससे पहले 2018 और 2022 में यह खिताब अपने नाम किया था। इस बार वह छह खिलाड़ियों की शॉर्टलिस्ट में शीर्ष पर रहे, जिसमें उनके लिवरपूल साथी एलेक्सिस मैक एलिस्टर, मैनचेस्टर यूनाइटेड के ब्रूनो फर्नांडिज़, न्यूकैसल के स्ट्राइकर अलेक्जेंडर इसाक, चेल्सी के कोल पामर और आर्सेनल के डेक्लन राइस शामिल थे।33 वर्षीय सलाह को यह सम्मान लिवरपूल की पिछले सीज़न की प्रीमियर लीग खिताबी जीत में उनके अहम योगदान के लिए मिला। उन्होंने 2024-25 सीज़न में 29 गोल दागे और 18 असिस्ट दिए, जिससे वे लीग के टॉप स्कोरर बने।

सलाह को इस सीज़न में प्रीमियर लीग प्लेयर ऑफ द सीज़न और फुटबॉल राइटर्स' एसोसिएशन फुटबॉलर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड भी मिला। इसके अलावा, एस्टन विला के मिडफील्डर मॉर्गन रोजर्स को यंग प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया, जबकि इंग्लैंड के पूर्व मैनेजर गैरेथ साउथगेट को 2025 पीएफए मेरिट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

द हंड्रेड: ट्रेंट रॉकेट्स की धमाकेदार जीत, कप्तान डेविड विली ने दिखाया जलवा

एजेंसी

नॉटिंघम। नॉटिंघम में द हंड्रेड टूर्नामेंट के तहत खेले गए मुकाबले में कप्तान डेविड विली की अगुवाई में ट्रेंट रॉकेट्स ने मैनचेस्टर ओरिजिनल्स को सात विकेट से हराया। विली ने अपनी घातक गेंदबाजी से मात्र 11 रन देकर तीन विकेट झटके और ओरिजिनल्स को 100 गेंदों में महज 98 रन पर रोक दिया। रॉकेट्स ने लक्ष्य 26 गेंद शेष रहते आसानी से हासिल कर लिया और अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

विली का कहर और ओरिजिनल्स की ढहती पारी

मैच की शुरुआत से ही डेविड विली ने ओरिजिनल्स की कमर तोड़ दी। उन्होंने पहले ही सेट में युवा बल्लेबाज बेन मैककिनी को एलबीडब्ल्यू आउट किया। इसके

बाद इन-फॉर्म बल्लेबाज जोस बटलर को कैच आउट कराया और अगले ही गेंद पर रचिन रवींद्र को गोल्डन डक पर चलता किया।

मध्य ओवरों में रॉकेट्स के गेंदबाजों ने पूरी तरह दबाव बनाए रखा। रिहान अहमद ने हेनरिक क्लासेन और फिल साल्ट को बड़े शॉट खेलने पर मजबूर किया और दोनों को आउट किया। वहीं, सैम कुक ने मैथ्यू हर्स्ट और स्कॉट करी को पवेलियन भेजा। ओरिजिनल्स के लिए सिर्फ लुईस ग्रेगरी टिक पाए जिन्होंने आखिरी 10 गेंदों में ताबड़तोड़ 26 रन बनाए और टीम को किसी तरह 98 तक पहुंचाया।

रिहान अहमद की नाबाद पारी

98 रन का लक्ष्य आसान नहीं माना जा रहा था, लेकिन रॉकेट्स ने इसे एकतरफा बना दिया। हालांकि जो रूट (4) और टॉम बैंटन (12) जल्दी आउट हो गए, लेकिन रिहान अहमद ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 45 रन बनाए। उन्होंने स्पिनरों रवींद्र और नूर अहमद के खिलाफ बेखौफ शॉट खेले और लगातार बाउंड्री लगाई।रिहान का साथ दिया विकेटकीपर टॉम मूर्स ने, जिन्होंने 13 गेंदों पर तेज 22 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई।

'आपने उसे वहां भी नहीं रखा', अय्यर को एशिया कप टीम में ना रखने पर भड़का पूर्व सलामी बल्लेबाज

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा का मानना है कि श्रेयस अय्यर को आगामी एशिया कप के लिए रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया जाना चाहिए था क्योंकि इससे उनके टी20 अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिलता। अय्यर ने IPL 2025 में 175 के स्ट्राइक रेट से 604 रन बनाए थे और पंजाब किंग्स को प्रतियोगिता में उपविजेता बनाया था। शॉर्ट बॉल के खिलाफ अपने खेल में काफी सुधार करने और स्पिनरों को खेलने के बावजूद अय्यर को एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय टीम और पांच रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में जगह नहीं मिली। यह बात भारत के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर को हैरान कर गई थी और अब चोपड़ा ने भी यही बात कही है। श्रेयस का नाम 5 रिजर्व खिलाड़ियों में भी नहीं है और यह आश्चर्यजनक है। यह समझ में आता है कि आप उसे 15 में नहीं रख सकते क्योंकि आप उसे अंतिम एकादश में नहीं खिला सकते और आप निचले क्रम के बल्लेबाजों को बैकअप के तौर पर चाहते थे, जहां शिवम दुबे मौजूद हैं और रिंकू सिंह को एक और मौका दिया जाएगा, जो बिल्कुल स्वाभाविक है। चोपड़ा ने बुधवार को अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, हालांकि कम से कम रिजर्व खिलाड़ियों में जगह बनाई जा सकती थी, जहां आपने ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल और प्रसिद्ध कृष्णा को रखा है। श्रेयस का नाम वहां हो सकता था, लेकिन आपने उसे वहां भी नहीं रखा, और यह कोई अच्छा संकेत नहीं देता। श्रेयस के नाम को लेकर स्पष्टता बिल्कुल नहीं है। चोपड़ा को लगता है कि अय्यर 2026 पुरुष टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह बना सकते हैं।

ला लीगा 2025-26: रियल मैड्रिड ने जीत के साथ की शुरुआत ,पहले मैच में ओसासुना को हराया

एजेंसी

मैड्रिड। फ्रांसीसी स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे के पेनल्टी गोल की बदौलत रियल मैड्रिड ने ला लीगा 2025-26 सीजन की शानदार शुरुआत की। सैंटियागो बर्नबाउ में खेले गए मुकाबले में मैड्रिड ने ओसासुना को 1-0 से हराकर नए कोच जाबी अलोंसो को जीत का तोहफ़ा दिया।

मैच का एकमात्र गोल दूसरे हाफ के शुरुआती मिनटों में आया, जब ओसासुना डिफेंडर जुआन क्रूज़ के फाउल पर मैड्रिड को पेनल्टी मिली। एमबाप्पे ने मौके को भुनाते हुए गेंद को गोलकीपर सर्जियो हेरेरा के विपरीत दिशा में भेजकर टीम को बढ़त दिलाई। यह गोल अंत तक निर्णायक साबित हुआ। रियल मैड्रिड की टीम इस मैच में इंग्लैंड के

मिडफील्डर जूड बेलिंगहैम के बिना उतरी, जो कंधे की सर्जरी के कारण अक्टूबर तक मैदान से बाहर रहेंगे। वहीं, लिवरपूल से आए ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड ने ला लीगा में पदार्पण किया। साथ ही समर साइनिंग्स डीन हुईजसन और अल्वारो कैरेरास भी शुरुआती एकादश का हिस्सा बने। पहले हाफ में मैड्रिड को ओसासुना की मजबूत डिफेंस के सामने खास मौके नहीं मिले। सेंटर-बैक हुईजसन और मिलिटाओ की दूर से मार की कोशिशों को गोलकीपर हेरेरा ने रोका। वहीं, विनीसियस जूनियर की क्रॉस पर एमबाप्पे का शॉट साफ़ नहीं लग पाया। दूसरे हाफ में पेनल्टी के जरिए गोल करने के बाद मैड्रिड ने मैच पर नियंत्रण बना लिया। अलोंसो ने 18 वर्षीय अर्जेंटीनी विंगर फ्रांको मास्तान्तुओनो को भी पदार्पण का मौका दिया। उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन गोलकीपर हेरेरा ने उनके प्रयास को बचा लिया।ओसासुना को मैच में वापसी का मौका नहीं मिला। अंत में अबेल ब्रेटोनेस को इंजरी टाइम में गोंजालो गार्सिया को रोकने के प्रयास में हाथ उठाने पर लाल कार्ड दिखाया गया और टीम 10 खिलाड़ियों के साथ रह गई। इस जीत के साथ रियल मैड्रिड ने 2008 से चली आ रही परंपरा को जारी रखा है कि वह ला लीगा के अपने शुरुआती मुकाबले में कभी हारता नहीं है।

लखनऊ फाल्कन्स ने मेरठ मेवरिक्स को 5 विकेट से दी मात

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश टी20 लीग के पांचवें मुकाबले में लखनऊ फाल्कन्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेरठ मेवरिक्स को 5 विकेट से पटखनी दी। मेरठ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 150 रन बनाए, जिसे लखनऊ ने 18.3 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मेरठ मावेरिक्स ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 150 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज समर्थ चिकारा ने 32 रन (24 गेंद, 7 चौके) की तेज पारी खेली। वहीं मयंक कौशिक ने 25 रन, जबकि कप्तान रिंकू सिंह ने 23 रन का योगदान दिया। इसी प्रकार जैद अंसारी और यश गर्ग ने क्रमशः 22-22 रन बनाए। लखनऊ की ओर से गेंदबाजी में पार्थ सिंह और कप्तान विवेक निगम ने 2-2 विकेट झटके। 151 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ फाल्कन्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही, लेकिन आदित्य यादव (62 रन, 51 गेंद, 6 चौके, 2 छक्के) और मुहम्मद सैफ (55 रन, 33 गेंद, 7 चौके, 2 छक्के) की शानदार पारियों ने मैच का पासा पलट दिया। आखिर

में कप्तान विवेक निगम ने नाबाद 9 रन बनाकर टीम को 18.3 ओवर में ही जीत दिला दी। मेरठ के लिए गेंदबाजी में यश गर्ग ने 3 विकेट हासिल किए, लेकिन उनकी मेहनत टीम को जीत नहीं दिला सकी।

नवदीप सैनी की शानदार गेंदबाजी, ईस्ट दिल्ली राइडर्स प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम बनी

एजेंसी

नई दिल्ली । नवदीप सैनी की शानदार गेंदबाजी के दम पर ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने पुरानी दिल्ली 6 को 21 रन से हराया और इस तरह से वह दिल्ली प्रीमियर लीग के दूसरे सत्र के प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली टीम बन गई। राइडर्स ने

पहले बल्लेबाजी करते हुए अर्पित राणा के 64 और कप्तान अनुज रावत के 59 रन की मदद से छह विकेट पर 172 रन बनाए। पुरानी दिल्ली 6 की ओर से देव लाकड़ा और आयुष सिंह ने दो-दो विकेट लिए। पुरानी दिल्ली 6 की टीम इसके जवाब में समर्थ सेठ (30 गेंदों पर 41 रन), प्रणव पंत (25 गेंदों पर 29 रन) और कप्तान वंश बेदी (26 गेंदों पर 48 रन) की शानदार पारियों के बावजूद आठ विकेट पर 151 रन ही बना पाई। नवदीप सैनी राइडर्स के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने अपने चार ओवर में 21 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

भारत की युवा निशानेबाजों ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में किया 1-2 फिनिश

नई दिल्ली। कज़ाखस्तान के शिमकेंट में चल रही 16वीं एशियन शूटिंग चैंपियनशिप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) के दूसरे दिन भारत की कनक बुधवार और अगम ग्रेवाल ने महिला 10 मीटर एयर पिस्टल युवा वर्ग में क्रमश- स्वर्ण और रजत पदक जीतकर भारत के लिए 1-2 फिनिश दर्ज की। सुहल जूनियर वर्ल्ड कप 2025 की विजेता कनक ने 238.2 अंक के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया, वहीं अगम ने 236.0 अंकों के साथ रजत पदक जीता। फाइनल में भारत की तीसरी प्रतिभागी गंबेर्या वी. गौड़ा 172.5 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहीं।

तीनों ने मिलकर टीम स्वर्ण पदक भी जीता। क्वालिफिकेशन राउंड में अगम ग्रेवाल ने 577 अंक के साथ टॉप किया, जबकि कनक ने 566 और गंबेर्या ने 558 अंक हासिल किए। प्रतियोगिता के दूसरे दिन भारत ने कुल सात पदक जीते। फाइनल के दौरान कनक ने 10 शॉट्स के बाद बढ़त बना ली और 24वें शॉट तक उसे बनाए रखा, अंत में उन्होंने 10.4 के उच्च स्कोर के साथ जीत पक्की की। वहीं अगम, जो 12 शॉट्स के बाद चौथे स्थान पर थीं, उन्होंने 9.5 और 10.3 अंकों के स्कोर के साथ तेजी से बढ़त ली और रजत पदक तक

पहुंच गईं। उस समय वे ईरान की पारिमा अमीरी और गंबेर्या से पीछे थीं। इससे पहले, जूनियर महिला वर्ग में रश्मिका सहगल ने स्वर्ण और सीनियर महिला वर्ग में मनु भाकर ने कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा टीम स्पर्धाओं में भी भारत कोसफलता मिली। रश्मिका ने फाइनल में 241.9 अंक बनाकर कोरिया की हान सिउंगह्यून (237.6) को पीछे छोड़ते हुए बाजी मारी। 13वें शॉट के बाद बढ़त लेने वाली रश्मिका ने फिर मौका नहीं गंवाया। उनका 15वां शॉट (10.9 अंक) दिन का सर्वश्रेष्ठ रहा। दरअसल, रश्मिका (क्वालीफिकेशन स्कोर 582) के लिए यह दोहरी खुशी का मौका रहा, क्योंकि उन्होंने वंशिका चौधरी (573) और मोहिनी सिंह (565) के साथ मिलकर टीम स्वर्ण पदक भी जीता। वहीं, ओलंपिक गेम्स में कांस्य पदक जीतने वाली मनु भाकर ने सीनियर महिला 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में 219.7 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। फाइनल में मनु की शानदार वापसी ने उन्हें कोरिया की ओलंपिक चैंपियन यांग जीन और ईरान की हानिएह रोस्तामियान से कड़े मुकाबले के बाद पदक दिलाया। इसके अलावा, कपिल बैसला ने जूनियर पुरुष एयर पिस्टल में स्वर्ण (टीम रजत सहित) पदत और जोनाथन गेविन एंटनी ने जूनियर पुरुष एयर पिस्टल में कांस्य जीता। वहीं, गिरीश गुप्ता ने यूथ पुरुष एयर पिस्टल में स्वर्ण और देव प्रताप - यूथ पुरुष एयर पिस्टल कांस्य पदक जीता।

उत्तर पश्चिम रेलवे पर कैशलैस भुगतान का प्रचलन बढ़ा

एजेंसी

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे पर रेलवे टिकट, पार्सल, रिटायरिंग रूम, गुड्स एवं अन्य के लिए ऑनलाइन डिजिटल भुगतान करने से कैशलैस भुगतान का प्रचलन बढ़ा है और इससे रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को लंबी कतारों एवं भीड़ से राहत मिलने लगी है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को लंबी भीड़ से निजात दिलाने और डिजिटल इंडिया की तरफ एक और कदम बढ़ाते हुए अब रेलवे स्टेशनों पर अनारक्षित टिकट काउंटरों पर भी ऑनलाइन डिजिटल भुगतान लिए डायनामिक क्यूआर कोड लगाये गये है। यह सुविधा टिकट खिड़की पर मिलने से टिकट काउंटर पर टिकट लेने जा रहे लोगों को काफी राहत मिल रही है। सभी प्रमुख स्टेशनों के आरक्षण टिकट काउंटरों पर पीओएस मशीनों द्वारा टिकट बिक्री की सुविधा पहले से ही उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त उत्तर पश्चिम रेलवे के 117 स्टेशनों पर 192 एटीवीएम द्वारा डिजिटल माध्यम से अनारक्षित टिकिट की सुविधा भी है। यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप के माध्यम से सामान्य टिकट जारी करने में भी उत्तर-पश्चिम रेलवे में लगातार वृद्धि हो रही है। यूपीआई के जरिए डिजिटल पेमेंट से लोगों को खुले पैसे की परेशानी से निजात मिलने के साथ ही डिजिटल पेमेंट के जरिए कम समय में लोगों को टिकट मिल रहा है जो कि पूरी तरह से पारदर्शिता को भी बढ़ावा दे रहा है।

छत्तीसगढ़ को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के लिए केंद्र सरकार से 250 करोड़ रुपये मंजूर

रायपुर। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई-III) के तहत छत्तीसगढ़ को 250 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता स्वीकृत की है। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने यह राशि वित्त मंत्रालय की 'जस्ट-इन-टाइम' फंडिंग व्यवस्था के तहत सिंगल नोडल एजेंसी (एसएनए) स्पर्श मॉडल से जारी की है। इस संबंध में जारी आदेश पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम (पीएफएमएस) पर अपलोड कर दिया गया है। नियमों के अनुसार, वित्तीय वर्ष में आवश्यकता पड़ने पर कई मदर सैंक्शन जारी किए जा सकते हैं, हालांकि किसी भी समय केवल एक आदेश सक्रिय रहता है। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ सरकार से योजना के नियमों के अनुरूप शीघ्र धनराशि उपयोग सुनिश्चित करने को कहा है। साथ ही वित्त मंत्रालय के 13 जुलाई 2023 के परिपत्र का पालन करने की याद दिलाई है, जिसके तहत सभी सिंगल नोडल एजेंसी खातों को बंद करना और अप्रयुक्त राशि को भारत एवं राज्य की संचित निधि में लौटाना अनिवार्य है। यह स्वीकृति ग्रामीण विकास मंत्रालय के वित्त प्रभाग की सहमति और सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बाद जारी की गई।

स्टॉक मार्केट में रीगल रिसोर्सेज की मजबूत एंट्री, प्रीमियम लिस्टिंग के कारण मुनाफे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। मक्के के उत्पाद बनाने वाली कंपनी रीगल रिसोर्सेज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 102 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 141.80 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 141 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह स्टॉक मार्केट में एंट्री करने के साथ ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 39 प्रतिशत का लिस्टिंग गेन मिल गया। लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण कुछ ही देर में कंपनी के शेयर उछल कर 145.70 रुपये के स्तर तक पहुंच गए। हालांकि इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने पर ये शेयर गिर कर 132 रुपये के स्तर तक भी आ गए। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच सुबह 11 बजे तक कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 135.54 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 32.88 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। रीगल रिसोर्सेज का 306 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 से 14 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 159.87 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट लगातार जारी है। आज सोना 550 रुपये से लेकर 600 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आज 2,000 रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। कीमत में गिरावट आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,150 रुपये से लेकर 1,00,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 91,800 रुपये से लेकर 91,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह ही चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,15,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

लगातार चौथे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 3.52 लाख करोड़ का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार चौथे दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। पहले आधे घंटे के कारोबार में बाजार में उतार-चढ़ाव भी होता रहा। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी शानदार तेजी हासिल करने में सफल रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.46 प्रतिशत और निफ्टी 0.42 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आज दिनभर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, ऑयल एंड गैस, एफएमसीजी और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। इसी तरह मेटल, एनर्जी, आईटी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर, डिफेंस और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई के मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.97 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में साढ़े तीन करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 454.48 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 450.96 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.52 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,232 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,630 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,437 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 165 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,724 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,862 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 862 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर बढ़त के साथ और 11 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 28 शेयर हरे निशान में और 22 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 45.36 अंक की मामूली बढ़त के साथ 81,319.11 अंक के स्तर पर खुला। शुरुआती कारोबार में कुछ देर तक उतार-चढ़ाव होता रहा, लेकिन पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद खरीदारों ने आक्रामक अंदाज में लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर बाद सेंसेक्स 482.13 अंक की मजबूती के साथ 81,755.88 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में थोड़ी गिरावट भी आई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 370.64 अंक तेजी के साथ 81,644.39 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

केंद्र सरकार भारत के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरतः जितिन प्रसाद

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने व्यापार समझौतों, प्रोत्साहन योजनाओं, रसद सुधारों और जमीनी स्तर पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) भागीदारी को मजबूत करने के प्रयासों को आगे बढ़ाया है। उन्होंने सदन को बताया कि सरकार भारत के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा में एक लिखित सवाल के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने सदन को बताया कि मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के माध्यम से बाजा पहुंच बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया है। मुख्य रूप से भारत ने 24 जुलाई को यूनाइटेड किंगडम के साथ व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं, जो द्विपक्षीय व्यापार संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस बीच भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा जारी है, जिसे वर्ष के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य है। जितिन प्रसाद ने कहा कि सरकार की ओर से की गई पहलों से कई क्षेत्रों में आयात पर निर्भरता कम हुई है और निर्यात को प्रोत्साहन मिला है। उन्होंने बताया कि पीएलआई योजना के तहत 21 परियोजनाओं ने 54 अलग चिकित्सा उपकरणों का निर्माण शुरू कर दिया है। मंत्री ने कहा कि पीएलआई योजना ने भारत में मोबाइल विनिर्माण क्षेत्र को विशेष रूप से प्रभावित किया है, जिससे मोबाइल फोन का निर्यात 2014-15 में 1,500 करोड़ रुपये से बढ़कर अब 2024-25 में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। इसके अलावा फार्मास्युटिकल्स क्षेत्र में 2.66 लाख करोड़ रुपये की कुल बिक्री हुई है, जिसमें योजना के शुरुआती तीन वर्ष में प्राप्त 1.70 लाख करोड़ रुपये का निर्यात भी शामिल है।

आयुष उद्योग 200 अरब डॉलर के लक्ष्य की ओर बढ़ रहाः प्रतापराव जाधव

एजेंसी

नई दिल्ली। आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव की अध्यक्षता में आयुष मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की पहली बैठक हुई। बैठक में लोकसभा व राज्यसभा के विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसदों ने इसमें भाग लिया। इस मौके पर प्रतापराव जाधव ने बताया कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मंत्रालय के स्वतंत्र होने के बाद पहली बार अलग संसदीय सलाहकार समिति गठित हुई है। यह पहल आयुष से जुड़े मुद्दों पर गहन चर्चा और बेहतर नीति-निर्माण में सहायक होगी। उन्होंने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और राष्ट्रीय आयुष मिशन से लाखों लोगों को सेवाएं मिल रही हैं। आयुष उद्योग 200 अरब डॉलर के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 में विशाखापट्नम में 3 लाख से अधिक लोगों की भागीदारी से योग

के वैश्विक महत्व का प्रदर्शन हुआ। बैठक में सांसदों ने सुझाव दिए कि आयुष के बारे में जन-जागरूकता अभियान चलाए जाएं, गांव और ज़िला स्तर के वैद्यों के योगदान को मान्यता दी जाए, नए आयुष वेलनेस केंद्र स्थापित हों और जनजातीय परंपरागत उपचार पद्धतियों को दस्तावेज़ीकरण कर आयुष में शामिल किया जाए। बैठक में सांसद डॉ. लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान आयुर्वेद ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और संभवतः अनेक लोगों की जान बचाई। उन्होंने आयुष वेलनेस केंद्रों की स्थापना करने की सिफारिश की ताकि पारंपरिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और विस्तृत हो सके।छत्तीसगढ़ की कोरबा जनजाति का उल्लेख करतेहुए ज्योत्सना चरणदास महंत ने उनकी पारंपरिक उपचार पद्धतियों को व्यवस्थित रूप से दर्ज करने और इन जानकारियों को आयुष में एकीकृत करने का सुझाव दिया। बैठक में डॉ. स्वामी सचिदानंद हरि साक्षी, धर्मशिला गुप्ता, पुरुषोत्तम रुपाला, अष्टिकर पाटिल नागेश बापुराव, ज्योतिर्मय सिंह महतो, बाबुभाई जेसंगभाई देसाई और कृष्ण प्रसाद तेननेटी शामिल हुए।

ओड़िशा में 8300 करोड़ रुपये की लागत से हरित राजमार्ग को केन्द्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने ओड़िशा में करीब साढे आठ हजार करोड़ रुपये की लागत से छह लेन के राजधानी क्षेत्र रिंग रोड (भुवनेश्वर बाईपास - 110.875 किमी) के निर्माण को मंजूरी दे दी जिससे खोरधा, भुवनेश्वर और कटक जैसे शहरी क्षेत्रों में भीड़-भाड़ में कमी आयेगी।सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में इस आश्य के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। उन्होंने कहा कि इस कॉरिडोर को ग्रीनफील्ड राजमार्ग के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है और मिली-जुली व्यवस्था के तहत बनाये जाने वाले इस राजमार्ग के निर्माण पर 8307.74 करोड़ रुपये की लागत आयेगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना को ढाई वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मौजूदा राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामेश्वर से टांगी के बीच संपर्क मार्ग के खोरधा, भेजने की व्यवस्था हो जायेगी। इससे माल ढुलाई की दक्षता बढ़ेगी, रसद लागत कम होगी और क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक विकास को गति

भुवनेश्वर और कटक से होकर गुजरने से काफी भीड़ भाड़ रहती है। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए इस परियोजना को छह-लेन प्रवेश-नियंत्रित ग्रीनफील्ड राजमार्ग के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है। इससे इन शहरों में भारी वाणिज्यिक यातायात को बाईपास पर मिलेगी। यह बाईपास क्षेत्रीय आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और प्रमुख धार्मिक तथा आर्थिक केंद्रों के बीच संपर्क को मजबूत करेगा। इससे व्यापार एवं औद्योगिक विकास तथा आसपास के क्षेत्रों में विकास, प्रगति और समृद्धि के नए रास्ते खुलेंगे।

मध्य प्रदेश के सिंगरौली में मिला रेयर अर्थ एलिमेंट्स का भंडार, भारत की चीन पर निर्भरता होगी समाप्त

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में रेयर अर्थ एलिमेंट्स (दुर्लभ मृदा तत्वों) का विशाल भंडार मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश अब क्रिटिकल मिनरल्स हब बनेगा। मध्य प्रदेश ऊर्जा राजधानी के साथ क्रिटिकल मिनरल्स की राजधानी भी कहलाएगा। इसके साथ ही भारत वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अग्रणी देश बनेगा। सिंगरौली जिले में रेयर अर्थ एलिमेंट्स (आरईई) का अकूत भंडार मिलने से अब भारत की चीन जैसे देशों पर निर्भरता नहीं रहेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक बयान में यह बात कही। उन्होंने बताया कि केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने संसद में जानकारी दी थी कि भारत में पहली बार इतनी विशाल मात्रा में इन दुर्लभ तत्वों का पता चला है। यह उपलब्धि भारत को ग्रीन एनर्जी, इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा तकनीक के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील

का पत्थर साबित होगी।

भारत को आत्मनिर्भर बनाने की ओर बड़ा कदम

मुख्यमंत्री ने बताया कि रेयर अर्थ एलिमेंट्स को आधुनिक तकनीक का आधार कहा जाता है। अब तक भारत इन खनिजों के लिए चीन और अन्य देशों पर निर्भर रहा है। प्रदेश के सिंगरौली की यह खोज भारत को आयात-निर्भरता से मुक्त कर वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अग्रणी बनाएगी। आने वाले समय में यह खोज आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूती देने के साथ ही औद्योगिक विकास को नई रफ्तार देगी।

सिंगरौलीः भविष्य का क्रिटिकल मिनरल हब

दरअसल, कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा किए गए शोध में सिंगरौली की कोयला खदानों और चट्टानों में आरईई (जैसे स्कैंडियम, यिट्रियम आदि) की आशाजनक सांद्रता पाई गई है। कोयले में इनकी औसत मात्रा 250 पीपीएम और गैर-कोयला स्तर पर लगभग 400 पीपीएम आंकी गई है। जुलाई 2025 में इस खोज की आधिकारिक घोषणा हुई। विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में कोयले की राख और ओवरबर्डन भी क्रिटिकल मिनरल्स का सैकण्डरी स्त्रोत बन सकते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि रेयर अर्थ एलिमेंट्स की खोज को देखते हुए राज्य सरकार अब इनके प्रसंस्करण और शोध-अन्वेषण के लिए बेसिक इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने में जुटी है। हाल ही में खनिज संसाधन विभाग के प्रतिनिधिमंडल ने इंडियन रेयर अर्थ लिमिटेड (आईआरईएल) की भोपाल इकाई का दौरा किया और संभावित सहयोग पर चर्चा की। विभाग रेयर अर्थ एलिमेंट्स पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने की संभावनाएं तलाश रहा है, जो अनुसंधान, प्रशिक्षण और उद्योग को विश्वस्तरीय आधार प्रदान करेगा।

महेंद्र रियल्टर्स के शेयरों ने किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। कंस्ट्रक्शन, स्ट्रक्चरल रिपेयर, बिल्डिंग रिहैबिलिटेशन और रेट्रोफिटिंग जैसे काम करने वाली कंपनी महेंद्र रियल्टर्स एंड इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 85 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 68 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण कुछ ही देर में कंपनी के शेयर फिसल कर 64.60 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 24 प्रतिशत का नुकसान हो गया। महेंद्र रियल्टर्स एंड इंफ्रास्ट्रक्चर का 49.45 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 से 14 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 25.15 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 43.57 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 27.02 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 25.59 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 40.18 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 10,91,200 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

किसानों की समस्या का निराकरण समय पर सुनिश्चित होः शिवराज सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि भवन में एक उच्चस्तरीय बैठक में मंत्रालयों के विभिन्न पोर्टल और कॉल सेंटर पर आने वाली किसानों की शिकायतों की समीक्षा की। बैठक में किसानों की तरफ से जो नकली खाद-बीज और कीटनाशक की समस्या बताई गई थी, उसके प्रति भी शिवराज सिंह ने सख्त रवैया अपनाते हुए इस संबंध में सख्त कानून बनाने की बात कही है। बैठक में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि योजनाओं का निर्माण जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी उनका उचित कार्यान्वयन भी है। किसानों की जो भी समस्याएं विभिन्न पोर्टल्स के माध्यम से प्राप्त हो रही हैं, उनका उचित निराकरण समय

पर करने की व्यवस्था होना चाहिए। व्यवस्था इतनी मजबूत हो चाहिए कि जब किसान भाई-बहन इन पोर्टल्स के माध्यम से हमसे संपर्क करें, तब उन्हें भरोसा हो कि उनकी समस्याओं का निराकरण जरूर हो जाएगा। शिवराज सिंह ने अधिकारियों से पीएम किसान पोर्टल, किसान ई-मित्र, किसान कॉल सेंटर सहित विभिन्न प्लेटफार्म के जरिए मिल रही किसानों की समस्याओं की पूरी जानकारी ली और कहा कि अगले हफ्ते वे फिर से विस्तारपूर्वक समीक्षा करेंगे। कृषि मंत्री इन शिकायतों की नियमित समीक्षा करेंगे। साथ ही समय-समय पर किसानों से भी बात करके जानेंगे कि उनकी समस्याओं का समाधान हुआ है या नहीं, ताकि वे पूरी तरह से संतुष्ट हो। केंद्रीय मंत्री ने किसान कॉल सेंटर के माध्यम से किसान भाई-बहनों से अपनी शिकायतें टोल फ्री नंबर 18001801551 के जरिए रजिस्टर करवाने का आह्वान किया है। बैठक में बताया गया कि मध्य प्रदेश के रायसेन में जिस दवाई के प्रयोग से किसान के खेत में फसल बर्बाद हुई और जहां शिवराज सिंह ने स्वयं निरीक्षण किया था, उस संबंध में एफआईआर दर्ज करवाई गई है और कंपनी का लाइसेंस निलंबित करने के लिए केंद्रीय कृषि विभाग ने राज्य सरकार से कहा है।

प्रदेश में कहीं भी उर्वरक की दिक्कत नहीं, कालाबाजारी पर योगी सरकार सख्त

एजेंसी

लखनऊ । योगी सरकार ने एक बार फिर साफ किया है कि प्रदेश में कहीं भी उर्वरकों की दिक्कत या कमी नहीं है। किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है। सरकार ने खाद के अनावश्यक भंडारण न करने की अपील की है। कृषि विभाग ने सभी 18 मंडलों में खाद की उपलब्धता व बिक्री की जानकारी दी। खरीफ सत्र 2024 में इस अवधि (18 अगस्त) तक 36.76 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की बिक्री हुई थी, वहीं इस वर्ष अब तक 42.64 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की बिक्री की जा चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों से अपील की कि खाद का भंडारण न करें। जितनी आवश्यकता है, उतना खाद लें, जब-जब आवश्यकता है, तब-तब खाद लें। हर जनपद में शिकायत प्रकोष्ठ है। किसी भी परेशानी की स्थिति में अवगत कराएं। मुख्यमंत्री ने उर्वरक की ओवररेटिंग, कालाबाजारी करने वालों को कड़ी चेतावनी भी दी है। उन्होंने जनपद में तैनात अधिकारियों को समय-समय पर निरीक्षण करने, किसानों से संवाद स्थापित करने और समस्याओं का निस्तारण करने का निर्देश दिया है। कृषि विभाग ने बताया कि प्रदेश में खाद की कोई कमी नहीं है।

प्रदेश में पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष अभी तक अधिक खाद वितरण किया जा चुका है। विगत वर्ष 27.25 लाख मीट्रिक टन यूरिया वितरण हुआ था, इस वर्ष अभी तक 31.62 लाख मीट्रिक टन वितरण किया जा चुका है। डीएपी 2024 में वितरण 5.28 लाख मीट्रिक टन का रहा, इस वर्ष यह बिक्री 5.38 लाख मीट्रिक टन हुई। एनपीके उर्वरक (नाइट्रोजन, फॉस्फोरस व पोटेशियम मिश्रण) का वितरण विगत वर्ष 2.07 लाख मीट्रिक टन रहा, इस वर्ष 2.39 लाख मीट्रिक टन वितरण किया जा चुका है। एमओपी (म्यूरेट ऑफ पोटाश) 0.25 लाख मीट्रिक टन के सापेक्ष इस वर्ष 0.46 लाख मीट्रिक टन वितरित हुआ। वहीं एसएसपी (सिंगल सुपर फॉस्फेट) का वितरण 2024 में 1.91 लाख मीट्रिक टन रहा, इस वर्ष किसानों को 2.79 लाख मीट्रिक टन वितरण किया जा चुका है।

एनएबीएल ने हेल्थकेयर क्वालिटी इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए नए मेडिकल एप्लिकेशन पोर्टल किया लॉन्च

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) ने आईएसओ 15189-2022 आवेदक प्रयोगशालाओं के लिए अपना नया मेडिकल एप्लिकेशन पोर्टल को लॉन्च किया। इस पहल से पूरे देश की सैकड़ों मेडिकल प्रयोगशालाओं को लाभ मिलेगा। एनएबीएल ने यह ऑनलाइन पोर्टल एक वर्चुअल कार्यक्रम गोइंग लाइव के दौरान जारी किया। यह ऑनलाइन पोर्टल, प्रत्यायन प्रक्रिया में सुगमता, दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए एनएबीएल के मिशन में एक बड़ा कदम है। एनएबीएल अध्यक्ष डॉ. संदीप शाह ने कहा कि यह पोर्टल प्रत्यायन प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी और कुशल बनाने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है। मल्टी-यूजर एक्सेस और सरल फीचर्स के साथ यह प्रयोगशालाओं के लिए व्यापार में सुगमता को आसान बना रहा है। भारत की गुणवत्ता प्रणाली को मजबूत करने की प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मताबिक अब उन्हें आईएसओ 15189:2022 के तहत मान्यता के लिए एक पारदर्शी, कुशल और सहज डिजिटल प्लेटफॉर्म उपलब्ध होगा। नया एनएबीएल मेडिकल एप्लिकेशन पोर्टल मेडिकल प्रयोगशालाओं के वास्तविक संचालन को ध्यान में रखकर पुनः विकसित किया गया है।

स्टॉक मार्केट में मेडीस्टेप हेल्थकेयर की जोरदार एंट्री, लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद जफर इस्लाम ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ी है और विश्वभर की रेटिंग एजेंसी बता रही हैं हर मानदंड पर भारत बेहतरीन प्रदर्शन कर रहा है। जफर इस्लाम ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर झूठ बोलने पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने बताया कि कांग्रेस शासित राज्यों में युवा बेरोजगारी वैश्विक स्तर से भी अधिक है। राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की कोशिश रहती है कि जिस तरह उन्होंने (कांग्रेस) 2014 तक देश की अर्थव्यवस्था को चरमराया था, उसी तरह अब भी तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्था को रोकने का काम करें। पूरी दुनिया के परिप्रेक्ष्य में देखें तो जब ग्लोबल इकॉनमी सिकुड़ रही है, भारत की अर्थव्यवस्था के बारे में सिर्फ सकारात्मक संकेत ही दुनिया के इकोनॉमिस्ट और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से मिल रहे हैं। जब लोग कहते हैं कि इंडिया इज अ शाइनिंग स्टार, तो कांग्रेस को दर्द होता है और यह दर्द समझा जा सकता है, क्योंकि 2004 में जब भाजपा उन्हें अर्थव्यवस्था सौंपी थी तो वह बहुत अच्छे हालात में थी। सभी मैक्रोइकॉनॉमिक पैरामीटर्स बेहतर थे लेकिन 2014 में 10 साल बाद जब वही अर्थव्यवस्था भाजपा को वापस मिली तो सारे पैरामीटर्स बुरी स्थिति में थे और अर्थव्यवस्था गंभीर संकट में थी। या तो पॉलिसी पैरालिसिस थी या फिर देश की पहचान केवल घोटालों और नीति-निर्णय पक्षाघात से हो रही थी और विकास दर नीचे जा रही थी। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि 18 साल बाद जब दुनिया टैरिफ के मुद्दों और प्राइसिंग की चुनौतियों से जूझ रही है, सपताई चेन पर प्राइसिंग का प्रभाव कई देशों की अर्थव्यवस्था को चरमरा रहा है। ऐसे समय में भारत की रेटिंग अपग्रेड होकर ट्रिपल बी माइनस से ट्रिपल वी फ्लैट और आउटलुक वेरी पॉजिटिव होना यह संकेत देता है कि देश की अर्थव्यवस्था केवल मजबूत ही नहीं बल्कि बहुत मजबूत और सही दिशा में है। रेटिंग अपग्रेड होने से दुनिया भर में सकारात्मक संदेश जाता है। वैश्विक स्तर पर माना जा रहा है कि भारत की नीतिय सरकार की पहल और स्ट्रक्चरल रिफॉर्म्स ही वह कारण है जिनसे विकास में निरंतरता और आर्थिक स्थिरता बनी रहेगी। इसका श्रेय भारत की जनता की भी जाता है, जिन्होंने ऐसी सरकार चुनी, जिसने निरंतरता दी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार अवसर दिया। इसी निरंतरता ने वैश्विक संस्थाओं और निवेशकों में भरोसा जगाया है। रेटिंग एजेंसी के अपग्रेड से भारत को प्राइसिंग पॉईट पर भी बड़ा लाभ मिलेगा। खासकर एक्सटर्नल डेट पर इसका असर होगा ब्याज दरों में गिरावट आएगी और उसका सीधा फायदा देश की अर्थव्यवस्था को मिलेगा। सैयद जफर इस्लाम ने कहा कि पिछले वर्षों सालों का भारत वेटेड एवरेज ग्रोथ रेट 8 प्रतिशत रहा है। यह आंकड़ा भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था की श्रेणी में नंबर एक पर रखता है। पिछले तीन वर्षों में इतनी तेजी से कोई बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं बढ़ी है। अगर मौजूदा वर्ष की बात करें तो आरबीआई ने 6.5 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान दिया है। इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि आईएमएफ ने हाल ही में अपना आउटलुक संशोधित कर अनुमानित वृद्धिदर को 6.2 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है, जबकि दुनिया टैरिफ और अन्य अनिश्चितताओं से जूझ रही है। 2013 में जो महंगाई 9.74 प्रतिशत थी, वह घटकर इस महीने 1.55 प्रतिशत रह गई है और कांग्रेस पार्टी के कार्यकाल में जो औसतन महंगाई 7.4 प्रतिशत रही थी वो पिछले 10 वर्षों में 4 प्रतिशत से भी कम रही है।

स्विट्ज़रलैंड ने की रूस-यूक्रेन शांति वार्ता की मेजबानी की पेशकश

एजेंसी

बर्न। स्विट्ज़रलैंड ने संकेत दिया है कि वह रूस और यूक्रेन के बीच शांति वार्ता की मेजबानी करने को तैयार है। स्विस विदेश मंत्री इग्नाजियो कैसिस ने बर्न में एक कूटनीतिक सम्मेलन के दौरान कहा कि यदि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इन वार्ताओं में शामिल होते हैं तो स्विट्ज़रलैंड इसके लिए विशेष इंतजाम करेगा। कैसिस ने स्विस प्रसारक एसआरएफ से बातचीत में कहा, हम इसके लिए तैयार हैं और हमारे प्रति दिखाए गए भरोसे के लिए आभारी हैं। हमने हमेशा अपनी तत्परता जताई है, लेकिन यह सब बड़ी शक्तियों की इच्छा पर निर्भर करेगा। स्विस विदेश मंत्री ने स्पष्ट किया कि पुतिन के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के वारंट को देखते हुए सरकार ने कानूनी स्थिति की समीक्षा कर ली है। उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि ऐसी बैठक सुचारु रूप से कैसे आयोजित करनी है। हमारी विशेष भूमिका और जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय होने के कारण हम यह कर सकते हैं। स्विस विदेश मंत्रालय ने रूसी समाचार एजेंसी आरआईए नोवोस्ती से भी कहा कि यदि सभी पक्षों की इच्छा और जरूरत हो तो स्विट्ज़रलैंड अपनी सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार है, जिसमें मेजबान या मध्यस्थ की भूमिका निभाना भी शामिल है।

अमेरिका में होगी सैन्य योजनाकारों की बैठक, यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी पर होगा विचार

लंदन। यूक्रेन को लेकर बनी कोएलिशन ऑफ द विलिंग की वर्चुअल बैठक में भाग लेने वाले देशों ने सुरक्षा गारंटी और रूस पर संभावित नए प्रतिबंधों पर चर्चा की। बैठक की सह-अध्यक्षता ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने की। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय ने जानकारी दी कि सदस्य देशों ने सहमति जताई कि उनकी योजना टीमें आने वाले दिनों में अमेरिकी प्रतिनिधियों से मिलेंगी, ताकि यूक्रेन को मजबूत सुरक्षा गारंटी देने और यदि युद्ध थमता है तो एक रीअश्योरेन्स फोर्स (भरोसा दिलाने वाली सेना) की तैनाती योजना पर काम आगे बढ़ाया जा सके। प्रवक्ता ने बताया कि नेताओं ने इस पर भी विचार किया कि पुतिन पर और अधिक दबाव कैसे डाला जा सकता है, जिसमें नए आर्थिक प्रतिबंध भी शामिल हो सकते हैं, ताकि रूस अपनी अवैध आक्रमणकारी कार्रवाई को समाप्त करने के लिए तैयार हो। इस बैठक में 30 से अधिक अंतरराष्ट्रीय नेताओं ने भाग लिया। वहीं, यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगियों का मनोबल उस समय और बढ़ा, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को आश्वस्त किया कि किसी भी शांति समझौते में अमेरिका यूक्रेन की सुरक्षा की गारंटी देने में मदद करेगा। हालांकि इस मदद की प्रकृति और सीमा अभी स्पष्ट नहीं है।

लॉस एंजिल्स की 'केटामाइन क्वीन' पांच संघीय आरोपों में दोष स्वीकार करने को तैयार

वाशिंगटन। ब्रिटिश और अमेरिकी नागरिक लॉस एंजिल्स की 'केटामाइन क्वीन' जसवीन संघा ने पांच संघीय आरोपों में दोष स्वीकार करने पर सहमति जताई है। इसमें महत्वपूर्ण आरोप हॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता मैथ्यू पेरी को केटामाइन की खुराक बेचना भी शामिल है। 28 अक्टूबर 2023 को मैथ्यू पेरी (54) का केटामाइन की अत्यधिक मात्रा का सेवन करने से निधन हो गया था। केटामाइन का प्रयोग चिकित्सक और पशु चिकित्सक बेहोशी की दवा के रूप में करते हैं। मैथ्यू पेरी को केटामाइन बेचने के केस में संघा मुख्य आरोपी हैं। एबीसी न्यूज ने अमेरिकी न्याय विभाग के अधिकारियों के हवाले से बताया कि 42 वर्षीय संघा नशीले पदार्थों से संबंधित परिसर के रखरखाव के एक और केटामाइन के वितरण के चार मामलों में दोष स्वीकार करने पर सहमत हो गई है। पेरी की मृत्यु के मामले में संघा से पहले चार अन्य आरोपित भी दोष स्वीकार कर चुके हैं। उनके वकील मार्क गेरागोस ने एक बयान में कहा, वह अपने किए की जिम्मेदारी ले रही है। संघा की गिरफ्तारी अभिनेता पेरी की मृत्यु के लगभग एक साल बाद अगस्त, 2024 में हुई थी। तब से वह हिरासत में है। न्याय विभाग के अनुसार, उसे हर मामले में दशकों तक जेल में रखने की सजा हो सकती है।

स्पेन के प्रधानमंत्री ने जंगल की आग पर नागरिक सुरक्षा आपातकाल की घोषणा की

मैड्रिड । स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने कहा है कि जंगल में लगी आग को देखते हुए उनकी सरकार नागरिक सुरक्षा आपातकाल की घोषणा करने जा रही है। सांचेज़ ने यह घोषणा दक्षिण-पश्चिम स्पेन के कैसरेस में अग्निशमन नियंत्रण केंद्र के दौरे के दौरान की। कैसरेस, गैलिसिया और कैस्टिला-लियोन के उत्तर-पश्चिमी हिस्से सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में शामिल हैं। सिचुएशन को आपदा बताते हुए सांचेज़ ने कहा कि सरकार मदद करेगी। इसमें आग से नुकसान झेलने वालों को मुआवजा भी दिया जाएगा। यूरोपीय वन अग्नि सूचना प्रणाली के अनुसार, 2025 में अब तक स्पेन में 3.82 लाख हेक्टेयर से ज्यादा जमीन जल चुकी है। हैरानी की बात यह है कि इसमें से 3 लाख हेक्टेयर से ज्यादा इलाका सिर्फ पिछले दो हफ्तों में ही राख हो गया। क्षेत्रीय आपातकालीन सेवाओं के अनुसार, इस महीने अब तक 4 लोगों की मौत हुई है और 30,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। सांचेज़ ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटना बहुत ज़रूरी है और यही इस संकट की मुख्य वजह है।

पाकिस्तान के कराची में बरसात से भारी तबाही, 10 लोगों की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। पाकिस्तान के प्रमुख बंदरगाह शहर कराची में बारिश ने भारी तबाही मचाई। सिंध सरकार ने स्थिति की गंभीरता को देखते लोगों से आज कामकाज बंद रखने की अपील की है। भारी बारिश के कारण सारा शहर बाढ़ की चपेट में है।घरों में पानी भर गया है। बिजली के करंट का झटका लगने, डूबने और दीवारें गिरने की घटनाओं में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई है। जियो न्यूज चैनल के अनुसार, अभी भी कई इलाकों में बिजली गुल है। इस दौरान इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बाधित रहीं। गुलशन-ए-हदीद में सबसे ज्यादा 170 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। अभी भी कामकाजी और अन्य लोग मलीर सहित कई इलाकों में कई फीट पानी भर जाने के कारण फंसे हुए हैं। बाशिंदों को यह स्थिति 2022 की विनाशकारी बारिश की याद दिलाती है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के

अनुसार, पाकिस्तान का दक्षिणी हिस्सा मानसून की सबसे भीषण बारिश से तबाह हो गया। बारिश ने महानगर कराची में भारी तबाही मचाई है। सभी प्रमुख सड़कें और अंडरपास जलमग्न है और जनजीवन अस्त-व्यस्त है। दिन के पहले पहर शुरू हुई बारिश सूर्यास्त तक थोड़े समय के लिए, रुक-रुक कर जारी रही। बरसात से कराची का पहले से जर्जर बुनियादी ढांचा चरमरा गया। सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने आज प्रांत के सरकारी, अर्ध-सरकारी, स्वायत्त और निजी संस्थानों के लिए सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की। उन्होंने स्कूलों को भी बंद रखने का आदेश जारी किया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने फोन पर उनसे बातचीत कर हालात का जायजा लिया। बलोचिस्तान के 15 जिलों में हो रही बरसातः प्रांतीय आपदा अधिकारी मोहम्मद यूनिस ने बताया कि बलोचिस्तान के 15 जिलों में भी बारिश हो रही है और प्रांत को सिंध से जोड़ने वाला मुख्य राजमार्ग भारी वाहनों के लिए बंद कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि दो जिलों में 40 से 50 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। पूर्वानुमान और चेतावनीः पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग ने आने वाले दिनों में सिंध और बलोचिस्तान के कुछ हिस्सों में मूसलाधार बारिश का अनुमान जताया है। f

इजराइल के हमले में हमास कमांडर शमाला और आतंकी नज्जर मारे गए

एजेंसी

तेल अवीव (इजराइल)। गाजा पट्टी में युद्धरत इजराइली सुरक्षा बलों (आईडीएफ) ने आतंकवादी समूह हमास के कमांडर मोहम्मद नाइफ अबू शमाला को मार गिराया। वह हमास की नुखबा कंपनी का कमांडर था। आईडीएफ ने एक्स पर शमाला के फोटो के साथ एक पोस्ट में कहा कि हमास आतंकी मोहम्मद नाइफ अबू शमाला सात अक्टूबर, 2023 के नरसंहार के दौरान मारास पोस्ट से भाग गया था। गाजा पट्टी में युद्ध के दौरान शमाला ने आईडीएफ सैनिकों के खिलाफ कई हमले किए। एक अन्य पोस्ट में आईडीएफ ने कहा कि सुरक्षा बलों ने हमास आतंकवादी जिहाद कमाल सलीम नज्जर को ढेर कर दिया। नज्जर सात अक्टूबर के नरसंहार के दौरान इजराइली नागरिक यार्डेन बिबास के अपहरण में शामिल था। उसे 10 अगस्त को मार गिराया गया। द टाइम्स ऑफ इजराइल अखबार की खबर के अनुसार सुरक्षा

सूत्रों ने बताया कि लगभग 60 हजार इजराइली रिजर्व सैनिकों को बुधवार से गाजा शहर में हमास के खिलाफ हमले के लिए आदेश मिलने वाले हैं। अगर गाजा शहर में हमला जारी रहता है, तो यह सैनिक इस अभियान के दौरान लगभग 1,30,000 इजराइली सैनिकों के साथ तैनात रहेंगे।

बलोचिस्तान में पाकिस्तान की संघीय सरकार समर्थित चार लोगों की हत्या

एजेंसी

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोचिस्तान प्रांत के पंजगुर में पाकिस्तान की संघीय समर्थित समूह पर सशस्त्र हमले में चार लोगों की मौत हो गई। यह हमला सोमवार देररात पंजगुर के सोर्डो इलाके में अज्ञात बंदूकधारियों ने एक घर पर किया। हमले में एक व्यक्ति घायल भी हो गया। द बलोचिस्तान पोस्ट ने स्थानीय सूत्रों के हवाले से यह खबर दी है। द बलोचिस्तान पोस्ट के अनुसार, मृतकों की पहचान गुलाम सरवर के बेटे इस्लाम और निजाम (दोनों गेचक, सोर्डो निवासी), हबीबुल्लाह पुत्र शाह मोहम्मद (ग्रेशा, खुजदार निवासी) और अली अहमद (क्वेटा निवासी) के रूप में हुई है। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि मारे गए लोग पाकिस्तान की संघीय समर्थक समर्थित सशस्त्र समूह से जुड़े थे। ऐसे लोगों को इलाके में डेथ स्क्वाड कहा जाता है।इन समूहों पर जबरन गायब करने, राजनीतिक और सामाजिक

कार्यकर्ताओं की हत्या करने, मादक पदार्थों की तस्करी व फिरौती के लिए अपहरण जैसी आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। इस हमले की अभी तक किसी भी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि, अतीत में ऐसी घटनाओं की जिम्मेदारी अक्सर बलोच स्वतंत्रता समर्थक सशस्त्र समूहों ने ली है। बलोचिस्तान में आजादी समर्थकों की आवाज को दबाने के लिए पाकिस्तान ने बड़े पैमाने पर सुरक्षा बलों की तैनाती की है।

यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी के प्रयासों के बीच अमेरिकी शीर्ष जनरल डैन केन ने यूरोपीय रक्षा प्रमुखों से मुलाकात की

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के शीर्ष जनरल ने यहां यूरोपीय रक्षा प्रमुखों से मुलाकात की है। एक रक्षा अधिकारी के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के शीर्ष सैन्य सलाहकार जनरल डैन केन ने मंगलवार शाम अपने समकक्ष यूरोप के कई सैन्य प्रमुखों से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई जब ट्रंप ने संकेत दिया कि यूक्रेन में नाटो के नेतृत्व वाली एक शांति सेना हो सकती है।

एबीसी न्यूज के अनुसार, समझा जा रहा है कि यूरोपीय रक्षा प्रमुखों के साथ केन की चर्चा में जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस, फिनलैंड और इटली के उनके समकक्ष शामिल रहे। बताया गया है कि नाटो के सैन्य प्रमुखों के बीच बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए चर्चा होनी है। इस ऑनलाइन चर्चा का नेतृत्व जनरल एलेक्सस ग्रिंकेविच करेंगे। ग्रिंकेविच यूरोप में अमेरिका के शीर्ष कमांडर हैं और नाटो के वरिष्ठ सैन्य कमांडर के रूप में कार्यरत हैं। केन भी इसमें शामिल होंगे। इस बीच व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने राष्ट्रपति

ट्रंप के इस बयान को दोहराया कि यूक्रेन में कोई भी अमेरिकी थल सैनिक तैनात नहीं किया जाएगा, लेकिन अमेरिका सुरक्षा गारंटी के समन्वय में मदद करेगा। लेविट ने कहा, राष्ट्रपति समझते हैं कि स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा गारंटी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा टीम को यूरोप में मित्रों के साथ समन्वय करने और यूक्रेन व रूस के साथ भी इन मामलों पर सहयोग और चर्चा जारी रखने का निर्देश दिया है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, व्हाइट हाउस की प्रवक्ता ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की से मिलने के लिए सहमत हो गए हैं। यूरोपीय नेताओं ने भी व्हाइट हाउस की बैठक के एक दिन बाद बातचीत की है। इस चर्चा में यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने की दिशा में ठोस प्रगति के कुछ ही संकेत मिले। इस बीच, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने किसी बैठक की प्रतिबद्धता से परहेज किया। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं के बीच किसी भी संभावित शिखर सम्मेलन की अत्यंत सावधानी से तैयारी की जानी चाहिए।

नेपाल में आईवीएफ क्लिनिक के संचालन पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई अंतरिम रोक, सेरोगेसी पर भी पाबंदी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) और सरोगेसी प्रथाओं पर देश की सबसे बड़ी अदालत ने अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने इस मामले में।अंतिम फैसला नहीं आने तक देश के सभी आईवीएफ क्लिनिक को बंद करने और सेरोगेसी पर भी रोक लगा दी है। कोर्ट में दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट की एकल खंडपीठ ने यह अंतरिम आदेश दिया है। जस्टिस टेक प्रसाद ढुंगाना की एक एकल पीठ ने निःसंतान दंपतियों के लिए चलाए जा रहे आईवीएफ क्लिनिक के संचालन पर रोक लगा दी है। सर्वोच्च अदालत ने अपने फैसले में संबंधित अधिकारियों से कहा है कि वे महिलाओं के डिंब संग्रह, भंडारण और प्रत्यारोपण की अनुमति तब तक न दें जब तक कि रिट को अंतिम रूप नहीं दिया जाता। इसी तरह, अदालत ने सेरोगेसी की चल रही प्रथा की प्रभावी सरकारी

निगरानी को लेकर सरकार को 15 दिनों के भीतर हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया है। अधिवक्ता अंकिता त्रिपाठी कोर्ट में एक रिट दायर की थी जिसमें तर्क दिया गया है कि आईवीएफ क्लीनिकों की बढ़ती संख्या के बावजूद, शुक्राणु और अंडा दान, भ्रूण उपयोग और सरोगेसी जैसे संवेदनशील मुद्दों की निगरानी करने के लिए कोई व्यापक कानून नहीं है। इस रिट में यह भी कहा गया था कि एक ही दाता का उपयोग करने वाले कई क्लीनिकों, सहमति के बिना आनुवंशिक सामग्री का उपयोग और सरोगेसी को निरंतर बढ़ावा देता है। सुप्रीम कोर्ट के द्वारा सेरोगेसी को लेकर पहले भी आदेश जारी किया जा चुका है जिसमें सरोगेसी को एक व्यापार के रूप में निषिद्ध किया गया है। अधिवक्ता त्रिपाठी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश में बांझपन प्रबंधन सेवाओं पर स्वास्थ्य और जनसंख्या मंत्रालय के नए शुरू किए गए दिशा-निर्देश अपर्याप्त बताते हुए ठोस कानून बनाए की तरफ ध्यानाकर्षण किया है। हाल ही में नेपाल सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने आईवीएफ क्लिनिक के संचालन को लेकर एक दिशा-निर्देश जारी करते हुए 20 से 35 वर्ष उम्र के पुरुष और महिलो को अंडानुनौर शुक्राणु का दान करने की छूट दी थी। इस कानून की आड़ में कम उम्र की लड़कियों और लड़कों को पैसे का लालच देकर डिंब और शुक्राणु दान का व्यापार होने की आशंका को लेकर रिट दायर की गई थी।

ट्रम्प ने यूक्रेन में अमेरिकी सैनिकों की तैनाती की संभावना से किया इनकार, यूरोप को सुरक्षा का 'अग्रिम भार' उठाने को कहा

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि यूक्रेन में संभावित शांति समझौते को लागू करने के लिए अमेरिका अपने सैनिक नहीं भेजेगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि यूरोपीय देशों को सुरक्षा व्यवस्था में अग्रणी भूमिका निभानी होगी और अमेरिका अन्य तरीकों से कीव की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहयोग करेगा। फॉक्स न्यूज़ को दिए एक साक्षात्कार में जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या भविष्य में अमेरिकी सैनिक यूक्रेन की सीमाओं की रक्षा करेंगे, तो उन्होंने कहा, आपके पास मेरी गारंटी है, और मैं राष्ट्रपति हूं। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि ट्रंप अमेरिकी सैनिकों को न भेजने के पक्ष में दृढ़ हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि सुरक्षा गारंटी को लेकर बातचीत जारी है और अमेरिका अपने यूरोपीय सहयोगियों तथा यूक्रेन के साथ मिलकर ऐसे विकल्पों पर विचार कर रहा है जिससे रूस को आक्रमण करने से रोका जा सके। इस दौरान ट्रंप ने दोहराया कि उनके कार्यकाल में यूक्रेन नाटो का हिस्सा नहीं बनेगा, लेकिन फिर भी उसे सुरक्षा गारंटी दी जाएगी। उन्होंने संकेत दिया कि इस दिशा में फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन जैसे यूरोपीय देश अपनी सैनिक तैनाती या संसाधन उपलब्ध कराने पर विचार कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि रूस की आक्रामकता से निपटने में यूरोप ही पहली रक्षा पंक्ति है, और अमेरिका सहयोगी भूमिका में रहेगा।

अपने खिलाफ महाभियोग के प्रयास के बीच अमेरिका में रहीं डिप्टी स्पीकर ने कहा- हिम्मत है तो जेल में डालो

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू में जिस समय सत्तारूढ़ गठबंधन के सांसद डिप्टी स्पीकर इंदिरा राना मगर के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर रहे थे उस समय स्वयं वो आधिकारिक भ्रमण पर अमेरिका में नेपाल का प्रतिनिधित्व करते हुए एक सम्मेलन में सहभागी थीं।

महाभियोग के प्रस्ताव लाने की जानकारी के बाद उन्होंने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यदि मेरी कोई गलती है तो मुझे आज सजा मिलनी चाहिए लेकिन दो तिहाई का दंभ दिखाकर सरकार जिस तरह से महाभियोग का प्रस्ताव ला रही है, वह कार्य अशोभनीय है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार की हिम्मत है तो उन्हें जेल में डाले, वो सजा भुगतने को तैयार है। अपने फेसबुक पेज पर प्रतिक्रिया देते हुए

इंदिरा राना मगर ने कहा कि इस समय मैं सरकार की अनुमति से ही नेपाल सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए अमेरिका में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शिरकत करने आई हूं। ऐसे समय काठमांडू में मेरे खिलाफ महाभियोग के प्रस्ताव से न सिर्फ मेरी छवि खराब हुई बल्कि देश की साख भी गिरी है। राना मगर ने लिखा है कि कम से कम सरकारी दौरे से वापस आने के बाद यह फैसला करना चाहिए था।

डिप्टी स्पीकर ने कहा कि उनपर सत्तारूढ़ गठबंधन की तरफ से जो आरोप लगाया गया है, वह बिलकुल बेबुनियाद है, इस बारे में सरकार की जांच में कुछ नहीं मिला। उनका कहना है कि इसी मामले में मेरे खिलाफ पहले भी महाभियोग का प्रस्ताव लाने का प्रयास किया गया था जिसे सत्तारूढ़ घटक दल के ही द्वारा विरोध करने के बाद वापस लेना पड़ा था। डिप्टी स्पीकर राना मगर ने बताया कि सत्तारूढ़ दल के नेता द शेखर कोइराला ने उनसे फोन पर बात करते हुए उन्हें भरोसा दिलाया कि उनके विदेश में रहते सरकार के द्वारा लाया जा रहा महाभियोग का प्रस्ताव का वह विरोध करेंगे और उन्हें समझाने का प्रयास करेंगे कि यह सही नहीं। डिप्टी स्पीकर ने कहा कि अगर सरकार को लगता है कि उनकी गलती है तो उनके खिलाफ फिर से जांच करवाए और दोषी पाए जाने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि यदि सरकार में हिम्मत है तो उन्हें जेल में डाल सकती है लेकिन वो अपना पद आसानी से नहीं छोड़ने वाली हैं।

जापान देगा यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी में सहयोग, पीएम इशिबा का बयान

एजेंसी

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने कहा कि उनका देश यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी में भाग लेने के लिए तैयार है। हालांकि, उन्होंने इस सहयोग की प्रकृति और दायरे पर फिलहाल कोई स्पष्ट जानकारी साझा नहीं की। इशिबा ने अपने कार्यालय में पत्रकारों से कहा, हम यह गहराई से चर्चा करेंगे कि हमारे देश को कानून और क्षमताओं के दृष्टिकोण से क्या करना चाहिए और क्या करना संभव है। उसी आधार पर हम उपयुक्त भूमिका निभाएंगे।÷ उन्होंने दोहराया कि जापान अभी उस चरण में नहीं है जहां समर्थन के सटीक स्वरूप को बताया जा सके। जापान नाटो का औपचारिक सदस्य नहीं है, लेकिन उसके साथ निकट सहयोग करता है। इशिबा का यह बयान इस बात का संकेत है कि पश्चिमी देश रूस के भविष्य में किसी भी आक्रामक कदम

की स्थिति में यूक्रेन को बचाने के लिए व्यापक ढांचा तैयार कर रहे हैं। इससे पहले सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूरोपीय नेताओं की बातचीत के बाद सुरक्षा गारंटी पर चर्चा तेज हुई। इसमें यूक्रेन के लिए शांति समझौते के बाद शांति-रक्षक बल (पीस-कीपिंग फोर्स) तैनात करने की संभावनाएं भी शामिल हैं। नाटो महासचिव मार्क रुटे ने कहा है कि 30 देश, जिनमें जापान भी शामिल है, एक ऐसा ढांचा तैयार करने पर काम कर रहे हैं जिससे युद्धविराम या पूर्ण शांति समझौते के बाद यूक्रेन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

यूक्रेन को क्षेत्रीय समझौते पर चर्चा के लिए तैयार होना चाहिए, न कि नाटो में शामिल होने के लिएः स्लोवाक प्रधानमंत्री

एजेंसी

ब्रातिस्लावा। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने कहा है कि यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की बुनियादी शर्त यह है कि यूक्रेन नाटो का सदस्य न बने। उन्होंने यूरोपीय परिषद की बैठक के बाद जारी एक वीडियो संदेश में यह टिप्पणी की। फिको ने कहा कि बिना क्षेत्रीय बदलावों पर चर्चा किए युद्ध में प्रगति संभव नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया, संघर्ष समाप्त करने की पहली बुनियादी शर्त यह समझ है कि यूक्रेन नाटो का सदस्य नहीं बन सकता। उतना ही महत्वपूर्ण यह तथ्य है कि क्षेत्रीय बदलावों पर बातचीत के बिना कोई प्रगति संभव नहीं होगी।

उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें निराशा है कि यूरोपीय संघ को शांति का रास्ता दिखाने के लिए डोनाल्ड ट्रंप का इंतजार करना पड़ा। फिको ने अमेरिकी राष्ट्रपति की पहल को व्यक्तिगत बड़ी सफलता बताया। स्लोवाक प्रधानमंत्री ने 100 अरब यूरो मूल्य के सैन्य उपकरण खरीदने और उन्हें यूक्रेन भेजने के यूरोपीय प्रस्ताव को एक मजाक करार दिया। उन्होंने कहा कि वे कल्पना भी नहीं कर सकते कि स्लोवाकिया अमेरिकी हथियार खरीदे और फिर उन्हें मुफ्त में यूक्रेन भेजे।

मैक्रों ने कहा-जेलेंस्की से मिलने को तैयार पुतिन, बैठक यूरोप में रखने की वकालत

एजेंसी

वाशिंगटन। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के साथ यूक्रेन और रूस के बीच शांति वार्ता के लिए हुई बैठक के बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आखिरकार यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की से मिलने को तैयार हो गए हैं। वाशिंगटन शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने फोन पर पुतिन से बात की। इस वार्ता में पुतिन ने कहा कि वह अगले दो हफ्तों में जेलेंस्की से मिलने के लिए तैयार हैं। वाशिंगटन शिखर सम्मेलन के तत्काल बाद फ्रांसीसी समाचार चैनल एलसीआई के साथ साक्षात्कार में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने यह दावा किया। उन्होंने कहा कि 24 फरवरी, 2022 को रूसी आक्रमण के बाद दोनों नेताओं की यह पहली मुलाकात होगी। मैक्रों ने कहा कि हम सबने दोनों राष्ट्रपतियों के बीच एक द्विपक्षीय बैठक, इसके बाद त्रिपक्षीय बैठक (इसमें डोनाल्ड ट्रंप होंगे) और आखिर में बहुपक्षीय बैठक करने का फैसला लिया है। इस बैठक में यूरोपीय देशों के नेता

भी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यह बैठक यूरोप में होगी। मैक्रों ने कहा कि 2019 में जेलेंस्की और पुतिन की बैठक फ्रांस में हुई थी। इस बार बैठक किसी तटस्थ देश में आयोजित की जाएगी। उन्होंने वकालत की कि बैठक जिनेवा (स्विट्जरलैंड) में हो। फ्रांस के राष्ट्रपति ने कहा कि जेलेंस्की से पुतिन की मुलाकात किसी ऐसे देश में हो जो अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय को मान्यता देता हो तो और बेहतर होगा। शांति को आगे बढ़ाने के लिए यह जरूरी है। इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि यह समझौता जल्दबाजी में नहीं होना चाहिए। यूक्रेन न्यायसंगत मांगों को स्वीकार करेगा। वह शांति के लिए अगर आत्मसमर्पण करता है, तो यह यूक्रेन और यूरोपीय देशों के लिए दुखद होगा। इससे परमाणु-सशस्त्र शक्ति हमारी सीमाओं के करीब आकर आगे बढ़ेगी। इसका मतलब होगा पिछले 70 वर्षों में बनी अंतरराष्ट्रीय भौगोलिक व्यवस्था का पतन। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन शिखर सम्मेलन में चर्चा का एक और प्रमुख मुद्दा शांति समझौते के बाद यूक्रेन को दी जाने वाली सुरक्षा गारंटी का रहा। हम सबने इस पर सहमति जताई है। इस पर अमेरिका और ब्रिटेन का रुख अहम होगा। मैक्रों ने कहा कि सुरक्षा गारंटी का मतलब यह नहीं कि यूक्रेन को नाटो का संरक्षण प्राप्त होगा। ट्रंप चाहते हैं कि यूक्रेन यह जिद छोड़ दे। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर रूस ने शांति समझौते के बाद यूरोप की सीमाओं पर उकसावे की कार्रवाई की तो प्रतिक्रिया होगी। उन्होंने माना कि आज रूस यूरोपीय देशों के लिए खतरा बना हुआ है।

प्रदेश में कहीं भी उर्वरक की दिक्कत नहीं, कालाबाजारी पर योगी सरकार सख्त

लखनऊ, 20 अगस्त: योगी सरकार ने एक बार फिर साफ किया है कि प्रदेश में कहीं भी उर्वरकों की दिक्कत या कमी नहीं है। किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है। सरकार ने खाद के अनावश्यक भंडारण न करने की अपील की है। कृषि विभाग ने सभी 18 मंडलों में खाद की उपलब्धता व बिक्री की जानकारी दी। खरीफ सत्र 2024 में इस अवधि (18 अगस्त) तक 36.76 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की बिक्री हुई थी, वहीं इस वर्ष अब तक 42.64 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की बिक्री की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने की किसानों से अपील

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों से अपील की कि खाद का भंडारण न करें। जितनी आवश्यकता है, उतना खाद लें, जब-जब आवश्यकता है, तब-तब खाद लें। हर जनपद में शिकायत प्रकोष्ठ है। किसी भी परेशानी की स्थिति में अवगत कराएं। मुख्यमंत्री ने उर्वरक की ओवररेटिंग, कालाबाजारी करने वालों को कड़ी चेतावनी भी दी है। उन्होंने जनपद में तैनात अधिकारियों को समय-समय पर निरीक्षण करने, किसानों से संवाद स्थापित करने और समस्याओं का निस्तारण करने का निर्देश दिया है। कृषि विभाग ने बताया कि प्रदेश में खाद की

पिछले वर्ष से अधिक हुआ खाद वितरण
मुख्यमंत्री ने की किसानों से अपील

कोई कमी नहीं है।

प्रदेश में पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष अभी तक अधिक खाद वितरण किया जा चुका है। विगत वर्ष 27.25 लाख मीट्रिक टन यूरिया वितरण हुआ था, इस वर्ष अभी तक 31.62 लाख मीट्रिक टन वितरण किया जा चुका है। डीएपी 2024 में वितरण 5.28 लाख मीट्रिक टन का रहा, इस वर्ष यह बिक्री 5.38 लाख मीट्रिक टन हुई। एनपीके उर्वरक (नाइट्रोजन, फॉस्फोरस व पोटेशियम मिश्रण) का वितरण विगत वर्ष 2.07 लाख मीट्रिक टन रहा, इस वर्ष 2.39 लाख मीट्रिक टन वितरण किया जा चुका है। एमओपी (म्यूरेट ऑफ पोटाश) 0.25 लाख मीट्रिक टन के सापेक्ष इस वर्ष 0.46 लाख मीट्रिक टन वितरित हुआ। वहीं एसएसपी (सिंगल सुपर फॉस्फेट) का वितरण 2024 में 1.91 लाख मीट्रिक टन रहा, इस वर्ष किसानों को 2.79 लाख मीट्रिक टन वितरण किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री के सलाहकार ने श्रीनगर के राबिता में प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात की

श्रीनगर 20 अगस्त। मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी ने श्रीनगर के गुपकार स्थित राबिता कार्यालय में कई प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात की।

प्रतिनिधियों में अन्य लोगों के अलावा, सिविल सचिवालय के अराजपत्रित कर्मचारी, लेखा अधिकारी, पीएचई की जल परीक्षण प्रयोगशालाओं के लैब कर्मचारी, खिदमत केंद्र संघ, अखिल जम्मू-कश्मीर रहबर-ए-जंगलात कर्मचारी संघ और चिकित्सा प्रौद्योगिकी के छात्र शामिल थे।

सलाहकार ने प्रतिनिधियों की बातों को ध्यान से सुना और उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं को उचित कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों के समक्ष उठाया जाएगा।

उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि सरकार कर्मचारियों, संस्थानों और व्यापार निकायों की जायज़ मांगों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सलाहकार ने कहा कि इस तरह की बातचीत प्रशासन के लिए हितधारकों से सीधे जुड़ने और जमीनी स्तर पर मुद्दों की बेहतर समझ हासिल करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में काम करती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने नियमित जन सम्पर्क की प्रक्रिया शुरू की है, जिसे जारी रखा जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जनता की चिंताओं का त्वरित और प्रभावी ढंग से समाधान किया जाए।

लाल भिंडी की खेती

लाल भिंडी की खेती की शुरुआत देश में हो चुकी है । लाल भिंडी की उन्नत खेती से किसान भाई एक ही सीजन में मालामाल हो सकते हैं । एक किलोग्राम लाल भिंडी की कीमत 100 से 500 रुपये तक हो सकती है । बाजार में हरी भिंडी तो सभी ने देखा हुआ होता है लेकिन लाल भिंडी बाजार में बमुश्मिल दिखती है । लाल भिंडी के प्रति लोगों में आकर्षण अधिक होता है । इस कारण अच्छी कीमत मिलती है । साथ ही सामान्य भिंडी के मुकाबले लाल भिंडी में एंटी ऑक्सीडेंट, आयरन और कैल्शियम समेत कई पोषक तत्वों से भरपूर मात्रा में पाए जाते है।

जलवायु व तापमान

भिंडी की खेती के लिए गर्म और आद्र कम जलवायु उपयुक्त होती है । सामान्य तौर पर हरी भिंडी के जैसे ही लाल भिंडी के पौधे की लंबाई लगभग एक से डेढ़ मीटर तक होती है । लाल भिंडी खेती खरीफ और बरसात दोनों मौसम में की जाती है । इसके पौधे को बारिश की ज्यादा जरूरत नही होती । पौधों को विकास के लिए दिन में लगभग 6 घंटे तक धूप की आवश्यकता होती है ।

भूमि की जानकारी व भूमि का चयन

लाल भिंडी की खेती के लिए जीवांश व कार्बनिक पदार्थ युक्त बलुई दोमट मिट्टी सबसे सर्वोत्तम होती है । अच्छी पैदावार व गुणत्तापूर्ण फल हेतु उचित जल निकास व भूमि पी.एच. मान सामान्य होना चाहिए । देश भर में लगभग सभी जगह लाल भिंडी की खेती की जा सकती है।

खेत की तैयारी

लाल भिंडी की खेती के लिए शुरुआत में खेत की अच्छे से जुताई कर उसे खुला छोड़ दें । उसके बाद खेत में 2 गाडी प्रति कनाल के हिसाब से पुरानी गोबर की खाद को डालकर खेत की अच्छे से जुताई कर दें. जिससे गोबर की खाद मिट्टी में अच्छे से मिल जाती है. उसके बाद खेत में पानी छोड़कर खेत का पलेव कर दें. पलेव करने के दो से तीन दिन बाद जब भूमि उपर से सूखने लगे तब खेत की फिर से जुताई कर उसमें पाटा चला दें ताकि खेत समतल हो जाए।

उन्नत किस्में-

लाल भिंडी की दो उन्नत किस्में हैं

- आजाद कृष्णा
- काशी लालिमा (इस प्रजाति के विकास के लिए भारतीय कृषि वैज्ञानिकों में 1995-96 से कार्य शुरू किया । 23 साल बाद वाराणसी स्थित भारतीय सब्ज़ी अनुसंधान संस्थान ने लाल भिंडी की इस किस्म के विकास में सफलता प्राप्त की । इस किस्म का रंग बैगनी व लाल होता है । 10-15 सेंटीमीटर लम्बी, व 1.5 से 1.6 सेमीश की मोटाई वाली यह भिंडी में पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं ।

इन दोनों किस्मों के फल लाल रंग के होते हैं ।

बीज व बीज की उपलब्धता

किसान भाइयों के लिए एक परामर्श यह है कि इस नए प्रकार की प्रजाति के बीज शायद स्थानीय बाजार में उपलब्ध न हों । तो इससे चिंतित न हों । ऑनलाइन कई कंपनियां हैं जो लाल भिंडी का बीज उपलब्ध कराती हैं । थोड़ी सी मात्रा में बीज ऑनलाइन मंगा लीजिये । उसकी बुवाई कर दीजिए । इसके बाद बीज का उत्पादन आप स्वयं कर सकते हैं । बीज कंपनी अडवांटा सीड्स जल्द ही लाल भिंडी की एक नई किस्म लाने वाली है। अडवांटा सीड्स कंपनी के अशोक जेड़े का कहना है कि कंपनी लाल भिंडी की इस किस्म को जल्द ही मार्केट में उतारने वाली है । अमेजन में किचन गार्डन हेतु अलग अलग रेट पर लाल भिंडी के बीज उपलब्ध हैं

बुवाई का समय

लाल भिंडी को हरी भिंडी के जैसे ही दो अलग - अलग समय में उगाया जा सकता है । मानसून में जुलाई - अगस्त में व ग्रीष्म ऋतु की फसल में फ़रवरी-मार्च में ।

लाल भिंडी की बुवाई की विधि

भिंडी के बीजों को बुवाई से पहले 10-12 घंटे तक पानी में भिगो दें। इसके बाद लगभग एक घंटा छाया में सुखा दें ।

इससे अंकुरण अच्छा होता है । इसके बाद खेत में लाइन से लाइन 45-60 सेंटीमीटर व पौध से पौध की दूरी 25-30 सेंटीमीटर रखते हुए बुवाई कर दें

लाल भिंडी की खेती में खाद व ऊर्वरक की मात्रा -

लाल भिण्डी की बुवाई से पहले खेत की तैयारी के अंतर्गत 1- 1.5 टन अच्छी तरह गली एवं सड़ी हुई गोबर की खाद खेत में माह भर पहले किसान भाई डाल दें ।

5 कि.ग्रा. नाइट्रोजन
3 कि.ग्रा. फास्फोरस
2.5 कि.ग्रा. पोटाश

प्रति कनाल की दर से भूमि में डालनी चाहिए।

उर्वरक डालने की विधि

बुवाई के पहले ही नाइट्रोजन खाद की एक तिहाई मात्रा तथा फास्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा खेत में मिला दें । शेष बची हुई नाइट्रोजन की मात्रा दो बार खड़ी फसल में एक समान रुप से टॉप ड्रेसिंग कर दें ।

लाल भिंडी पौधों में लगने वाले रोग और उनकी रोकथाम

भिंडी के पौधे जब बढ़ने लगते हैं उसी दौरान पौधों पर लाल मकड़ी का आक्रमण देखने को मिलता है । इस रोग के कीट सफ़ेद मक्खियों की तरह भिंडी के पौधे की पत्तियों की निचली सतह पर झुण्ड बनाकर रहते हैं । यह पत्तियों का रस को चूसते रहते हैं । भरपूर पोषण न पानी की कमी के कारण पौधा विकास करना बंद कर देता है । और पत्तियों का रंग पीला पड़ जाता है । लाल मकड़ी के अधिक प्रकोप बढ़ने पर पूरा का पूरा पौधा पीला होकर सूख जाता है

रोकथाम - इस भयंकर रोग की रोकथाम के लिए पौधों पर डाइकोफॉल या गंधक की उचित मात्रा का छिडकाव करना चाहिए।

करेला मे शरीर की कई बीमारियों के इलाज के साथ औषधीय गुण भी पाए जाते है

आज के समय मे करेला एक मुनाफे की खेती है जिसकी बाजार मे अच्छे भावो के साथ हमेशा मांग रहती है । करेला मे शरीर की कई बीमारियों के इलाज के साथ औषधीय गुण भी पाए जाते है । देश का किसान आज के समय खेती को नए तौर-तरीकों से कर रहा है । किसान करेले की वैज्ञानिक खेती कर करेले की खेती से अच्छा लाभ कमा रहे है ।

देश के किसान ज्यादातर करेले की अगेती खेती और पछेती खेती कर अच्छा लाभ कमाते है । करेले की फसल एक ऐसी फसल है जो लगाने के 10-85 दिन बाद अच्छी मात्रा मे फल देना शुरू कर देता है और कम से कम अगले 3-4 महीने तक उत्पादन देता रहता है ।

किसान आज के समय खेती फसल की जानकारी के साथ ही खेती करनी चाहिए जिससे कम लागत मे अच्छा लाभ कमा सके । आइए जानते है करेला की खेती, करेले की फसल । करेले की नर्सरी कैसे तैयार करें । बरसात में करेले की खेती । गमले में करेला कैसे लगाएं । करेला कब लगाया जाता है । करेले का बीज का रेट । बरसात में करेले की खेती । करेला की खेती के बारे मे सम्पूर्ण जानकारी -

करेले की नर्सरी कैसे तैयार करें ?

कई किसान करेले की, खेत मे सीधी बुआई कर देते है लेकिन नर्सरी विधि ज्यादा मुनाफा और रोगमुक्त मानी जाती है । यदि किसान खेती से अच्छा मुनाफा कमाना चाहता है तो किसान को पहले करेले की पौध तैयार करनी होगी ।

करेले की पौध तैयारी के लिए प्लांट ट्रे और कॉकपिट/ नारियल का बुरादा का प्रयोग करें जो कृषि दुकानों पर आसानी से मिल जाता है । यह प्रक्रिया अपने घर मे, पॉलिहाउस, नर्सरी मे उपयुक्त वातावरण/तापमान देकर तैयार कर सकता है ।

यदि किसान करेले की खेत मे सीधी बुआई करता है तो बीजों को 10 से12 घण्टे भिगोकर रखे । बुआई के 1 घण्टे पहले मेनकोजेब दवा से उपचारित करके बुआई कर दे । बीज की 2 से 2 .5 सेमी गहराई मे बुआई करए ।

आवश्यक जलवायु और मिट्टी ?

इस फसल को 15-35 डिग्री के बीच का तापमान अनुकूल माना जाता है । जलवायु गर्म और आर्द्र अनुकूल मानी जाती है । मिट्टी की बात करें तो अधिकतर काली दोमट मिट्टी, नमी मनाए रखने योग्य मृदा वाली भूमि में उपयुक्त मानी जाती है । काली मिट्टी, दोमट-मिट्टी, जलोढ़ मिट्टी इनमें पानी और खाद की बहुत ही कम आवश्यकता होती है । जबकि रेतीली-बलुई और लाल मिट्टी में पानी और खाद की आवश्यकता होती है किसान की लागत बढ़ जाती है ।

वैसे देश के सभी राज्यो मे सफलतापूर्वक करेले की उन्नत खेती की जाती है ।

करेला की खेती का समय /करेला कब लगाया जाता है ?

ज्यादातर किसानो के मन मे रहती है की करेले की खेती किस महीने में करें या करेला किस महीने में बोया जाता है - मुख्य तौर पर करेला की खेती के लिए बुवाई साल में तीन बार कर सकते हैं जो शीत ऋतु, गर्मी और वर्षा ऋतु में होती है वैसे किसान ग्रीनहाउस या पॉलीहाउस में करेले की खेती करता है तो साल में कभी भी करेला खेती का तापमान बनाकर खेती कर सकता है ।

कैसे करें दूध उत्पादन व्यवसाय

सी एम शर्मा

दूध उत्पादन व्यवसाय या डेयरी फार्मिंग छोटे व बड़े स्तर दोनों पर सबसे ज्यादा विस्तार में फैला हुआ व्यवसाय है। दूध उत्पादन व्यवसाय व्यावसायिक या छोटे स्तर पर दूध उत्पादन किसानों की कुल दूध उत्पादन में मदद करता है और उसकी आर्थिक वृद्धि को बढ़ाता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि, भारत में कई वर्षों से डेयरी व्यवसाय या दूध उत्पादन ने आर्थिक वृद्धि में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कुल दूध उत्पादन ने हमारे देश की अर्थव्यवस्था में बड़े स्तर पर भागीदारी की है और बहुत से गरीब किसानों को अपना व्यवसाय स्थापित करने में सहयोग किया है। यदि किसी के पास दूध उत्पादन का व्यवसाय स्थापित करने के लिए प्रारंभिक पूंजी है तो इस दूध उत्पादन व्यवसाय को किसी भी क्षेत्र में आसानी से स्थापित किया जा सकता है।

छोटे स्तर पर दूध देने वाले पशुओं को बढ़ावा देने की भारत में सामान्य प्रथा है। कुछ किसान आधुनिक दूध उत्पादन (डेयरी व्यवसाय) तरीकों को नहीं जानते हैं। डेयरी व्यवसाय तकनीकी ज्ञान के अभाव के कारण कभी-कभी वे लाभ प्राप्त करने के स्थान पर निवेश की लागत को भी खो देते हैं। अधिकतम दूध उत्पादन और डेयरी व्यवसाय से लाभ को सुनिश्चित करने के साथ ही सभी चीजों का योजना के अनुसार प्रबंध करने के लिए उचित व्यवसाय योजना के साथ प्रभावी रणनीति बनाना बहुत आवश्यक है।

डेयरी व्यवसाय के महत्व और दूध उत्पादन की समस्याओं के संदर्भ में कुछ तथ्य निम्नलिखित हैं

* दूध उत्पादन परंपरागत व्यवसाय है, इसलिए किसी को भी दूध और अन्य डेयरी उत्पादकों (दूध उत्पादकों) के बारे में चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि ये किसी भी स्थान पर आसानी से बेचे जा सकते हैं। डेयरी उत्पादकों का बाजार सालभर सक्रिय रहता है।

* यह पर्यावरण के अनुकूल व्यवसाय है, जो वातावरण को कभी भी प्रदूषित नहीं करता।

* इस व्यवसाय के लिए आपको उच्चस्तरीय कुशलता की कोई आवश्यकता नहीं है और परिवार में कम * पूंजी से छोटे स्तर पर आसानी से स्थापित किया जा सकता है।

* यह बेराजगार शिक्षित और अनपढ़ युवाओं के लिए व्यापार करने का महान अवसर लाता है। यदि इस व्यवसाय को उचित योजना और प्रबंध के साथ किया जाए तो यह अधिकतम उत्पादन देता है।

* यह भारत के मौसम और वातावरण के अनुसार उत्पादन करने के लिए सबसे उपयुक्त व्यवसाय है।

कोई भी डेयरी व्यवसाय के लिए सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकता है और नाबार्ड के लिए लोन के लिए आवेदन भी कर सकता है।

डेयरी व्यवसाय या दूध उत्पादन व्यवसाय क्या है?

दूध उत्पादन भारत में सबसे सामान्य व्यवसाय है, जिसमें दूध का उत्पादन अधिकतम करने के लिए किसान दूध के उत्पादन के लिए गाय और भैंसों का प्रबंध करते हैं, चाहे वह उत्पादन छोटे स्तर पर हो या बड़े स्तर पर। इस कारोबार में पशुओं के स्वास्थ्य की निगरानी सहित उनके लिए आवश्यक दवा, उचित भोजन, दूध देने वाले उपकरणों का समुचित उपयोग, कचरे का प्रबंधन आदि कुछ विशिष्ट जिम्मेदारियां होती है, हालांकि यह अन्य व्यवसायों की तुलना में शुरू करने में आसान है। कुछ दुग्ध उत्पादक स्वयं दूध उत्पादन करके उसे वितरित करते हैं, हालांकि उनमें से कुछ डेरी की प्रक्रिया के लिए कंपनियों को दूध की आपूर्ति करते हैं। डेरी व्यवसाय शुरू करने के लिए सबसे आसान कारोबार है हालांकि इसके लिए कुछ विशेष ज्ञान की आवश्यकता पड़ती है और इसे बड़े स्तर का व्यवसाय बनाने के लिए कुछ तकनीकों के प्रयोग की आवश्यकता होती है। कुछ शिक्षित लोग इसे पूरी योजना के साथ डेरी विज्ञान, कृषि, इससे संबंधित अन्य क्षेत्रों में डिग्री लेने के द्वारा करते हैं। एक सफल दुग्ध उत्पादक बनने के लिए किसी को भी इस क्षेत्र में अच्छा अनुभव रखने की आवश्यकता है। एक दुग्ध उत्पादक की जिम्मेदारियां डेरी व्यवसाय के आकार और कार्यों के अनुसार अलग-अलग होती हैं। छोटे दुग्ध उत्पादकों को बड़े प्रयासों की आवश्यकता होती है और इनका विकास भी धीरे-धीरे होता है, वहीं बड़े उत्पादकों को अधिक पूंजी की आवश्यकता होती है लेकिन इसकी प्रवृत्ति व्यक्ति और देश की अर्थव्यवस्था में वृद्धि करने की होती है।

चाहे आप इस व्यापार को छोटे स्तर पर करें या बड़े स्तर पर, दोनों को ही चारे का प्रबंधन, खिलाने, दुहने (दूध निकालने), प्रसंस्करण आदि की आवश्यकता होती है। एक दुग्ध उत्पादक को पशुओं के स्वास्थ्य के प्रबंधन और अन्य चिकित्सकीय स्थितियों के लिए पशु चिकित्सकों के साथ ही पोषण विशेषज्ञों के सहयोग की आवश्यकता होती है। उन्हें दूध के उत्पादन को अधिकतम करने के लिए घुमावदार (रोटेरी) और समानांतर दूध निकालने की आधुनिक प्रणालियों का प्रयोग करना चाहिए, जो किसानों को बड़ी संख्या में कम समय में गायों और भैंसों का दूध निकालने में मदद करती है। वहीं दूध निकालने के पुराने तरीके के लिए अधिक पर्यवेक्षण और प्रयासों सहित अधिक मेहनत की जरूरत होती है। यदि सभी चीजों का सही तरीके से प्रबंध किया जाए तो किसान दिन में तीन बार दूध प्राप्त कर सकते हैं।

दुग्ध उत्पादन का विस्तार

दुग्ध उत्पादन बड़े स्तर का व्यवसाय है और यह वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था में पिछले दो वर्षों में 8-9त्न वृद्धि हुई है।

डेरी क्षेत्र भारत के बड़े औद्योगिक क्षेत्रों में से एक है, क्योंकि यह बड़े स्तर पर भारत की अर्थव्यवस्था में भागीदारी करता है। यह कारोबारी क्षेत्र है, जो बहुत से अशिक्षित और शिक्षित बेरोजगार लोगों को लाभदायक रोजगार प्रदान करता है। यह बड़े व्यापारियों की अनुपूरक आय का स्रोत है। यह किसी भी व्यक्ति के द्वारा थोड़ी सी पूंजी को लगाकर और डेरी का थोड़ा सा ज्ञान प्राप्त करके शुरू किया जा सकता है। इसने ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी के उन्मूलन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है क्योंकि वंचितों के परिवार ने सूखे के दौरान 75-85त्न आय दूध उत्पादकों से प्राप्त की थी। इसने देश में बड़े स्तर पर देश में रोजगार को पैदा किया है। यह क्षेत्र पूरे भारत में अधिक डेरी उद्यमियों का निर्माण कर सकता है, जो नए रोजगारों का सृजन करने के माध्यम से पूरे समाज के कल्याण के लिए कार्य कर सकते हैं। वे शिक्षित बेरोजगार युवाओं, भारत में नौकरी के अभाव में गरीबी से जूझता हुआ सबसे बड़े वर्ग को नई नौकरियों का निर्माण करके भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार लाने के द्वारा बेहतर योगदान देने के योग्य बनाता है। यह गैर-परंपरागत संसाधनों के उपयोग में सुधार लाएगा, जैसे- सौर ऊर्जा, उत्पादों द्वारा कृषि, बारिश का पानी, जैविक खाद आदि। यह नए दुग्ध उत्पादकों का निर्माण करके नई तकीनीकियों की मांग में सुधार कर रहा है। यह गरीबी के स्तर को कम करने, पोषित भूख को पूरा करने, आय और समानता को बढ़ाने में अपना योगदान दे रहा है। दूध के उत्पाद और पशुओं के निर्यात उन्मुखीकरण के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था में वृद्धि हुई है। दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में उन्नत वैज्ञानिक तकनीकों के विकास ने पशुओं में बीमारियों के उभरने, प्रजनन नीति के खतरों को कम किया है। इस प्रकार, भविष्य में जनसंख्या में वृद्धि के साथ दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में वृद्धि होगी। दूध उत्पादन में सफलता/ लाभदुग्ध उत्पादन सफल कारोबार है। हमें केवल दूध उत्पादन के कारोबार को शुरू करने से पहले योजनाओं, प्रभावी रणनीतियों को बनाने और उसके अनुसार अपने मस्तिष्क को तैयार करने की आवश्यकता है। यह बहुत अधिक महंगा कारोबार नहीं है और किसी के भी द्वारा, जो इसके बारे में अच्छे से जानता हो तो उसके द्वारा इसकी शुरुआत थोड़ी सी पूंजी लगाकर की जा सकती है, हालांकि इसे 100% सफल बनाने के लिए, एक व्यक्ति को भीड़ में दौड़ने और बंद आंखों के साथ अपना कारोबार शुरु करने की आवश्यकता नहीं होती है। एक व्यक्ति जो गंभीरता से इस व्यवसाय को शुरू करना चाहता है, तो उसे व्यापार शुरू करने से पहले अपनी आंखों को खोलने, पक्ष-विपक्ष का विश्लेषण करने, इस कारोबार के बारे में सबकुछ विस्तार से जानने और आवश्यकता के अनुसार पर्याप्त प्रशिक्षण लेने की आवश्यकता होती है। यदि हम सही तरीके की रणनीति के साथ दुग्ध उत्पादन को शुरू करेंगे तो निश्चय ही हम इसमें बड़ी सफलता प्राप्त कर लेंगे। वर्तमान में बहुत सी प्रौद्योगिकियों और तकनीकी सहयोग की उपलब्धता है, जो हमारे डेरी व्यवसाय को सफल कारोबार बना सकती है। यह आजकल भारत में एक लाभदायक और आकर्षक व्यवसाय है, जो अधिकतर भारतीय किसानों के साथ ही वाणिज्यिक व्यापारियों के रूप में चल रहा है। हमारे पास पूरी तरह से विकसित और प्रभावी ईआरपी सॉफ्टवेयर की किस्में हैं, जो पूरी प्रक्रिया के दौरान उत्पादन के साथ सहयोग कर सकती हैं। हमारे पास अत्याधुनिक उत्पादन संयंत्र के राज्य को स्थापित करने की सभी सुविधाएं हैं।